THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 85 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.10/11 2082 शनिवार, 21 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 10+4 मूल्य : 8 रुपये

पेपर की छपाई का टेंडर ब्लैक लिस्ट कंपनी को मिला

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पटना जोनल कार्यालय ने बिहार कांस्टेबल भर्ती घोटाला 2023 में पटना, नालंदा, रांची, लखनऊ और कोलकाता में 11 स्थानों पर गुरुवार को तलाशी अभियान चलाया है। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री, दस्तावेज और डिजिटल उपकरण मिले हैं। इन्हें जब्त कर लिया गया है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि बिहार कांस्टेबल भर्ती के पेपर की छपाई का टेंडर ब्लैक लिस्ट कंपनी को मिला था। जब गोदाम से प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र पर ले जाया जा रहा था तो रास्ते में सीलबंद बक्सों से प्रश्नपत्र निकाल लिए गए। आरोपियों ने उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बेच कर नोट कमाए।

अंबेडकर मेरे दिल में हैं : पीएम मोदी

> बाबा साहब का नाम लेकर लालू पर साधा निशाना

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के सीवान जिले में एक कार्यक्रम में लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा। उन्होंने राजद प्रमुख के पैर के पास डॉ.बी.आर. अंबेडकर की तस्वीर रखने पर आपत्ति जताई। पीएम मोदी ने कहा कि राजद दलितों का सम्मान नहीं करती है। इसलिए वे कभी माफी नहीं मांगेंगे। लालू यादव ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर का अपमान किया है। पीएम मोदी ने कहा कि अंबेडकर उनके दिल में बसते हैं। उन्होंने राजद पर दलितों और पिछड़ों का सम्मान न करने का आरोप लगाया।

यही नहीं, पीएम मोदी ने आरजेडी और कांग्रेस दोनों पर बिहार को बदहाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बिहार को वापस पटरी पर लाई है, जबकि विपक्षी दल राज्य में निवेश और विकास के खिलाफ हैं। पीएम मोदी ने कहा, हर किसी को आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए और किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। यही हमारे संविधान का सार है। इसलिए हम कहते हैं 'सबका साथ, सबका विकास' लेकिन 'लालटेन' और 'पंजा' वाले कहते हैं, 'परिवार का साथ, परिवार का विकास' यही उनकी राजनीति का सार है। वे अपने परिवारों के लाभ के लिए बिहार के करोड़ों परिवारों को नुकसान पहुंचाने से भी नहीं हिचकिचाते। बाबासाहेब अंबेडकर ऐसी राजनीति के खिलाफ थे।

यह विवाद लालू यादव के जन्मदिन के समारोह के एक वीडियो के वायरल होने के बाद शुरू हुआ। वीडियो में एक पार्टी समर्थक डॉ. अंबेडकर की तस्वीर को लालू यादव के पैर के पास रखता हुआ दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, लालू यादव ने तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया और तस्वीर को उस कुर्सी के पास रखा गया जिस पर उन्होंने अपना पैर फैलाया हुआ था। इस घटना के बाद राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी थी। इससे पहले, बिहार अनुसूचित जाति आयोग ने भी लालू यादव को डॉ.बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर उनका अपमान करने के आरोप में नोटिस जारी किया था। कांग्रेस और राजद ने पहले बीजेपी पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया था।

ओडिशा आना जरूरी था

भुवनेश्वर, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओडिशा के दौरे पर रहे। अपने दौरे के शुरूआत में उन्होंने राजधानी भुवनेश्वर में रोड शो किया। वहीं पीएम मोदी ने राज्य को करोड़ों की परियोजनाओं की सौगात दी है। इसमें पेयजल, सिंचाई, कृषि अवसंरचना, स्वास्थ्य अवसंरचना, ग्रामीण सड़कें और पुल, राष्ट्रीय राजमार्गों के खंड और एक नई रेलवे लाइन शामिल हैं।

राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ बौध के एकीकरण के ऐतिहासिक क्षण पर पीएम मोदी ने पहली बार जिले में रेल संपर्क बढ़ाने वाली नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी भी दिखाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भुवनेश्वर में आयोजित जनसभा में पहुंचे पर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएम ने किए बड़े सुधार : शाह

बेंगलूरू/तिरुवनंतपुरम, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने देश में स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को एक समग्र दृष्टिकोण से सुलझाया है। शाह बेंगलूरू में आदिचुंचनगिरी विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीबों की सबसे बड़ी समस्या बीमारी और उपचार पर खर्च है। सरकार को गरीबों के उपचार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को हर साल पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार करवाया है।

शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाना, फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजना शामिल हैं।

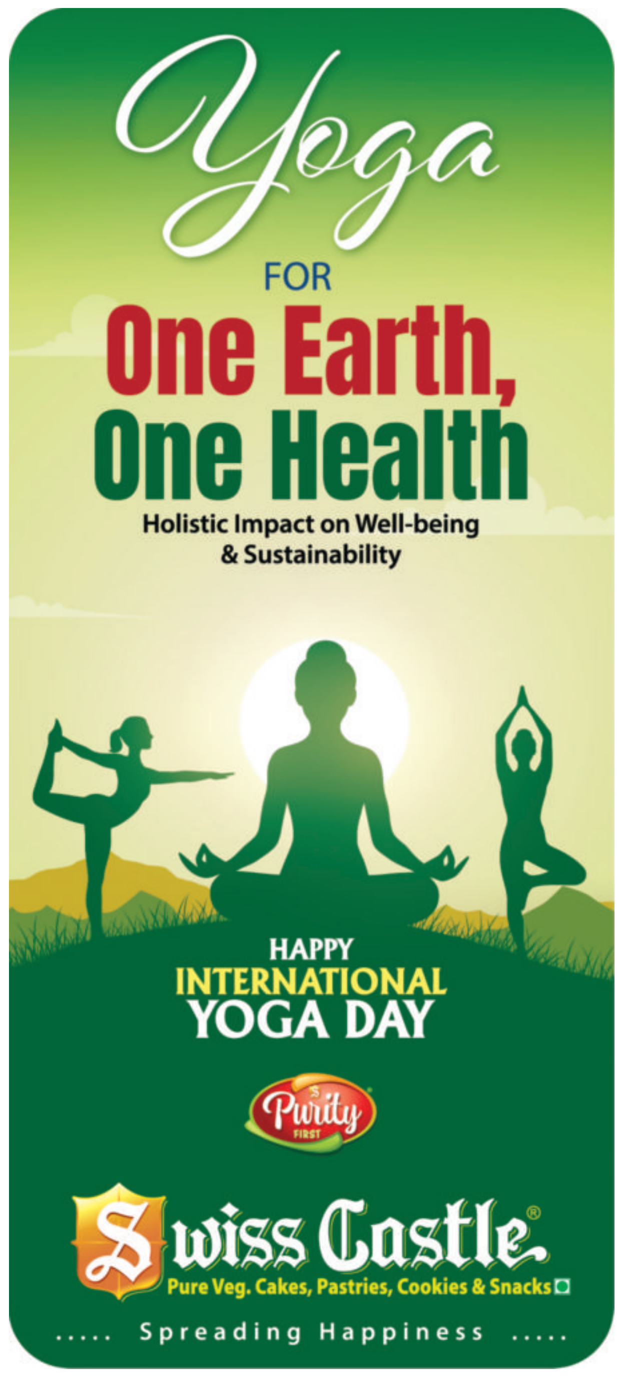

'कांग्रेस को आपातकाल लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए'

> पूर्व उप-राष्ट्रपति वेंकैया नायुडू का बयान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायुडू ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी को साल 1975 में आपातकाल लगाने के लिए देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

नायुडू ने कहा कि आपातकाल लगाना कठोर कदम था, जिसमें नागरिकों अधिकारियों को छीना गया। एक इंटरव्यू में पूर्व उपराष्ट्रपति ने बताया कि जब देश में आपातकाल लागू हुआ, उस समय वे आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय में छात्र संघ के नेता थे। उन्हें भी आपातकाल में करीब डेढ़ साल जेल में बिताना पड़ा था। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी।

अब जब देश में आपतकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए। नायुडू ने कहा कि मुझे लगता है कि लोगों के नागरिक अधिकार छीनने, मीडिया पर सेंसरशिप लगाने और प्रदर्शन करने का अधिकार छीनने के लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने 25 जून 1975 में देश में आपातकाल लागू किया था, जो 21 मार्च 1977 तक लागू रहा था।

हमले में एक और न्यूक्लियर साइंटिस्ट की मौत

तेहरान, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल आमने-सामने हैं. दोनों मुल्क एक-दूसरे पर बम और मिसाइल बरसा रहे हैं। इसी बीच ईरान की राजधानी तेहरान के गिशा इलाके में आज सुबह हुए एक जोरदार धमाके में एक न्यूक्लियर साइंटिस्ट की मौत हो गई।

इजरायली मीडिया के मुताबिक एक इजरायली अधिकारी ने दावा किया है कि ये हमला इजरायल की सेना आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेस) ने किया था। इजरायली अधिकारी के मुताबिक इस धमाके का मकसद ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम से जुड़े एक बड़े वैज्ञानिक को निशाना बनाना था और शुरूआती जानकारी के मुताबिक वह साइंटिस्ट इस हमले में मारा गया है। हालांकि ईरानी सरकार की ओर से अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन इस घटना ने दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण माहौल को और बढ़ा दिया है।

पतंजलि®

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण का संकल्प लें

योगमय भारत : स्वामी रामदेव जी का आह्वान

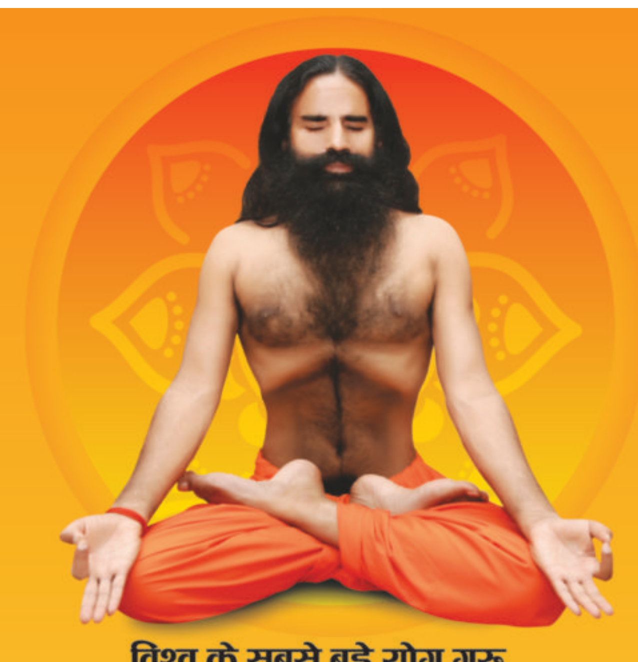

आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वामी जी के नेतृत्व में योगव्रती और स्वदेशीव्रती बनकर एक स्वस्थ, समृद्ध, समर्थ, संगठित और परम वैभवशाली भारत का निर्माण करें।

पतंजलि के माध्यम से पिछले तीन दशकों में योग, आयुर्वेद और स्वदेशी ने विश्व के 200 देशों में 200 करोड़ से अधिक लोगों को रोगमुक्ति, नशामुक्ति और आध्यात्मिक जागृति का मार्ग दिखाया है। इससे न केवल लाखों करोड़ रुपये की बचत हुई, अपितु एक आध्यात्मिक, सनातन जीवन पद्धति की नींव भी रखी गई।

"जागरण के देवता"

देश के शीर्षस्थ संत सहित करोड़ों लोग स्वामी जी महाराज को ``जागरण के देवता'' के रूप में देखते हैं जिन्होंने देश भर में 25 लाख किलोमीटर की यात्रा करके दस करोड़ से अधिक लोगों को योग का प्रशिक्षण देकर, एक करोड़ नि:स्वार्थ एवं निष्काम सेवा करने वाले निष्ठावान कार्यकर्ता तैयार किए। पतंजलि के वे प्रशिक्षित योगी भाई-बहन देश के हर गांव, शहर, गली और मोहल्ले में एक लाख से अधिक योग शिविरों एवं नियमित योग कक्षाओं के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। सुबह जल्दी उठकर योग करने की यह क्रांति भारत को नई दिशा दे रही है।

विश्व के सबसे बड़े योग गुरू
योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज से सीधा जुड़कर योग सीखें
आस्था LIVE — प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 7:30 व रात 8:00 बजे
INDIA TV — रोज सुबह 7:56 बजे

नि:स्वार्थ भाव से मानव कल्याण का अभियान आज पूरे देश भर में पतंजलि के 10,000 से अधिक केंद्रों और 2,500 योग्य एवं प्रशिक्षित वैद्यों के माध्यम से योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के क्षेत्र में बहुत बड़ी सेवा चल रही है। यदि इस सेवा का मूल्यांकन करें तो राष्ट्रसेवा में यह एक लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का योगदान है। पतंजलि का प्रत्येक प्रकल्प भारत माता की सेवा के लिए समर्पित है।

स्वदेशी से समृद्धि: अर्थ से परमार्थ ऑक्सफैम ग्लोबल यू.के. एवं अन्य स्रोतों के सर्वे के अनुसार, 1765 से 1900 के बीच विदेशी कंपनियों और आक्रांताओं ने भारत से 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की लूट की और आज भी यह लूट निरंतर जारी है। स्वामी जी स्वदेशी के माध्यम से इस लूट को रोकने और भारत को आर्थिक महाशक्ति की ओर ले जाने के लिए संकल्पित हैं। **"Prosperity for Charity"**: पतंजलि ने 100% लाभ भारत माता की सेवा में लगाया है, लगा रहे हैं और आगे भी लगाएंगे।

भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा मैकाले की शिक्षा पद्धति से मुक्ति 1835 से चली आ रही मैकाले की शिक्षा पद्धति से देश को मुक्त करने के लिए पतंजलि गुरुकुलम् और आचार्यकुलम् जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा बोर्ड के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व, चरित्र और नेतृत्व वाले बच्चों का निर्माण कर रहे हैं। आगे लाखों विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कर हम एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। अपने बच्चों को पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्व विद्यालय में पढ़ाएं और **BSB** के साथ अपने विद्यालय को संबद्ध करके राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी भूमिका निभायें।

स्वास्थ्य क्रांति: निरोगी भारत चरक, सुश्रुत, धन्वंतरी और पतंजलि जैसे महर्षियों के ज्ञान पर आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पतंजलि वेलनेस, योगग्राम और निरामयम् जैसे विश्वस्तरीय इंटिग्रेटेड ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां करोड़ों लोग निरोगी और स्वस्थ हो रहे हैं। स्वामी जी का आह्वान है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं योग करे और दस लोगों को योग कराएं। यदि 1% जागरूक लोग भी सुबह योग करें एवं योगमय सनातन जीवन पद्धति को अपनाएं, तो भारत का हेल्थ बजट शून्य हो सकता है।

शोध और समाधान: विज्ञान और परंपरा का संगम पतंजलि के 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने वर्षों के रिसर्च से एविडेंस-बेस्ड पतंजलि मेडिसिन्स विकसित की हैं, जो लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन और रेस्पिरेटरी सिस्टम के रोगों को ठीक कर रही हैं। 5,000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल और 500 से अधिक इंटरनेशनल जर्नल्स में रिसर्च पेपर्स के पब्लीकेशन ने आयुर्वेद को रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन का दर्जा दिलाने का बहुत बड़ा कार्य किया है।

योग धर्म अब युगधर्म बने: सनातन ही समाधान है आज योग और सनातन धर्म विश्व की आवश्यकता हैं। तनाव, बीमारियां, सामाजिक और सांस्कृतिक पतन से जूझ रही दुनिया को पतंजलि योग और सनातन मूल्यों के माध्यम से नई दिशा दे रहा है। आइए, योगधर्म मूलक सनातन जीवन पद्धति को अपनाएं।

पंच महाक्रान्तियों का शंखनाद शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक एवं सांस्कृतिक गुलामी से मुक्ति दिलाने एवं आर्थिक व आध्यात्मिक भारत बनाने के लिए पतंजलि एक लाख से अधिक गौ माता की सेवा कर रहा है और गौवंश को बचाने के लिए एक बड़ी कार्य योजना पर कार्यरत है।

पतंजलि के शुद्ध एवं सात्विक प्रोडक्ट्स अपनाइए,
अपने बच्चों व परिवार को मिलावट के ज़हर से बचाइए।

पढ़ाई के लिए कनाडा गई थी तान्या त्यागी, अचानक मौत के बाद उठे सवाल

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारत के कई स्टूडेंट्स दुनिया के कई देशों में पढ़ने के लिए जाते हैं। हाल ही में सामने आया कि दिल्ली से पढ़ाई करने के लिए कनाडा गई, तान्या त्यागी की मौत हो गई है। वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि कनाडा में कैलगरी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली दिल्ली की एक छात्रा की मृत्यु हो गई है। साथ ही इस बात की जानकारी दी गई है कि अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि तान्या की मौत की वजह क्या है। बताया गया है कि तान्या त्यागी की अचानक मृत्यु हो गई।छात्रा की मौत के बाद कांसुलेट ने कहा, तान्या त्यागी की हुई अचानक मौत से हम सभी काफी दुखी है। हम अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और हम परिवार को हर तरह की सहायता देंगे। बयान में आगे कहा गया, हमारी संवेदनाएं और उनके परिवार और मृतक के दोस्तों के साथ हैं। तान्या त्यागी की अचानक कनाडा में हुई मौत के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह ही है कि छात्रा की मौत कैसी हुई? किन हालातों में हुई? मौत के वक्त उसके आस-पास कौन था? मौत का पता कैसे लगा? इन सभी सवालों का जवाब ढूंढने के लिए जांच की जा रही है।

हाईकोर्ट से ममता सरकार को झटका

बेरोजगार ग्रेड सी-डी स्कूल कर्मचारियों को आर्थिक मदद देने से रोका

कोलकाता, 20 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार को 26 सितंबर तक गैर-शिक्षण कर्मचारियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना को लागू करने से रोक दिया है। कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी थी, जिसमें चयन प्रक्रिया को गलत ठहराया गया था। हाईकोर्ट ने 9 जून को उन याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिनमें राज्य द्वारा ग्रुप सी के प्रत्येक कर्मचारी को 25,000 रुपये और ग्रुप डी के प्रत्येक कर्मचारी को 20,000 रुपये का भुगतान करने का विरोध किया गया था।

हाईकोर्ट ने क्या कहा?

अंतरिम आदेश में न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने राज्य सरकार को 26 सितंबर तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, गैर-शिक्षण कर्मचारियों को आर्थिक राहत प्रदान करने की योजना को आगे बढ़ाने से रोक दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को चार सप्ताह में याचिकाकर्ताओं की दलीलों के विरोध में अपना हलफनामा दाखिल करने और उसके बाद एक पखवाड़े के भीतर याचिकाकर्ताओं की ओर से जवाब देने का निर्देश दिया।

क्या है मामला?

पश्चिम बंगाल सरकार ने समूह सी और डी श्रेणियों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों के संकटग्रस्त परिवारों को मानवीय आधार पर सीमित आजीविका, सहायता और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू की थी। इन कर्मचारियों को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की ओर से आयोजित 2016 की चयन प्रक्रिया के माध्यम से भर्ती किया गया था।

सुप्रीम के आदेश पर गई थी नौकरी

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लगभग 26,000 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर अपनी नौकरी खो दी थी। कोर्ट ने 2016 की चयन प्रक्रिया को भ्रष्ट पाया गया।

देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को कहा 'बोल बच्चन', क्यों दिया ऐसा बयान

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में बीते लंबे समय से जारी बयानबाजी का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शिवसेना की स्थापना दिवस पर शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा, सीएम फडणवीस और एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा था। उद्धव ने सीएम फडणवीस को नौकर तक बता दिया था और दावा किया था कि राज ठाकरे की मनसे के साथ उनका गठबंधन न हो इसके लिए मालिक के नौकर होटल में मुलाकात (राज ठाकरे से) कर रहे हैं। वहीं, अब शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी उद्धव ठाकरे को बोल बच्चन करार दिया है। क्या बोले थे उद्धव ठाकरे? शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने संबोधन में भाजपा और शिवसेना को चैलेंज दिया था। उन्होंने कहा था- मैं गद्दारों को कहता हूं- कम ऑन किल मी। पर एम्बुलेंस लेकर आना। आओगे तो सही सलामत, पर जाओगे एम्बुलेंस में। शुक्रवार को महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मीडिया ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से उद्धव ठाकरे के इस बयान को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा- मैं बोल बच्चन को जवाब नहीं देता हूं। जब पत्रकारों ने फिर से उद्धव ठाकरे के आरोपों के बारे में पूछा तो फिर फडणवीस ने कहा- मैं फिर कह रहा हूं कि मैं बोल बच्चन को जवाब नहीं देता हूं।

'असम कांग्रेस को बढ़ावा दे रहे इस्लामिक देशों के पांच हजार सोशल मीडिया अकाउंट'

सीएम सरमा का बड़ा आरोप

गुवाहाटी, 20 जून (एजेंसियां)। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य की कांग्रेस इकाई और उसके एक नेता पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक देशों से संचालित हो रहे पांच हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट असम कांग्रेस के पक्ष में काम कर रहे हैं। पिछले एक महीने से इसमें तेजी से इजाफा हुआ है। हमने इस बारे में केंद्र सरकार को अवगत करा दिया है। सीएम सरमा ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि पिछले एक महीने से असम कांग्रेस के एक नेता और उसकी राज्य इकाई के सोशल मीडिया पेजों पर इस्लामिक देशों के सोशल मीडिया अकाउंट से गतिविधियां बढ़ी हैं। ये सोशल मीडिया अकाउंट 47 से अधिक देशों के हैं। इसमें से सबसे ज्यादा अकाउंट पाकिस्तान और बांग्लादेश से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि इन सोशल मीडिया अकाउंट से न तो राहुल गांधी और न ही कांग्रेस के पोस्ट के लाइक किए जाते हैं। यह अकाउंट केवल एक ही कांग्रेस नेता और असम कांग्रेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सीएम सरमा ने दावा किया कि असम के अलावा इन सोशल मीडिया अकाउंट से इस्लामी कट्टरपंथी सामग्री भी पोस्ट की जा रही है। वे फलस्तीन, ईरान और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के समर्थन में पोस्ट कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नेता का नाम नहीं बताया, लेकिन माना जा रहा है कि उनका इशारा गौरव गोगोई की ओर था। गौरव गोगोई को पिछले सप्ताह मई में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सरमा ने कहा कि मुझे पार्टी नेतृत्व में परिवर्तन की चिंता नहीं हैं। क्योंकि इस तरह की चीजें पिछले महीने से हुई हैं। इसलिए चिंता बढ़ रही है। पहली बार 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले असम की राजनीति में इतनी अधिक विदेशी भागीदारी है। केंद्र सरकार को इस मुद्दे से अवगत करा दिया गया है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

जान ले रहा कोरोना आज एक और मरीज की हुई मौत

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से कोविड लोगों को डरा रहा है। हर दिन मरीजों की मौत से आंकड़ा बढ़ रहा है। शुक्रवार को दिल्ली में एक और मरीज की कोरोना से मौत हो गई। एक दिन पहले भी दो महिलाओं ने कोरोना की वजह से दमतोड़ दिया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना से दिल्ली में 75 वर्षीय बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। फेफड़ों के कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। शुक्रवार तक कोरोना से अब तक 16 मरीजों की मौत हो चुकी है। जबकि कोरोना के 630 सक्रिय मरीज हैं।

केरल हाईकोर्ट का राज्य सरकार से सवाल

क्या काले जादू के खिलाफ कानून बनाने पर विचार किया जा रहा?

तिरुवनंतपुरम, 20 जून (एजेंसियां)। काले जादू और जादू टोना के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल पूछा है। पीठ ने सवाल दागा कि क्या केरल सरकार अपने पुराने रुख के मुताबिक काला जादू और टोना-टोटका जैसी बुरी प्रथा के खिलाफ कानून बनाने पर विचार कर रही है? केरल हाईकोर्ट में केरल युक्तिवादी संघम नामक संगठन ने याचिका दायर की थी। इसमें इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ कानून बनाने की मांग की गई थी। मामले में अक्टूबर 2022 में केरल सरकार ने दलील दी थी कि वह काले जादू और टोना टोटका के खिलाफ कानून बनाएगी। इसके बाद याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई

भी व्यक्ति न होने के कारण याचिका जून 2023 में खारिज कर दी गई थी, लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया। तीन जून को याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश नितिन जामदार और न्यायमूर्ति बसंत बालाजी की खंडपीठ ने सरकार को निर्देश दिया कि वह अपने पहले के रुख के संबंध में एक हलफनामा दायर करे। मामले की अगली सुनवाई 24 जून तय की।

याचिका में क्या कहा गया?

2022 में केरल के पथानामथिट्टा जिले में एक जोड़े सहित तीन लोगों द्वारा दो महिलाओं की मानव बलि दिए जाने की घटना के बाद केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) केटी थॉमस की अध्यक्षता में बने कानून सुधार आयोग ने वर्ष 2019 में केरल राज्य को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें नई सामाजिक स्थितियों पर आधारित विधायी सिफारिशें शामिल थीं। संगठन ने दावा किया कि केरल अमानवीय दुष्ट प्रथाओं, जादू-टोना और काला जादू रोकथाम और उन्मूलन विधेयक-2019, अनुशंसित कानूनों में से एक है। लेकिन अभी तक राज्य की ओर से इस मामले पर कोई प्रयास नहीं किया गया है। याचिका में कहा गया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों द्वारा जादू-टोना और काले जादू के खिलाफ कानून पारित किए गए हैं। याचिका में मांग की गई है कि बड़े पर्दे और ओटीटी प्लेटफार्मों पर फिल्में, टेलीविजन चैनलों और यूट्यूब पर प्रसारित कई धारावाहिक और अन्य टेलीफिल्मों में जादू-टोना और रहस्यमय प्रथाओं सहित अंधविश्वासों की सामग्री है, उन्हें अवैध घोषित किया जाए, तथा अच्छे इरादे रखने वाले और अच्छे कलात्मक मूल्य रखने वाले लोगों को इससे छूट दी जाए।

घर की दीवार गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

उत्तरकाशी, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले राजस्व ग्राम ओडाटा के मोरा तोक स्थित गुजर बस्ती में दर्दनाक हादसा हो गया। घर की दीवार गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। राजस्व, एसडीआरएफ और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शुक्रवार रात करीब दो बजे गुलाम हुसैन के आवासीय मकान की दीवार अचानक ढह गई। जिससे घर में सो रहे परिवार के सदस्य मलबे में दब गए। इसमें मृतकों की पहचान गुलाम हुसैन (26 वर्ष) पुत्र अली अहमद, उनकी पत्नी रुकमा खातून (23 वर्ष), पुत्र आबिद (3 वर्ष) और 10 माह की पुत्री सलमा के रूप में हुई है। इस हृदय विदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही तहसीलदार मोरी जब्बर सिंह असवाल, राजस्व उप निरीक्षक, एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिवादन बल) और पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

कर्नाटक के साथ सीमा विवाद सुलझाएगी महाराष्ट्र सरकार, दोबारा गठित की उच्च स्तरीय समिति

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के साथ चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने पहल की है। महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में दोबारा उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति सीमा विवाद से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेगी। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच 1957 से सीमा विवाद चल रहा है। जब भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया। महाराष्ट्र की मांग है कि कर्नाटक में शामिल बेलगावी को महाराष्ट्र का हिस्सा बनाया जाए। क्योंकि वह 1957 में बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। वहां मराठी भाषी आबादी काफी है। इसने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया है। वहीं कर्नाटक राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 की महाजन आयोग रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किए गए सीमांकन को अंतिम मानता है। सीमा विवाद को लेकर महाराष्ट्र में हर बार नई सरकार आने पर उच्च स्तरीय समिति बनाई जाती है। 22 नवंबर, 2022 को भी तत्कालीन महायुति गठबंधन ने सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में इस मुद्दे पर समिति बनाई गई थी। अब फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद समिति का पुनर्गठन किया गया है। 18 सदस्यीय समिति में सीएम देवेंद्र फडणवीस अध्यक्ष हैं। समिति में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार, पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, शरद पवार और पृथ्वीराज चव्हाण शामिल हैं। इसके अलावा समिति में एनसीपी (सपा) विधायक रोहित पाटिल और जयंत पाटिल, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, शंभूराज देसाई, प्रकाश अबितकर, सुरेश खाड़े, भाजपा विधायक सुधीर गाडगिल, सचिन कल्याण शेट्टी, विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता भी शामिल किए गए हैं। सरकारी आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली समिति का पुनर्गठन किया गया है, क्योंकि सीमा विवाद से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय गैर-पक्षपातपूर्ण और प्रतिनिधि निकाय द्वारा सर्वसम्मति से लिए जाने की आवश्यकता है। महाराष्ट्र विधानसभा में फिलहाल विपक्ष का कोई नेता नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के विधायकों को उच्चस्तरीय समिति में शामिल नहीं किया गया है।

पांवटा साहिब इलाके के गांवों में 26 जून तक बढ़ा कर्फ्यू, हिंदू-मुस्लिम जोड़े के भागने पर हुई थी झड़प

सिरमौर, 20 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के पांवटा साहिब इलाके के गांवों में सांप्रदायिक तनाव की आशंका के कारण लागू कर्फ्यू की अवधि 26 जून तक बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हिंदू-मुस्लिम जोड़े के कथित रूप से भागने को लेकर दो ग्रुप के बीच 13 जून को झड़प हुई थी। गुरुवार रात जारी एक आदेश में कहा गया, ''सांप्रदायिक तनाव और कानून व्यवस्था की अस्थिर स्थिति के कारण पावंटा उपमंडल के माजरा पुलिस थाने के अंतर्गत पांच गांवों- कीरतपुर, मालियों, फतेहपुर, मिस्सरवाला और माजरा में 13 जून से लागू निषेधाज्ञा को जिला मजिस्ट्रेट प्रियंका वर्मा ने 26 जून तक बढ़ा दिया है।

एअर इंडिया की चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत आठ फ्लाइट्स रद्द

रखरखाव-परिचालन संबंधी वजह से फैसला

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। एअर इंडिया ने एक बार फिर अपनी कई उड़ान सेवाएं रद्द कर दी हैं। एयरलाइन की ओर से अब तक चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत आठ फ्लाइट्स को रद्द करने की सूचना दी गई है। एयरलाइन ने बताया कि शुक्रवार को रखरखाव और परिचालन संबंधी कारणों से एअर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय सेवाओं सहित आठ उड़ानें रद्द कर दी हैं।

यात्रियों के लिए जल्द से जल्द अपने गंतव्यों तक उड़ान भरने के लिए ग्राउंड पर उसकी टीमें वैकल्पिक व्यवस्था कर रही हैं। एयरलाइन ने कहा कि उसने यात्रियों को टिकट रद्द करने पर पूरे पैसों की वापसी या यात्रा को फिर से निर्धारित करने की पेशकश की है। रद्द की जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दुबई से चेन्नई के लिए एआई-906, दिल्ली से मेलबर्न के लिए एआई-308, मेलबर्न से दिल्ली के लिए एआई-309 और दुबई से हैदराबाद के लिए एआई-2204 थीं। ऐसे ही चार घरेलू उड़ानें पुणे से दिल्ली के लिए एआई-874, अहमदाबाद से दिल्ली के लिए एआई-456, हैदराबाद से मुंबई के लिए एआई-2872 और चेन्नई से मुंबई के लिए एआई-571 रद्द कर दी गई हैं।

रंगदारी न देने पर डॉक्टर के घर के बाहर की थी फायरिंग, कबड्डी खिलाड़ी गिरफ्तार

अमृतसर, 20 जून (एजेंसियां)। अमृतसर के कस्बा लोपोके में 30 लाख रुपए की रंगदारी न दिए जाने पर डॉक्टर के घर के बाहर गोलियां चलाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम गुरलाल सिंह है और वह जिला तरनतारन का रहने वाला है। आरोपी पेशे से कबड्डी का खिलाड़ी है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुका है। आरोपी से पुलिस ने एक पिस्तौल और मैगजीन भी बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक कस्बा लोपोके के रहने वाले डॉक्टर युवराज नंदा को आरोपी सहित इसके साथियों की ओर से लगातार फोन कॉल कर 30 लाख रुपये की रंगदारी दिए जाने की धमकियां दी जा रही थी।

पत्नी के साथ कार में था पत्रकार, उठाकर ले गई पुलिस, फिर बोली- सॉरी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की एक टीम आरोपी की तलाश में निकली थी। उसने नोएडा के एक पत्रकार को गलती से अपराधी समझ कर गिरफ्तार कर लिया। लेकिन बाद में जब सच्चाई पता चली तो उसने पत्रकार से माफी मांगी। दरअसल, दिल्ली पुलिस मोबाइल लोकेशन के जरिए आरोपी को ढूंढने का प्रयास कर रही थी। पकड़े गए व्यक्ति का नाम राहुल शाह है, जो नोएडा में एक पत्रकार है। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पुलिस टीम राहुल नाम के आरोपी की लोकेशन ट्रैक कर रही थी, जो हरियाणा के बहादुरगढ़ का रहने वाला है। उन्होंने बताया की उसी की तलाश में वह लोकेशन के सहारे नोएडा के सेक्टर 38 के पेट्रोल पंप पहुंची, जहां उन्हें कार में एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ बैठे मिला। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना था कि उस व्यक्ति के नाम और चेहरा आरोपी से मेल खाता था, जिस वजह से यह कन्फ्यूजन हुई है। डीसीपी ने बताया कि जब टीम ने उससे पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा, तो उसने कथित तौर पर मना कर दिया और बहस करने लगा। बाद में उस व्यक्ति ने बताया कि उसका नाम राहूल शाह है और वह नोएडा का एक पत्रकार है। जब पुलिस को अपनी गलती का एहसास हुआ तो पुलिस ने उस व्यक्ति से माफ़ी मांगी और थाने वापस लौट गई। पुलिस अधिकारी ने कहा बताया कि घटना के दौरान कोई दुर्व्यवहार या बल प्रयोग नहीं किया गया। डीसीपी ने कहा कि उस व्यक्ति और आरोपी के चेहरे और नाम में समानता की वजह से भ्रम की स्थिति बनी और गलत व्यक्ति को आरोपी समझ कर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही टीम ने इस पुष्टि की कि व्यक्ति आरोपी नहीं है, उन्होंने खेद व्यक्त किया और बातचीत से अलग हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाहरी दिल्ली के प्रेम नगर पुलिस स्टेशन की एक टीम आरोपी की पहचान कर रही थी। इस टीम में एक सब-इंस्पेक्टर, एक हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल शामिल थे।

संजय राउत का एकनाथ शिंदे पर हमला 'उनकी भाषा अघोरी और तांत्रिकों की है'

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के मुंह से जो भाषा निकलती है, वह अघोरी तांत्रिकों की भाषा है। वे अघोरी लोग हैं, जिसने जिंदगी भर तुम्हें पाला-पोसा, उसके बारे में तुम ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हो। शिंदे की हालत मरे हुए से भी बदतर है। राउत ने शिंदे को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए कहा कि उनकी पार्टी के असल मुखिया शाह हैं। संजय राउत ने आगे कहा, दिल्ली जाकर अमित शाह के जूते चाट रहे हो, तुम तो पहले ही मरे हुए हो। बीजेपी में जाकर जो नई संस्कृति तुमने अपनाई है, वह इस भाषा के लायक ही है। लोकसभा में तुम मर चुके थे, लेकिन विधानसभा में ईवीएम की ऑक्सीजन पर जिंदा हो गए। उन्होंने कहा कि तुमने जो शब्द शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के संदर्भ में बोले हैं, उनको हमने नोट कर लिए हैं। इसका जवाब भी वैसी ही भाषा और अंदाज में दिया जाएगा।

जूते कम पड़ गए हों, तो हम भेज देंगे- संजय राउत

वहीं उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के साथ आने की अटकलों पर दिए गए एकनाथ शिंदे के बयान पर संजय राउत ने कहा कि तुम जितने उतावले हो रहे हो, हम किसके साथ गठबंधन करें, यह हमारा निर्णय है, तुम कौन होते हो बोलने वाले? बेगानी शादी में ठाणे का अब्दुल्ला क्यों नाच रहा है? अगर तुम्हारे पास चाटने के लिए जूते कम पड़ गए हों, तो हम भेज देंगे। उन्होंने कहा कि दो दल एक ही विचारधारा के हैं, वे तय करेंगे। महाराष्ट्र की जनता ने तय किया, तो तुम्हारा बुरा हाल हो गया। तुम्हारी अघोरी विद्या तुम्हारे किसी काम नहीं आई क्या? देवेंद्र फडणवीस ने तुम्हें रगड़कर किनारे कर दिया है। ऐसे लोगों को रात को नींद नहीं आती। वहीं उद्धव ठाकरे के भाषण पर संजय राउत ने कहा कि इस विषय को उन्होंने बार-बार उठाया है। राज ठाकरे के साथ गठबंधन को लेकर, महाराष्ट्र और मराठी लोगों की एकता को लेकर उन्होंने कहा कि शिवसेना की भूमिका अंत तक मराठी स्वाभिमान और एकता के साथ खड़ी रही है।

ठाकरे ब्रांड इस देश का सर्वोच्च ब्रांड- संजय राउत

उन्होंने कहा कि मराठी लोगों की एकजुटता इस देश में एक नई ऊर्जा और ताकत लाएगी। 'ठाकरे ब्रांड' इस देश का सर्वोच्च ब्रांड है। एकनाथ शिंदे, फडणवीस या कोई और इसे नुकसान नहीं पहुंचा सकता। उद्धव ठाकरे की सकारात्मक भूमिका के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसने कहा कि सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। ये कोई एकतरफा प्यार नहीं है। ये मुगल-ए-आजम फिल्म नहीं है, न ही अनारकली। हर कोई अपने कदम सोच-समझकर उठाता है। ये राजनीतिक घटनाएं हैं। इसमें मुंबई और महाराष्ट्र का भविष्य जुड़ा है, मराठी अस्मिता का सवाल है।

इसलिए चाहे उद्धव ठाकरे हों या राज ठाकरे, वे अपना कर्तव्य निभाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी और देवेंद्र फडणवीस जो छटपटा रहे हैं कि दोनों भाई एक न हो जाएं, उससे फर्क साफ दिखता है। देवेंद्र फडणवीस ने अब तक राज ठाकरे की मदद ली है, क्या इसलिए ली है कि उनके पास खुद ताकत नहीं थी? इसका एक बार खुलकर जवाब देना चाहिए।

पुलिस ने थाने में युवक को दो दिन तक जंजीरों से बांधकर रखा

सांसद ने वीडियो कॉल कर एसपी को दिखाई अमानवीय हरकत

बालासोर, 20 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर जिले के भोगराई पुलिस स्टेशन में एक युवक के साथ की गई अमानवीय हरकत का मामला अब प्रशासन के उच्च स्तर तक पहुंच गया है। दो दिन तक बिना केस दर्ज किए हाथ-पैरों में जंजीरें डालकर युवक को थाने में रखने के मामले में भोगराई थाना प्रभारी श्रीवल्लभ साहू को निलंबित कर दिया गया है। दरअसल जयरामपुर गांव के रहने वाले कार्तिक चंद्र भोल को मोटरसाइकिल के लेन-देन से जुड़े एक मामूली विवाद में भोगराई थाने बुलाया गया था। लेकिन पुलिस ने न तो उसके खिलाफ कोई केस दर्ज किया और न ही कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। इसके बजाय, युवक को हाथ-पैरों में लोहे की जंजीरें डालकर थाने में दो दिन तक रखा गया और उस पर शारीरिक अत्याचार भी किया गया। कार्तिक की पत्नी ने जब उसे दो दिन तक नहीं देखा तो स्थानीय भाजपा नेता अशिष पात्रा से संपर्क किया। जब बालासोर के सांसद प्रताप सारंगी भोगराई पहुंचे, तो अशिष पात्रा ने उन्हें घटना की जानकारी दी। सांसद ने तुरंत थाने जाकर युवक की हालत देखी और बालासोर एसपी राज प्रसाद को वीडियो कॉल के जरिए पूरी स्थिति दिखाई। घटना की जांच के बाद बालासोर के एसपी ने अपनी रिपोर्ट डीजीपी वाईबी खुरानिया को भेजी। रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि युवक को वास्तव में शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया था। आईआईसी श्रीवल्लभ साहू की यह दलील कि स्टाफ की कमी के कारण युवक को बांधना पड़ा, को डीजीपी ने पूरी तरह अस्वीकार्य माना और कर्तव्य में लापरवाही के चलते साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 21 जून, 2025

सुविचार: मत कर इतना गुमान अपने आप पर की कोई साथ रोने वाला भी ना मिले ।

तेलंगाना विकास का एक नया प्रतिमान परिभाषित करता है : भट्टी

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार विकास की एक नई परिभाषा गढ़ रही है- एक ऐसी परिभाषा जो आर्थिक विकास को एक मजबूत मानवीय आयाम के साथ जोड़ती है। शुक्रवार को एसोचैम दक्षिणी सीएसआर और स्थिरता सम्मेलन और पुरस्कारों में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, पूरा मंत्रिमंडल एक ऐसे तेलंगाना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है जो वित्तीय रूप से अनुशासित, सामाजिक रूप से समावेशी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हो। उन्होंने कहा, हम प्रचुर संसाधनों वाली दुनिया में रहते हैं, लेकिन गहरी असमानता है। ट्रिकल-डाउन अर्थव्यवस्था की विफलता स्पष्ट है।

अब हमें 'सभी को ऊपर उठाने' वाले विकास की आवश्यकता है- समावेशी विकास जो सभी को ऊपर उठाए। कांग्रेस पार्टी की मूल विचारधारा को दोहराते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि आर्थिक विकास सामाजिक न्याय की नींव पर बनाया जाना चाहिए और तेलंगाना की जन-केंद्रित सरकार उस आदर्श के प्रति प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने जोर दिया कि कॉर्पोरेट कार्रवाइयों को दान से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने कहा, ताली बजाने के लिए नहीं, बल्कि बदलाव के लिए काम करें।

हमारे प्रयास केवल कंपनियों के निर्माण के बारे में नहीं होने चाहिए, बल्कि बड़े पैमाने पर समाज की भलाई में सुधार करने के बारे में होने चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, तेलंगाना कॉर्पोरेट सीएसआर पहलों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। राज्य न केवल सीएसआर जनादेशों को पूरा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, बल्कि 100 प्रतिशत प्रभाव और पारदर्शिता के साथ ऐसा करने के लिए भी एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने भारत भर की कंपनियों से तेलंगाना को अपने सीएसआर निवेश के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, तेलंगाना न केवल अन्य भारतीय राज्यों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है- बल्कि विकसित देशों के साथ भी प्रतिस्पर्धा कर रहा है। स्वास्थ्य सेवा, फार्मा, आईटी और खाद्यान्न जैसे क्षेत्रों में, तेलंगाना ने एक बेजोड़ प्रगति की है। राज्य वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ यंग इंडिया इंटरनेशनल आवासीय विद्यालय स्थापित कर रहा है। प्रत्येक विद्यालय 25 एकड़ के परिसर में 200 करोड़ रुपये के निवेश से बनाया जा रहा है। पहले चरण में, 100 विद्यालय- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक- स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों का निर्माण एक चुनौती है, लेकिन उनका प्रबंधन दूसरी चुनौती है। स्कूल संचालन के लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र से मदद मांगने पर, प्रतिक्रिया "अभूतपूर्व" थी। 15 दिनों के भीतर, कई कंपनियां स्कूलों के प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी लेने की इच्छा व्यक्त करते हुए आगे आईं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 100 मौजूदा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को कॉर्पोरेट भागीदारी के साथ उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में अपग्रेड किया जा रहा है। सीएसआर को अक्सर कानूनी अनिवार्यता के रूप में देखा जाता है- सामाजिक भलाई के लिए मुनाफे का 2 प्रतिशत।

लेकिन आज, मैं एक अलग दृष्टिकोण साझा करना चाहता हूं। समाज की अनदेखी करने वाला विकास त्रुटिपूर्ण है। उद्देश्य के बिना लाभ निरर्थक है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, स्थिरता पर्यावरण तक सीमित नहीं है- इसे मानवीय गरिमा को बनाए रखना चाहिए। विकास का फल कॉर्पोरेट बोर्डरूम तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि सरकारी स्कूलों में लड़कियों, संकटग्रस्त किसानों और लुप्त हो रहे ग्रामीण कारीगरों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार उद्योगों को दाता के रूप में नहीं, बल्कि विकास में भागीदार के रूप में देखती है। उपमुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट घरानों से एकमुश्त अनुदान से दीर्घकालिक विकास मॉडल की ओर बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आपको उन क्षेत्रों की वास्तविकताओं को समझना चाहिए, जहां आप काम करते हैं।

स्थानीय सामुदायिक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करें। बुनियादी ढांचा भले ही खत्म हो जाए, लेकिन लोगों के कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व से प्रभाव आगे बढ़ेगा। हर सीएसआर पहल लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम बनाना चाहिए, उन्हें खाली हाथ इंतजार करने के लिए नहीं छोड़ना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, इसमें स्वराज की भावना होनी चाहिए- आत्म-विश्वास और आत्म-निर्णय। हैदराबाद के जिला कलेक्टर दसारी हरिचंदन, एसोचैम के आयोजक सुरेश चुक्कापल्ली, बरुल इस्लाम, अभिषेक रंजन, कृष्णा एडुला और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

'ऑपरेशन रोप' के बेहतरीन परिणाम सामने आए : सीवी आनंद

सीपी ने यातायात की समस्याओं और समाधानों पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महानिदेशक और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सी. वी.आनंद ने हैदराबाद शहर में यातायात की समस्याओं और उनके समाधानों पर एक समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों के एसआई, इंस्पेक्टर, एसीपी, एडिशनल डीसीपी, बीके राहुल हेगड़े डीसीपी ट्रैफिक-1, श्री अशोक कुमार डीसीपी ट्रैफिक-II, आर वेंकटेश्वरलू डीसीपी ट्र.III और संयुक्त सीपी ट्रैफिक डी. जोएल डेविस शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने यातायात नियंत्रण और प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांतों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा, पिछले साल तक शहर में वाहनों की औसत गति 17 से 18 किलोमीटर प्रति घंटा थी। वर्तमान में यह बढ़कर 24 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है। ये परिणाम हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के अथक प्रयासों से प्राप्त हुए हैं। मैं इसमें शामिल सभी लोगों का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। हर दिन लगभग 1600 नए वाहन सड़कों पर जुड़ते हैं। तीनों कमिश्नरेट में कुल 91 लाख वाहन प्रतिदिन सड़कों पर होते हैं। 'ऑपरेशन रोप' के बेहतरीन परिणाम सामने आए हैं। हम इसे और अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग करके और मजबूत करने की तैयारी कर रहे हैं। हम वीआईपी मूवमेंट के प्रबंधन के साथ व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। हमारे माननीय मुख्यमंत्री ने भी अपनी यात्रा के दौरान यातायात को लंबे समय तक न रोकने के निर्देश जारी किए हैं। हम उसी के अनुसार काम कर रहे हैं और इससे हमें बहुत संतुष्टि मिली है। वर्तमान में हैदराबाद में 80 प्रतिशत ट्रैफिक सिग्नल ऑटो मोड पर चल रहे हैं। इससे ट्रैफिक को जल्दी से जल्दी क्लियर करने में मदद मिल रही है। यातायात उल्लंघन के संबंध में, हम लगाए गए जुर्माने की मात्रा के बजाय जुर्माने की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण के कारण कुल मिलाकर यातायात जुर्माने में कमी आई है। हम ड्रोन कैमरों के माध्यम से हैदराबाद के यातायात की निगरानी कर रहे हैं। हैदराबाद की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए हम गूगल की सहायता ले रहे हैं। गूगल मैप्स के अलावा गूगल हमें तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है। हैदराबाद में ऊंची-ऊंची बहुमंजिला इमारतों के मालिकों के सहयोग से हम इन इमारतों पर 'ईगल व्यू' प्राप्त करने के लिए 25 'हाई-राइज कैमरे' लगा रहे हैं। इनके माध्यम से यातायात अधिकारी यातायात समस्याओं की सक्रिय रूप से पहचान कर सकते हैं, स्थानीय यातायात अधिकारियों को सचेत कर सकते हैं और उचित समाधान के लिए सुझाव दे सकते हैं। शहर में यातायात कर्मियों की कमी के कारण हम 'ट्रैफिक मार्शल' प्रणाली शुरू कर रहे हैं। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत, निगमों को इन मार्शलों को नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हम उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करेंगे और यातायात नियंत्रण के लिए उनका उपयोग करेंगे। यातायात सहायक के रूप में सेवारत ट्रांसजेंडर व्यक्ति अपने कर्तव्यों का असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। हमने इस पर सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी है। हम आने वाले दिनों में यातायात विभाग में और नियुक्तियां करेंगे, और सरकार रिक्तियों को भरने की तैयारी भी कर रही है। हम आगामी मानसून सीजन के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहे हैं। हाइड्रा, जीएचएमसी और पुलिस विभाग समन्वय में काम कर रहे हैं। शहर में निजी ट्रैवल बसों के कारण होने वाली परेशानी बहुत अधिक है। हम उनके प्रबंधन के साथ बैठक करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

पार्टी के मामलों पर सार्वजनिक रूप से न बोलें, टीपीसीसी प्रमुख ने नेताओं को दी चेतावनी

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने पार्टी नेताओं को चेतावनी जारी की है, जिसमें आंतरिक मामलों को गोपनीय रखने और उन पर सार्वजनिक रूप से चर्चा न करने के महत्व पर जोर दिया गया है। कांग्रेस नेता कोंडा मुरली द्वारा वारंगल जिले के पार्टी नेताओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने पर प्रतिक्रिया देते हुए, महेश कुमार गौड़ ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षकों को स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रदान करने का काम सौंपा गया है। शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए, टीपीसीसी प्रमुख ने संकेत दिया कि रिपोर्ट की समीक्षा के बाद अनुशासनात्मक उपाय लागू किए जाएंगे।

हरीश राव ने की धान बोनस के लिए 1,161 करोड़ रुपये तत्काल जारी करने की मांग

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने धान खरीद बोनस और सूरजमुखी फसल खरीद के लंबित भुगतान के लिए 1,161 करोड़ रुपये जारी करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने धान किसानों को बोनस और सूरजमुखी किसानों को बकाया भुगतान तुरंत जारी करने की मांग की। हरीश राव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि बढ़िया किस्म के धान पर प्रति टन 500 रुपये का बहुप्रचारित बोनस फर्जी निकला है। उन्होंने कहा कि यासंगी (रबी) सीजन के दौरान 4.01 लाख किसानों से 23.22 लाख टन धान खरीदने के बाद भी सरकार ने वादा किया गया 1,161 करोड़ रुपये का बोनस जारी नहीं किया है।उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खरीद के 48 घंटे के भीतर भुगतान करने के दावे की खिल्ली उड़ाते हुए कहा, दो महीने बीत चुके हैं और एक भी रुपया जमा नहीं किया गया है।

तेलंगाना ने एमएसएमई समर्थन को मजबूत किया

33 जिलों में 66 ईडीसी अधिकारी तैनात

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान ने उद्योग विभाग, तेलंगाना सरकार के सहयोग से, एमएसएमई प्रदर्शन बढ़ाने और उसे गति देने (आरएएमपी) कार्यक्रम के तहत उद्यम विकास केंद्र (ईडीसी) प्रबंधकों और सहायक प्रबंधकों के रूप में नामित संसाधन कर्मियों के लिए तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया- यह विश्व बैंक समर्थित पहल है जिसका उद्देश्य भारत के एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। 18 जून, 2025 को शुरू हुआ यह कार्यक्रम आज निखिल चक्रवर्ती, आईए&एएस, उद्योग निदेशक और के. मधुकर बाबू, संयुक्त निदेशक, उद्योग विभाग, के साथ-साथ मोहम्मद जैदी, एसोसिएट निदेशक, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी (एसपीआईयू - तेलंगाना) की उपस्थिति में एक समापन सत्र के साथ समाप्त हुआ। तेलंगाना के 33 जिलों में से प्रत्येक में एक- 33 उद्यम विकास केंद्रों (ईडीसी) में प्रति जिले 2 की दर से कुल 66 प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया गया है।

ये ईडीसी प्रबंधक और सहायक प्रबंधक एमएसएमई के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने में महाप्रबंधकों का समर्थन करने के लिए संबंधित जिला उद्योग केंद्रों (डीआईसी) के साथ मिलकर काम करेंगे। इन प्रशिक्षित कर्मियों से अंतिम-मील की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है, जिससे सबसे दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों में भी उद्यमियों को सरकारी सहायता तंत्र का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने में मदद मिलेगी। अपने संबोधन में, निखिल चक्रवर्ती ने जमीनी स्तर पर उद्यम सुविधा के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया।

तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस में आंतरिक खींचतान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सत्ता में होने और इस सीजन में किसानों को समय पर रैतु भरोसा सहायता जारी करने पर निर्भर होने के बावजूद, तेलंगाना कांग्रेस कई अंतर्निहित मुद्दों के कारण आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर अनिश्चित दिखाई दे रही है। हर बैठक में प्रदेश नेतृत्व विधायकों, सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों से चुनाव की तैयारी करने और पार्टी की सफलता सुनिश्चित करने का आग्रह करता है। हालांकि, कई नेता आशंकित रहते हैं।

एक अहम मुद्दा स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण लागू करने में सरकार की विफलता है। कांग्रेस इन आरक्षणों के लिए जोर दे रही है और विपक्ष पर इस कदम का समर्थन करने का दबाव बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन अंदरूनी संदेह अभी भी बना हुआ है। पिछले हफ़्ते राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा था कि स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना महीने के अंत तक जारी की जा सकती है। यह बयान टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को पसंद नहीं आया, जिन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से मंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि आरक्षण का मुद्दा अभी भी अदालत में सुनवाई के लिए है।

इसके अलावा, कांग्रेस सरकार पिछले सीजन में सभी किसानों को रैतु भरोसा का लाभ देने में असमर्थ रही। परिणामस्वरूप, कई नेताओं को मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ा। हालांकि इस सीजन में समय पर भुगतान किया गया है, लेकिन कई किसान - विशेष रूप से आउटर रिंग रोड और हाल ही में विलय की गई नगर पालिकाओं के क्षेत्रों में - विरोध कर रहे हैं, उनका दावा है कि उन्हें अभी तक सहायता नहीं मिली है।

इंदिराम्मा घरों के वितरण को लेकर भी चिंता बनी हुई है । आरोप है कि पार्टी कार्यकर्ताओं को तरजीह दी गई और वंचित लाभार्थियों द्वारा आत्महत्या करने की दुखद खबरें भी आई हैं।

कई मामलों में, लाभार्थियों की सूची में शुरू में शामिल नामों को बाद में बिना किसी स्पष्टीकरण के हटा दिया गया।

रंगारेड्डी, विकाराबाद, जोगुलाम्बा गदवाल, नारायणपेट, आदिलाबाद और नलगोंडा सहित कई जिलों में, किसान आजीविका और पर्यावरणीय जोखिमों का हवाला देते हुए औद्योगिक परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। इस बीच, 2 जून को शुरू होने वाली राजीव युवा विकास योजना तय समय पर शुरू नहीं हो पाई। पहले दिए गए आश्वासनों के बावजूद कि स्वीकृति पत्र जारी किए जाएंगे, देरी के बारे में कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है, जिससे पार्टी की विश्वसनीयता को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-MSS-002

लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-MobStore-59-25-2 (Misc-Static-Services-Mobiles and accessories Kiosk)

विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर एकाधिक (Multiple) मोबाइल फोन चार्जिंग कियोस्क के साथ रिचार्ज, मोबाइल फोन एवं सहायक उपकरणों की बिक्री के लिए स्टोर की ढ़ांचा तयार (Setting Up), संस्थापन एवं रख-रखाव के लिए ठेका।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 01.07.2025 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 01.07.2025 को 1130 बजे।

न्यूनतम वृद्धि: 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-262/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-ADVT-VB-01

लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-175399-4-25-1 (Advertising-Train Interior)

विवरण : ट्रेन नं. 20833/34, विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद बन्दे भारत एक्सप्रेस के सभी कोचों में फैक्ट्री फिटेड 32" LED TVs के माध्यम से विज्ञापन अधिकार।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 28.06.2025 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 28.06.2025 को 1130 बजे।

(2) नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-ADVT-LO-01

लॉट नं./वर्ग: ADVT-LOCO-WAT-VSKP-225-25-1 (Advertising-Loco Exterior)

विवरण : तीन वर्षों की समयावधि के लिए वाल्टियर मण्डल के इलेक्ट्रिक लोको शेड-विशाखापट्टनम के 10 संख्यक WAP-7 इंजनों (Locomotives) में विज्ञापन का प्रदर्शन।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 30.06.2025 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 30.06.2025 को 1130 बजे।

न्यूनतम वृद्धि: 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-261/Q/25-26

हरि ॐ हरि ॐ

स्वर्गवास

स्व.श्रीमती छगनीबाई कपुरपुरा

धर्मपत्नी : स्व.श्री घीसाराम कपुरपुरा

स्वर्गवास: 20 जून 2025 ।। मरुधर मे गाँव देवरिया (जैतारण)

शवयात्रा आज शनिवार दि.21.06.2025, प्रात: 10:25 बजे हमारे निवास स्थान मोतीनगर से पी.आर.नगर श्मशान वाटिका जाएगी

शोकाकुल : दुर्गाराम (पुत्र), सुखराम, कैलाश, पप्पुलाल, दिनेश, राकेश, कमल (पौत्र), यक्षित, क्रियांश, प्रियांश (पड़पौत्र) एवं समस्त कपुरपुरा (प्रजापत) परिवार

फर्म: देवी कंस्ट्रक्शन बिल्डर एंड डेवलपर

सम्पर्क: 9908872721, 8008888866

P.Solankey

भविष्य की आवश्यकताओं के लिए पहले से योजना बनाने की जरूरत : रामकृष्ण राव

सीएस ने शमशाबाद नगर पालिका में समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने सचिव, महानगर क्षेत्र एवं शहरी विकास विभाग, महानगर आयुक्त एचएमडीए, जिला कलेक्टर रंगारेड्डी और शमशाबाद नगर पालिका के अधिकारियों के साथ शमशाबाद नगर पालिका में समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने नगर निगम से उसके अधिकार क्षेत्र, जनसंख्या आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा मुख्य सचिव ने नगर परिषद द्वारा नागरिकों को दी जा रही सेवाओं जैसे जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज नेटवर्क और एसटीपी आदि की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव ने यूएलबी द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए संपत्ति करों के प्रभावी संग्रह पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने नगर निगम टीम को इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद और उसके आसपास का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और नागरिकों को कुशलतापूर्वक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए भविष्य की आवश्यकताओं के लिए पहले से योजना बनाने की जरूरत है। उन्होंने आगे बताया कि, स्थानीय निकायों की इस तरह की समीक्षा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार की जा रही है। समीक्षा बैठक के बाद, मुख्य सचिव ने एचएमडीए द्वारा कोत्तवालगुडा में 75 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 85.00 एकड़ में विकसित इकोपार्क का दौरा किया। उन्होंने पार्क के विभिन्न घटकों जैसे बोर्डवॉक, पक्षी एवियरी, आगमन प्लाजा और अन्य परिदृश्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। आगमन प्लाजा के परिष्करण कार्यों को पूरा करने के बाद माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 2 महीने के अंतराल में इस पार्क को जनता के लिए खोलने का प्रस्ताव है।

मुख्य सचिव ने एचएमडीए द्वारा विकसित किए जा रहे बुडवेल लेआउट का भी दौरा किया। एमसी, एचएमडीए ने लेआउट की मुख्य विशेषताओं जैसे बहुउपयोगी विकास, चौड़ी सड़कों के रूप में बुनियादी ढांचा यानी 45 मीटर और 36 मीटर और लेआउट में प्रस्तावित अन्य ट्रंक बुनियादी ढांचा जैसे जल आपूर्ति, जल निकासी, भूमिगत विद्युतीकरण आदि के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य सड़कबुडवेल लेआउट का मुख्य भाग एक तुरही जैसी संरचना के माध्यम से सीधे आउटर रिंग रोड मुख्य कैरिज वे से जुड़ा हुआ है, जहां दो स्तरीय दिशात्मक रैंप निर्माणाधीन हैं। राजेंद्रनगर उत्तर से राजेंद्रनगर दक्षिण ओआरआर टोल प्लाजा तक 1.6 किमी की लंबाई के लिए सर्विस रोड का निर्माण भी इस लेआउट के विकास के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। अंत में, मुख्य सचिव ने नियोपोलिस लेआउट का दौरा किया, जहां एचएमडीए द्वारा नियोपोलिस लेआउट को आउटर रिंग रोड मुख्य कैरिज वे पर पहुंच प्रदान करने के लिए एक तुरही का निर्माण किया गया है।

सैन्य कैंटीन में वायुसेना कर्मचारी बनकर घूम रहा व्यक्ति पकड़ा गया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वायुसेना की टी-शर्ट पहनकर सैन्य कैंटीन में घुसने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को शुक्रवार को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, युवक ने कथित तौर पर दो युवतियों को यह विश्वास दिलाया कि वह उन्हें सैन्य कॉलेज परिसर में स्थित सैन्य कैंटीन में नौकरी दिला देगा। शुरुआत में गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने युवक को गेट पर नहीं रोका क्योंकि उसने एयरफोर्स की टी-शर्ट पहन रखी थी। लेकिन, जब वह कैंटीन में गया और परिसर की तस्वीरें और वीडियो लेने लगा तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने उसकी पहचान की जांच की और पाया कि वह वायु सेना का कर्मचारी नहीं था और उसे त्रिमुलघेरी पुलिस को सौंप दिया गया। त्रिमुलघेरी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं.30255812, दिनांक: 13.06.2025

कार्य का नाम : संलग्न तकनीकी विनिर्देश के अनुसार CNC एयर प्लाज्मा (Air Plasma) एवं गैस कटिंग मशीन की आपूर्ति, संस्थापन एवं शुरुआत। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने)। TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 01 संख्यक।

(2) निविदा सं.30255864, दिनांक: 13.06.2025

कार्य का नाम : संलग्न तकनीकी विनिर्देश के अनुसार, कंप्यूटर-बेस्ड (Based) मेशरिंग एवं रिकॉर्डिंग (Measuring and Recording) सिस्टम के साथ 500 टन (BG)- क्षमता वाले हाइड्रोलिक व्हील प्रेस की आपूर्ति, संस्थापन ट्रायल रन एवं शुरुआत। सन्दर्भ : COFMOW कम्पेंडियम 2023-24 का आइटम नं. 62। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने)। TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 01 संख्यक।

द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए (दोनों क्रम सं. हेतु)।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 07.07.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-258/Q/25-26

काजोल ने बॉलीवुड में डेब्यू को लेकर बताया बेटी का प्लान

क्या फिल्मों में एंट्री करेंगी न्यासा देवगन ?

काजोल इस वक्त अपनी फिल्म 'मां' फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, उनकी ये फिल्म दर्शकों का ध्यान खींच रही है। काजोल पहसे फिल्म की शूटिंग और अब प्रमोशन में व्यस्त हैं। उनकी फिल्म का प्रमोशन जोर-शोर से चल रहा है। उनकी इस फिल्म की शूटिंग हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी में हुई थी, जहां उन्हें कुछ अजीबो गरीब अनुभव हुए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि बाकी स्टार किड्स की तरह क्या उनकी बेटी नीसा भी बॉलीवुड में एंट्री करेंगी?

क्या फिल्मों में एंट्री करेंगी नीसा?

अपनी अगली फिल्म 'मां' के प्रमोशन के दौरान काजोल ने बातचीत की और उनसे पूछा गया कि क्या नीसा अपनी अभिनय विरासत को आगे बढ़ाएंगी। काजोल ने जवाब दिया, "नहीं, मुझे नहीं लगता कि वो ऐसा करेंगी। उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार के सभी बच्चों से प्यार करती हूं और मैं चाहती हूं कि वे वही करें जिससे उन्हें खुशी मिले और जहां उन्हें सफलता मिले।"

रामोजी फिल्म सिटी को बताया भूतिया

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी के बारे में एक चौंकाने वाली बात का खुलासा किया और कहा कि वो इस जगह पर शूटिंग के दौरान हमेशा अनकंफर्टेबल महसूस करती हैं। काजोल ने दावा किया कि रामोजी फिल्म सिटी में 'भूतिया वाइब्स' हैं और

कहा कि शूटिंग के समय, वो इस जगह को छोड़ना जाती थीं और कभी वापस नहीं आना चाहती थीं।

एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने शूटिंग के बारे में बात की और फिर रामोजी फिल्म सिटी के बारे में बताया। काजोल ने कहा, "मैंने ऐसी जगहों पर शूटिंग की है जहां मुझे असहज महसूस होता था। मैं सो नहीं पाती थी। मेरे हिसाब से रामोजी फिल्म सिटी दुनिया की सबसे डरावनी जगहों में से एक है।"

उन्होंने कहा, "शूटिंग! हमें ये भी नहीं पता कि हम रात को कहां सो सकते हैं। या अगर हम यहां से चले भी गए तो हमें वापस नहीं आना है। तो ऐसी कई जगहें हैं। हमारे पास इसके बेहतरीन उदाहरण हैं, हैदराबाद में ही रामोजी राव स्टूडियो, जिसे दुनिया की सबसे भूतिया जगहों में से एक माना जाता है। और इसलिए मुझे लगा कि भगवान ने मेरी रक्षा की है और मैंने कुछ भी नहीं देखा है।'

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी में शूट की कई फिल्में

हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में काजोल ने कई फिल्मों की शूटिंग की है। ये फिल्म सिटी भारत में की सबसे बड़ी फिल्म सिटी मानी जाती है और यहां बॉलीवुड, टॉलीवुड के साथ-साथ कई भाषाओं की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की शूटिंग हुई है। काजोल के अलावा उनके पति और अभिनेता अजय देवगन भी इस जगह पर कई फिल्मों की शूटिंग करते रहते हैं और आखिरी बार उन्होंने तेलुगु ब्लॉकबस्टर 'आरआरआर' की शूटिंग यहीं की थी।

काजोल के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'मां' रिलीज के लिए तैयार है। ये एक हॉरर फिल्म है, जिसमें काजोल ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया है जो अपने बच्चे की रक्षा के लिए किसी से भी लड़ने के लिए तैयार है। उनके अलावा इस फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और सुरज्यसिखा दास फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। फिल्म में अजय देवगन और कथित तौर पर आर माधवन भी हैं। फिल्म का प्रोडक्शन ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक, जियो स्टूडियो और देवगन फिल्म्स ने किया है। कहानी साईविन क्वाड्रास ने लिखी है।

'ये मत सोचो की 80 साल में रोमांस की इच्छा नहीं होती बुढ़ापे में इंटिमेसी को लेकर नीना गुप्ता ने कही बड़ी बात

'पंचायत' की मंजू देवी यानी नीना गुप्ता इन दिनों अपनी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चा में हैं। नीना गुप्ता अपने विचारों को खुलकर रखने में विश्वास रखती हैं, फिर चाहे वो उनकी पर्सनल लाइफ हो, शादीशुदा क्रिकेटर संग उनका रिलेशनशिप हो, या बिना शादी के बेटी को जन्म देना हो, उन्होंने हमेशा दिल खोलकर बात की है। नीना ने 49 साल की उम्र में दिल्ली बेस्ड विवेक मेहरा से शादी की थी और अब उन्होंने बुढ़ापे में इंटिमेसी की चाह को लेकर बात की है।

हाल ही में नीना गुप्ता ने अनुपम खेर के साथ एक इंटरव्यू दिया। जहां उन्होंने कहा कि हर उम्र में इंसान को रोमांस और इंटिमेसी की चाह हो सकती है। नीना ने कहा कि महिलाओं, खास तौर पर उम्र के साथ-साथ अपनी पहचान खोती जाती है क्योंकि वो मां और गृहिणी के रूप में नए रोल निभाती हैं। लेकिन इन सब में दुख की बात है कि वो अपनी इच्छाओं और पहचान को पीछे छोड़ देती हैं। नीना गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ये प्रवृत्ति कितनी गहरी है, सामाजिक अपेक्षाओं से उपजी है जो महिलाओं को 'छोड़ने' के लिए मजबूर करती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है

कि वे वास्तव में ऐसा करना चाहती हैं या उन्हें ऐसा करना पड़ता है।"

नीना गुप्ता ने कहा, "ये मत सोचो कि साठ या सत्तर या अस्सी साल का आदमी या औरत को रोमांस की इच्छा नहीं होती। हमारे खास कर लेडीज, इंडिया की लेडीज सोचते हैं, बस अब तो हो गया। चालीस के बाद ही सोच लिया हो गया। अब मैं देखती हूं, अधेड़ उम्र की महिलाएं जिम में जाती हैं, वे फिट रहना चाहती हैं। इच्छा तो होनी चाहिए ना, इच्छा से ही तो वो नूर आता है। जब सांस में सांस होती है तो सपने कौन नहीं देखता? मुझे बताइए कि कौन सी महिला या पुरुष सपने नहीं देखता। पुरुष अभी भी बाहर जाते हैं और कुछ करते हैं। लेकिन महिलाएं नहीं देखतीं... वृद्ध महिलाएं। क्या आपको लगता है कि वे सपने नहीं देखतीं?"

बता दें कि नीना गुप्ता इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस मीट और इंटरव्यूज को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने एक इवेंट में अपने बारे में बात करते हुए कहा, "बुला तो लेते हैं... लेकिन कोई आपसे सवाल पूछता ही नहीं है।

बड़ी-बड़ी फिल्मों में आपको बुलाते हैं, और फिर ये भी होता है कि जब आप इंटरव्यू खत्म करते हैं तो जो फोटोग्राफर होते हैं, वो उन लोगों के पीछे भाग जाते हैं जो आपसे ज्यादा फेमस और पॉपुलर एक्टर हैं, वो भी आपको धक्का देकर। तो कई बार मैं कहीं नहीं जाती क्योंकि मुझे मालूम है ये मुझे धक्का देके दूसरे का फोटो लेने जायेंगे।"

सितारे जमीन पर के प्रीमियर में साथ दिखे तीनों खान

आमिर खान और जेनेलिया डिसूजा की फिल्म सितारे जमीन पर आज रिलीज हो चुकी है। रिलीज से पहले गुरुवार को मुंबई में सेलेब्स के लिए इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी, जिसमें बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकार पहुंचे हैं। इस दौरान शाहरुख खान और सलमान खान भी आमिर को सपोर्ट करने पहुंचे।सलमान ने प्रीमियर में आमिर खान को गले लगाया फिर खुद मीडिया के पास पहुंचकर कहा, एक तो मैं इंटरव्यू दे रहा हूं, तुम लोग ले नहीं रहे। मैंने बोला कि बहुत अच्छी पिक्चर है, मुझे करना है ये पिक्चर। फिर आमिर ने कॉल करके कहा कि मैं कर चुका हूं। शाहरुख-सलमान, आमिर को सपोर्ट करने पहुंचे, गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट हाथ थामकर रखा; रेखा भी पहुंचीं। बताते चलें कि फिल्म सितारे जमीन पर 2018 में आई स्पेनिश फिल्म चैम्पियंस की

ऑफिशियल रीमेक है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया डिसूजा लीड रोल में हैं। आमिर खान के होम प्रोडक्शन की इस फिल्म को आर.एस.प्रसन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं।

'डेविड धवन ने दिमाग में जहर भरा', पहलाज निहलानी ने बताया कैसे डूबा गोविंदा का करियर, बोले- वो उन पर एहसान किया

बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने-माने फिल्म निर्माता और पूर्व सीबीएफसी प्रमुख पहलाज निहलानी इन दिनों अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस इंटरव्यू में उन्होंने गोविंदा के करियर, डेविड धवन, सुनीता आहूजा समेत कई लोगों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि गोविंदा का करियर उनकी संगति की वजह से डूब गया। सिर्फ इतना ही नहीं, पहलाज ने आरोप लगाया कि निर्देशक डेविड धवन ने उनके खिलाफ गोविंदा के दिमाग में जहर भरा। चलिए जानते हैं कि निर्माता ने क्या कहा।

कैसे डूबा गोविंदा का करियर?

विक्की लालवानी से बात करते हुए पहलाज ने कहा, "गोविंदा एक ऑलराउंडर थे। उन्होंने अपने करियर को बहुत अच्छे से संभाला, लेकिन वह लोगों पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं। उनके आस-पास का माहौल अच्छा नहीं है, इसलिए वह भटक जाते हैं। वह पंडितों, ज्योतिषियों की संगति में रहते हैं और उन्हीं की बातों में यकीन करते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में लोग इस तरह की बातों को गंभीरता से नहीं लेते और ये सब बातें उनके करियर के लिए नुकसानदेह है।"

डेविड धवन पर लगाए आरोप

पहलाज ने आगे कहा, "गोविंदा इतने भोले हैं कि 'पार्टनर' फिल्म में डेविड धवन चाहते थे कि गोविंदा ही वह किरदार निभाएं, लेकिन बाद में ऐसा दिखाया गया कि डेविड और सलमान ने गोविंदा पर एहसान किया। जबकि असल में वो रोल सिर्फ गोविंदा के लिए ही था। गोविंदा भावुक हो गए और सबको लगा कि उनके ऊपर कोई बहुत बड़ा एहसान हो गया।"

और खुलासा किया कि इसी वजह से उन्होंने साथ काम करना बंद कर दिया। पहलाज ने कहा, "डेविड धवन ने गोविंदा के दिमाग में मेरे खिलाफ जहर भर दिया था। डेविड उनसे इसलिए नाराज थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि उन्होंने 1993 में गोविंदा की फिल्म 'आंखें' से पैसे कमाए थे।" हालांकि, पहलाज ने तर्क दिया कि वह फिल्म के निर्माता थे और उनकी कहानी पर ही फीचर फिल्म बनाई गई। उन्होंने यह भी

सिर्फ इतना ही नहीं, पहलाज ने डेविड धवन पर गोविंदा के दिमाग में जहर भरने और उन्हें पहलाज के खिलाफ भड़काने का भी आरोप लगाया बताया कि अनीस बज्मी ने फिल्म के संवाद लिखे और डेविड इसके निर्देशक थे, लेकिन उन्होंने दावा किया कि वह 'डमी निर्देशक' की तरह थे।

एकता कपूर से विवाद के बाद राम कपूर का यू-टर्न बोले- जो कहना है कहें, मैं एक शब्द नहीं कहूंगा

प्रोड्यूसर एकता कपूर से विवाद के बीच अब एक्टर राम कपूर ने उनका आभार जताया है। दरअसल, कुछ समय पहले ही राम कपूर ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं में एकता कपूर ने उनकी मर्जी के खिलाफ जाकर इंटिमेट सीन डलवाए थे, जिससे उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था। बयान सामने आने के बाद एकता कपूर ने सरेआम उन्हें अनप्रोफेशनल कहते हुए चुप रहने की नसीहत दी थी। अब राम कपूर ने विवाद पर कहा है कि एकता जो चाहे कह सकती हैं, ये उनका हक है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में राम कपूर ने विवाद पर कहा, 'वो जो चाहे कह सकती हैं, लेकिन मैं एक शब्द नहीं कहूंगा। क्योंकि आखिर में उन्होंने मुझे वो दिया जो किसी और ने नहीं दिया। उन्होंने मुझ पर तब विश्वास किया, जब किसी और ने नहीं किया। इस चीज के लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। उनके पास हक है कि वो मेरा करियर जब तक है, तब तक जो चाहे कहें।

कैसे शुरू हुआ एकता कपूर-राम कपूर का विवाद

कुछ समय पहले ही सिद्धार्थ कानन के पॉडकास्ट में राम कपूर ने टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं में किसिंग सीन देने पर बात की थी। उन्होंने कहा है कि एकता कपूर ने खुद वो सीन लिखे थे। राम कपूर ने इस पर एतराज जताते हुए कहा था कि टेलीविजन पर कभी किसिंग सीन नहीं दिखाया गया था, कई जेनरेशन साथ बैठकर उनका शो देखती हैं, ऐसे में किसिंग सीन नहीं करना चाहिए। लेकिन एकता कपूर नहीं मानीं और किसिंग सीन शूट करवाया।

राम कपूर का बयान सामने आने के बाद एकता कपूर ने सोशल मीडिया पर बिना नाम लिए क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'अनप्रोफेशनल एक्टर, जो मेरे शो के बारे में इंटरव्यू दे रहे हैं उन्हें चुप रहना चाहिए। झूठी जानकारी और गलत कहानियां, सिर्फ तब तक चल सकती हैं जब तक मैं बात न करूं। लेकिन चुप रहने में गरिमा है।'

ऐश्वर्या राय के फैन हुआ करते थे जायद खान

लॉकर रूम में लगा रखी थी एक्ट्रेस की तस्वीर, साथ फिल्म मिली तो ऐसा था रिएक्शन

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म में जायद खान ने ऐश्वर्या राय और संजय दत्त के साथ काम किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में जायद ने बताया है कि शब्द फिल्म में ऐश्वर्या के साथ काम करने से पहले वो उनके बड़े फैन हुआ करते थे। उन्होंने अपनी अलमारी में ऐश्वर्या राय की बड़ी सी फोटो भी लगा रखी थी। यही वजह रही कि जब उन्हें पता चला कि शब्द फिल्म में उनके साथ ऐश्वर्या होने वाली हैं, तो वो शॉक हो गए थे।

जायद खान ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में कहा है, ऐश्वर्या एक प्रोफेशनल और खूबसूरत लेडी थीं। जब वो मिस वर्ल्ड बनी थीं, तो मेरे लॉकर रूम में उनकी पिक्चर होती थी। और मैं सोचता था कि ये महिला कितनी खूबसूरत हैं। जब मैंने फिल्म (शब्द) की स्क्रिप्ट सुनी तो, लीना यादव (डायरेक्टर) ने मुझसे कहा कि ऐश्वर्या इस फिल्म में हैं। ये सुनकर मैं शॉक हो गया, मैंने कहा जल्दी बताइए किस जगह साइन करना है।

आगे जायद ने कहा, मेरा उनके साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा। वो बेहतरीन को-स्टार हैं। वो जानती हैं कि आपके साथ कैसे खेलना है। ऐश्वर्या के साथ अपना फैन मूमेंट तोड़ना बहुत मुश्किल था। लेकिन वो एकदम नेचुरली आकर कहती थी, हाय, आप कैसे हो। क्या आपको रिहर्सल करनी है। और मैं सोचता था कि ये कितना कूल है। जब मैंने पहली बार उनके साथ फोटोशूट किया और पिक्चर देखी तो वो बिल्कुल चीनी मिट्टी की तरह थीं। ये पॉसिबल ही नहीं था। आजकल लोग फिल्टर लगाते हैं, लेकिन वो नेचुरल फिल्टर थीं। बताते चलें कि जायद खान, 70 के दशक के मशहूर एक्टर संजय खान के बेटे हैं। जायद ने 2003 में फिल्म चुरा लिया है तुमने से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वो मैं हूं न, शब्द, दस, वादा, शादी नंबर 1, कैश, मिशन इस्तांबुल, ब्लू और अनजाना अनजानी जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। आखिरी बार उन्हें 2015 की फिल्म शराफत गई तेल लेने में देखा गया था। जायद की बड़ी बहन सुजैन, ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी हैं।

कर्नाटक में 'ठग लाइफ' की रिलीज का रास्ता साफ

सुप्रीम कोर्ट ने मामला किया बंद, राज्य सरकार को थिएटरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

एक्टर कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' की कर्नाटक में रिलीज का रास्ता अब साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने फिल्म को लेकर जरूरी आदेश दिए। कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि अगर फिल्म की वजह से कोई हिंसा होती है, तो उसके खिलाफ आपराधिक और सिविल कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और अन्य पक्षों के बयानों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामला बंद कर दिया। कर्नाटक सरकार ने भरोसा दिलाया कि फिल्म की रिलीज पर कोई रोक नहीं होगी और थिएटरों को पूरी सुरक्षा दी जाएगी।

बता दें कि जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस मनमोहन की खंडपीठ महेश रेड्डी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' की कर्नाटक में स्क्रीनिंग की अनुमति देने के निर्देश की मांग की गई थी।

वहीं, कन्नड़ कार्यकर्ता प्रवीण शेट्टी को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। राज्य सरकार ने साफ किया कि उसने फिल्म पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया। निर्माताओं ने खुद ही रिलीज रोकने का फैसला किया क्योंकि कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ विवाद हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- कानून हाथ में न लें

एक अन्य पक्षकार ने कहा कि कमल हासन की टिप्पणी सिर्फ प्रमोशन के लिए की गई थी। इस पर जस्टिस भुइयां ने पूछा, "अगर यह सिर्फ प्रमोशन था, तो आप उसी में फंस गए?" जस्टिस मनमोहन ने कहा, "अगर आपको लगता है कि यह पब्लिसिटी स्टंट था, तो आप कानूनन कार्रवाई करें, कानून हाथ में न लें।"

एक और याचिकाकर्ता महेश रेड्डी, जिनका प्रतिनिधित्व वकील अथेनम वेलन कर रहे थे, ने कोर्ट से मांग की कि ऐसे अनाधिकारिक प्रतिबंधों पर दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

वेलन ने कहा कि फिल्म थिएटरों को दी जाने वाली आगजनी और हिंसा की धमकियां बहुत खतरनाक हैं और यह अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा हमला है। उन्होंने कोर्ट से ऐसे मामलों में जुर्माना लगाने की भी मांग की।

वहीं, फिल्म के निर्माता की ओर से वकील सतीश परासरन ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से दिया गया जवाब संतोषजनक है और वे केस वापस लेना चाहते हैं। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म 'ठग लाइफ' की कर्नाटक में रिलीज न होने पर कड़ी नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि किसी को भी लोगों के सिर पर बंदूक तानकर फिल्म देखने से नहीं रोका जा सकता।

जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कर्नाटक सरकार से कहा था कि जब किसी फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल चुका है तो उसे देश के हर राज्य में दिखाया जाना चाहिए। कोर्ट ने राज्य सरकार को एक दिन का समय दिया था कि वह फिल्म की रिलीज पर स्थिति साफ करे।

दरअसल, कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मांग की थी कि जब तक हासन माफी नहीं मांगते, फिल्म रिलीज नहीं होगी।

जिससे बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार से जवाब मांगा था और मामला हाईकोर्ट की अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। जिसके बाद गुरुवार यानी 19 जून को मामले की अगली सुनवाई हुई।

कमल हासन ने 24 मई को चेन्नई में 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान कन्नड़ को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कन्नड़ भाषा तमिल से जन्मी है। इसके बाद एक्टर और उनकी फिल्म का कर्नाटक में लगातार विरोध हुआ।

एससी बोला- हाईकोर्ट का हासन को माफी मांगने के लिए कहना उचित नहीं

कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई थी, जिसमें कमल हासन से माफी की बात कही गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हाईकोर्ट का हासन को माफी मांगने के लिए कहना उचित नहीं है। फिल्म ठग लाइफ 5 जून को देशभर में रिलीज हुई थी, लेकिन कर्नाटक में इसे रिलीज नहीं होने दिया गया।

कमल हासन बोले थे- तमिलों ने भाषा के लिए जान गंवाई, इसके साथ मत खेलो

ट्राई लैंग्वेज (तमिल, हिन्दी और अंग्रेजी) विवाद को लेकर 21 फरवरी को अभिनेता कमल हासन ने कहा था- तमिल भाषा उनकी सांस्कृतिक पहचान है। लोगों ने इसके लिए जान गंवाई है। इसके साथ खिलवाड़ न करें।

चेन्नई में अपनी पार्टी के आठवें स्थापना दिवस पर हासन ने कहा- भाषा के मुद्दे को हल्के में न लिया जाए। तमिलनाडु के बच्चे भी जानते हैं कि उन्हें कौन सी भाषा चाहिए। उनके पास अपनी समझ है।

जगन्नाथ यात्रा के तीन रथों के नाम और कौन होता है सवार?

पुरी की दुनिया भर में प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा में प्रमुख रूप से 3 रथ होते हैं, जिन पर भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और उनकी बहन देवी सुभद्रा विराजमान होकर नगर भ्रमण करते हैं। हर रथ की अपनी एक विशेष पहचान, रंग और मान्यता है।

हिन्दू धर्म का जगन्नाथ रथ यात्रा एकमात्र ऐसा पर्व है जब भगवान मंदिर से बाहर निकलकर आम जनता के बीच आते हैं, उनके सुख-दुख में सहभागी होते हैं। यह भगवान के पतित पावन स्वरूप को दर्शाता है, जहां वे बिना किसी भेदभाव के सभी को दर्शन देते हैं। रथ यात्रा के दौरान 3 रथ निकाले जाते हैं और ये तीनों रथ हर साल विशेष नीम की लकड़ी (दारु) से बनाए जाते हैं, और इस रथ बनाने की प्रक्रिया में कई महीने लगते हैं। यह पूरी यात्रा एक विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लेती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। क्या आप इन तीनों रथों के नाम जानते हैं और इन 3 रथों में कौन सवार होता है। तो आइए जानते हैं।

भगवान जगन्नाथ के रथका नाम नंदीघोष (या गरुड़ध्वज) है। यह तीनों रथों में सबसे बड़ा और भव्य होता है। इसका रंग मुख्य रूप से लाल और पीला होता है। इसमें 16 पहिए और ऊंचाई लगभग 42 l6 से 45 फीट होती है। इसके शिखर पर गरुड़ देव का प्रतीक होता है। इसे दूर से ही इसके पीले और लाल रंग से पहचाना जा सकता है।भगवान बलभद्र के रथ का नाम तालध्वज है। यह भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई बलभद्र (बलराम) का रथ है, जो यात्रा में सबसे आगे चलता है।

इसका रंग लाल और हरा होता है। इसमें 14 पहिए होते हैं और ऊंचाई लगभग 43.3 फीट (जो नंदीघोष से थोड़ा अधिक होता है)। इस रथ के शिखर पर ताड़ (ताल) का वृक्ष बना होता है।

देवी सुभद्रा के रथका नाम देवदलन (या पद्मध्वज/दर्पदलन) है। यह भगवान जगन्नाथ और बलभद्र की बहन देवी सुभद्रा का रथ है, जो दोनों भाइयों के रथों के बीच में होता है। इसका रंग लाल और काला होता है। (कुछ जगहों पर लाल और नीला भी वर्णित है, जो देवी के शक्तिशाली और सुरक्षात्मक पहलुओं को दर्शाता है)। इस रथ पर कमल का फूल बना होता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा की मान्यताएं गहरी धार्मिक, पौराणिक और सामाजिक होती हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर भ्रमण करने की इच्छा व्यक्त की थी। अपनी बहन की इच्छा पूरी करने के लिए भगवान जगन्नाथ और बलभद्र के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले थे। यह यात्रा उसी घटना का प्रतीक है। तभी से ये जगन्नाथ रथ यात्रा निकालने की परंपरा चली आ रही है।

पूजा के दौरान पति-पत्नी एक साथ क्यों बैठते हैं, क्या है कारण?

हिंदू धर्म में पूजा के समय पति-पत्नी का एक साथ बैठना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व है, जो पूर्ण रूप से दांपत्य सुख का प्रतीक है। विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो आत्माओं का पवित्र बंधन माना जाता है। जब पति-पत्नी एक साथ पूजा करते हैं, तो उनकी शक्ति और भक्ति मिलकर पूर्णता प्राप्त करती है। अकेले की गई पूजा को अधूरा माना जाता है, क्योंकि एक हिस्सा (आधा शरीर) अनुपस्थित रहता है।

मान्यता है कि पति-पत्नी द्वारा मिलकर किए गए धार्मिक कार्यों का पुण्य फल दोगुना होता है और वह दोनों को समान रूप से प्राप्त होता है। इससे उनके संयुक्त कर्मफल (शुभ कर्मों का परिणाम) में वृद्धि होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि पति को कभी भी अपनी पत्नी के बिना पूजा में नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पूजा का संपूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। यही बात पत्नी पर भी लागू होती है।

दोनों का सहयोग है जरूरी

हिंदू धर्म में, स्त्री को शक्ति (देवी दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती) का स्वरूप माना जाता है और पुरुष को पुरुष (भगवान शिव, विष्णु) का। कोई भी कार्य बिना शक्ति के पूर्ण नहीं होता है। पूजा में पति-पत्नी का साथ बैठना शिव और शक्ति के सामंजस्य का प्रतीक है, जैसे भगवान शिव के अर्धनारीश्वर स्वरूप में। यह दर्शाता है कि जीवन के हर क्षेत्र में, और विशेष रूप से आध्यात्मिकता में, पुरुष और स्त्री दोनों का सहयोग और संतुलन आवश्यक है।

आपसी मतभेद होते हैं कम

एक साथ पूजा करने से पति-पत्नी के बीच आध्यात्मिक जुड़ाव बढ़ता है। यह उनके रिश्ते में सद्भाव, प्रेम और समझ को मजबूत करता है। जब वे एक ही उद्देश्य (ईश्वर की आराधना) के लिए एक साथ प्रयास करते हैं, तो उनके आपसी मतभेद कम होते हैं और विश्वास बढ़ता है। यह एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को भी व्यक्त करता है।

पति के दाहिने ओर बैठती हैं पत्नियां

वैदिक परंपरा में, कन्यादान, यज्ञ, हवन, नामकरण, अन्नप्राशन जैसे महत्वपूर्ण संस्कारों में पत्नी का पति के साथ बैठना अनिवार्य होता है। यह उनकी संयुक्त भागीदारी और उत्तरदायित्व को दर्शाता है। आमतौर पर पूजा-पाठ, यज्ञ, होम, व्रत और दान जैसे धार्मिक अनुष्ठानों में पत्नी को पति के दाहिने (दाएं) हाथ की ओर बैठने का विधान है। इसके पीछे भी कुछ मान्यताएं हैं।

बायी ओर कब बैठना चाहिए?

कुछ मान्यताओं के अनुसार, दाहिना भाग शक्ति और माता का स्थान दर्शाता है, और पत्नी को शक्ति का स्वरूप माना जाता है। हालांकि, कुछ अन्य कार्यों जैसे भोजन करते समय, सोते समय, और किसी पूजनीय व्यक्ति के चरण छूते समय पत्नी का पति के बाएं (बाएं) हाथ की ओर बैठना शुभ माना जाता है, क्योंकि बायां भाग प्रेम और हृदय का प्रतीक है।

नीम करोली बाबा को कंबल चढ़ाते समय क्या बोलना चाहिए?

नीम करोली बाबा को कंबल चढ़ाते समय आप कुछ सरल और श्रद्धापूर्ण तरीके से कुछ विशेष मंत्र का बोल सकते हैं। बाबा आडंबरों में नहीं, बल्कि प्रेम और भाव में विश्वास रखते थे। इसलिए, आपके शब्द सीधे हृदय से आने चाहिए। यहां कुछ ऐसी भावनाएं दे रहे हैं, जिन्हें आप नीम करोली बाबा को कंबल चढ़ाते समय बोल सकते हैं। इससे लोगों की मनोकामनाएं जल्द ही पूरी होती हैं। नीम करोली बाबा को कंबल चढ़ाते समय आपको बोलना है कि हे बाबा, यह कंबल आपके श्री चरणों में अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार करें और अपनी कृपा बनाए रखें। या फिर महाराज जी, यह मेरी छोटी सी भेंट है। इसे स्वीकार कर मुझे सुखी जीवन का आशीर्वाद दें।

बाबा, आप सभी के कष्ट हरने वाले हैं। यह कंबल आपको समर्पित कर रहा हूं/रही हूं, मेरी विनती स्वीकार करें। या आपको यह कंबल भेंट कर रहा हूं/रही हूं, बाबा। मेरे परिवार पर आपकी दया-दृष्टि बनी रहे।

बाबा को कंबल चढ़ाते समय बोलें कि हे बाबा, मैं यह कंबल आपको अर्पित कर रहा हूं/रही हूं। मेरे जीवन में जो भी दुख या बाधाएं हैं, उन्हें दूर करें। साथ ही बोलें कि महाराज जी, आपने मुझ पर जो कृपा की है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। यह कंबल मेरी कृतज्ञता का प्रतीक है। कृपया इसे स्वीकार करें।

आप बाबा को कंबल चढ़ाते समय जय महाराज जी, जय बाबा नीम करोली, या जय श्री नीम करौली बाबा की भी बोल सकते हैं। बाबा नीम करोली हमेशा कहते थे कि सब कुछ प्रेम है। वे आपके चढ़ावे की कीमत या प्रकार नहीं देखते थे, बल्कि आपके भाव और प्रेम को देखते थे। इसलिए, सबसे महत्वपूर्ण आपकी सच्ची श्रद्धा और आंतरिक भावना है। इन बातों का ध्यान रखते हुए और सच्ची श्रद्धा से आप बाबा को कंबल चढ़ा सकते हैं।

सपने में सफेद सांप दिखना बेहद शुभ माना जाता है

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में मानसून की बारिश के साथ सांपों की एंट्री भी हो गई है। यहां भारत के चार सबसे जहरीली प्रजातियों के साथ बिना जहर वाले सांप भी देखे जा रहे हैं। जबकि, बीते कुछ वर्षों में एक दुर्लभ सांप की मौजूदगी भी देखी गई है। सफेद रंग का यह सांप नर्मदा नदी और सतपुड़ा पर्वत के आस-पास के इलाको में अक्सर देखा जाता है। वहीं, धर्म शास्त्रों में सफेद रंग के सांप का दिखना बेहद शुभ माना जाता है।

खरगोन के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. बसंत सोनी बताते हैं कि, खरगोन जिला खेती किसानी, धरोहरों के अलावा सांपों की पूजा के लिए भी विषयों पहचान रखता है। यहां लोग सांप को पूजते हैं। यहां कई तरह के सांप पाए जाते हैं। धर्म शास्त्रों में सांपों की 144 प्रजातियां बताई गई है। सभी का अपना अपना महत्व है। लेकिन, इनमें सफेद रंग के सांप का अत्यधिक महत्व है।

मिलता है गढ़ा या रुका धन

धर्म ग्रंथों में भी सफेद सांप का जिक्र है। ज्योतिषी का मानना है कि ऐसे सांप दिखना

किसी अच्छे समय का संकेत होता है। वो कहते हैं कि कई बार लोगों को सफेद सांप दिखने के बाद जमीन में गढ़ा धन, पुराना पैसा पाया गया या फिर रुका हुआ काम बन जाता है। इसलिए ग्रामीण इसे भगवान का संकेत मानते हैं।

सफेद सांप लक्ष्मी का स्वरूप!

अगर सांप सपने में साथ चलते हुए दिखाई दे, या सांप काट ले तो यह बेहद शुभ होता है। माना जाता है कि सपने सांप दिखाई दे तो कुछ ही समय में आपको अचानक लक्ष्मी (धन) की प्राप्ति होती है। अगर सफेद सांप के साक्षात दर्शन हो जाए तो माना जाता है कि तुरंत धन लाभ होने के संभावना है। जिले के ऊन गांव में ऐसा कई बार देखा और सुना गया है।

सफेद सांप लक्ष्मी का स्वरूप!

अगर सांप सपने में साथ चलते हुए दिखाई दे, या सांप काट ले तो यह बेहद शुभ होता है। माना जाता है कि सपने सांप दिखाई दे तो कुछ ही समय में आपको अचानक लक्ष्मी (धन) की प्राप्ति होती है। अगर सफेद सांप के साक्षात दर्शन हो जाए तो माना जाता है कि तुरंत धन लाभ होने के संभावना है। जिले के ऊन गांव में ऐसा कई बार देखा और सुना गया है।

शनिदेव को काले तिल चढ़ाते समय इन मंत्रों का करें जाप

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता और कर्मफल दाता माना जाता है। जब शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या महादशा चल रही हो, या कुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हों, तो जातक को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शनिदेव को प्रसन्न करने और उनके अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए काले तिल अर्पित करना एक बहुत ही प्रभावी उपाय माना जाता है। काले तिल शनिदेव को अत्यंत प्रिय हैं।

काले तिल चढ़ाते समय ऐसे करें पूजा

काले तिल हमेशा शनिवार को ही शनिदेव को अर्पित करने चाहिए।

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

शनिदेव को सरसों का तेल और काले तिल लोहे के पात्र में रखकर ही चढ़ाएं।

शनिदेव पर तेल या तिल चढ़ाते समय अपनी नजरें सदैव शनिदेव के चरणों पर ही रखें। शनिदेव से आंखें नहीं मिलानी चाहिए।

पूजा करते समय और मंत्र जाप करते समय मन में किसी भी तरह का संशय या नकारात्मक विचार न लाएं।

काले तिल के साथ सरसों का तेल, काले या नीले फूल, नीले वस्त्र, उड़द दाल, खिचड़ी आदि भी अर्पित कर सकते हैं।

शनिदेव के सामने सरसों के तेल का दीपक अवश्य जलाएं।

यदि संभव हो तो शनिवार की शाम को पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं और "ॐ शं शनैश्चराय नमः" मंत्र का जाप करते हुए सात बार परिक्रमा करें।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए काले तिल का दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है। आप इसे किसी निर्धन व्यक्ति को दान कर सकते हैं या शनि मंदिर में चढ़ा सकते हैं।

मंत्र जाप के बाद शनि चालीसा या शनि स्तोत्र का पाठ करना भी बहुत लाभकारी होता है।

शनिदेव का मूल मंत्र (सबसे प्रभावी)

ॐ शं शनैश्चराय नमः : यह मंत्र शनिदेव को समर्पित है और इसका जाप करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है।

शनिदेव का वैदिक/पौराणिक मंत्र (बीज मंत्र)

ॐ नीलांजन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम॥: मैं उन शनिदेव को नमन करता हूं, जिनका रंग नीला है, जो सूर्यपुत्र और यम के बड़े भाई हैं, और जो छाया (शनिदेव की माता) तथा मार्तण्ड (सूर्यदेव का दूसरा नाम) से उत्पन्न हुए हैं।

शनि गायत्री मंत्र

ॐ काकध्वजाय विद्महे, खड्गहस्ताय धीमहि, तन्नो मन्दः प्रचोदयात॥: हम कौवे के ध्वज वाले, हाथ में खड्ग धारण किए हुए, धीरे-धीरे चलने वाले (शनिदेव) का ध्यान करते हैं। वे मंद गति वाले शनि महाराज हमें अपनी शरण प्रदान करें।

शनिवार के दिन इन मंत्रों का जाप और विधि-विधान से पूजा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। यह साढ़ेसाती और ढैय्या के नकारात्मक प्रभावों को कम करता है, कुंडली में शनि को मजबूत करता है, और जीवन के हर कष्ट व बाधा को दूर कर सुख-शांति प्रदान करता है।

लालच एक ऐसी आग है जो सब कुछ जला देती है

लालच कैसे हमारी सुख-शांति छीन लेता है, ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं। पुराने समय में किसी गांव में एक पति-पत्नी सादगी और संतोषपूर्ण जीवन जीते थे। पति राजा के महल में काम करता था और रोज की मेहनत से एक स्वर्ण मुद्रा कमाकर लाता था। उसकी ईमानदारी के कारण राजा भी उससे प्रसन्न था और उसकी पत्नी बुद्धिमत्ता से घर संभालती थी।

एक दिन उसे रास्ते में एक यक्ष मिला, जिसने उसकी ईमानदारी और मेहनत से प्रभावित होकर उसे सात सोने के सिक्कों से भरे घड़े भेंट करने का वचन दिया। घर लौटने पर वह देखता है कि घर में सात घड़े रखे हुए हैं, लेकिन उनमें से छह घड़े तो सोने के सिक्कों से पूरे भरे हैं, जबकि सातवां घड़ा थोड़ा खाली है। ये देखकर उस व्यक्ति को यक्ष पर गुस्सा आ गया। गुस्से में वह व्यक्ति उसी जगह पहुंच गया, जहां उसे यक्ष मिला था। वहां यक्ष फिर प्रकट होता है और कहता है कि सातवां घड़ा तुम अपनी कमाई से भर लेना।

व्यक्ति को लगता है, ये तो आसान काम है। घर लौटकर वह पत्नी से कहता है कि अब हमें बचत करनी होगी, तभी ये सातवां घड़ा हम भर पाएंगे। इसके बाद पति-पत्नी सातवें घड़े को भरने के प्रयास में लग जाते हैं। धीरे-धीरे ये प्रयास कंजूसी, तनाव और असंतोष में बदल जाता है। घर में धन तो था, लेकिन जीवन से शांति गायब हो गई। पति का स्वभाव बदल गया, वह कठोर और चिंतित रहने लगा। पत्नी से भी विवाद होने लगे। राजा ने जब अपने सेवक को दुखी देखा तो उसने उसकी तनख्वाह दोगुनी कर दी, परंतु तब भी उसका सुख वापस नहीं आया।

जब राजा ने देखा कि सेवक अभी भी परेशान रहता है तो एक दिन उन्होंने उससे पूछा कि क्या तुम्हें किसी यक्ष ने सात घड़े दिए हैं? ये प्रश्न सुनते ही सेवक ने राजा को सबकुछ बता दिया। राजा ने समझाया कि सातवां घड़ा लोभ का है, ये कभी नहीं भरता। तुम तुरंत जाओ और उस यक्ष के सभी घड़े उसे लौटा दो। राजा की बात समझ में आते ही व्यक्ति ने वह सारे घड़े यक्ष को वापस कर दिए। इसके बाद फिर से उसके जीवन में शांति और संतोष आ गया।

कहानी से सीखें लाइफ मैनेजमेंट के ये 5 सूत्र

लोभ यानी कभी ना मिटने वाली प्यास

सातवां घड़ा प्रतीक है उस अंतहीन लालच का, जो चाहे कितनी भी दौलत हो, इंसान को संतुष्ट नहीं रहने देता। यह मानसिक अशांति का कारण बनता है।

संतोष ही असली संपत्ति है

जब तक राजा के सेवक के जीवन में लालच नहीं था, वे खुश थे। जैसे ही उन्होंने थोड़ा और धन कमाने की लालसा पाल ली, जीवन से सुख गायब हो गया। लालच से बचें और संतोष बनाए रखें, तभी सुखी रहेंगे।

लक्ष्य और जरूरत में अंतर समझें

सातवां घड़ा एक अनावश्यक लक्ष्य था। आज की जिंदगी में भी कई बार हम ऐसे लक्ष्यों के पीछे भागते हैं जिनकी जरूरत नहीं होती, केवल इसलिए क्योंकि दूसरों के पास है, हम भी उसे पाने की कोशिश करते हैं, यही कोशिश अशांति बढ़ा देती है।

जीवन में संतुलन जरूरी है

धन आने के बाद भी यदि मानसिक शांति न हो तो वह धन व्यर्थ है। जीवन में संतुलन जरूरी है, नहीं तो रिश्ते, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास सब प्रभावित होते हैं।

रिश्तों को प्राथमिकता दें

कहानी में लालच की वजह से पति-पत्नी के रिश्ते में भी दूरी आ गई थी, क्योंकि आर्थिक लक्ष्य ने दबाव बना दिया, जिससे रिश्ते में तनाव आ गया। हमें लालच से बचना चाहिए, तभी रिश्तों में भी प्रेम बना रहेगा।

घर में मिर्च का पौधा लगाना शुभ है या अशुभ?

भारतीय परंपरा और वास्तु शास्त्र में हर पौधे का एक विशेष महत्व होता है। कुछ पौधे सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं, तो कुछ घर में नेगेटिविटी लाने का कारण बन सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मिर्च का पौधा लगाना आमतौर पर शुभ नहीं माना जाता है। चलिए इसके पीछे के कारणों को जानते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में मिर्च को मंगल ग्रह से जोड़ा जाता है, जो अग्नि और उग्रता का प्रतीक है। यदि मंगल कुंडली में प्रतिकूल स्थिति में हो, तो घर में मिर्च का पौधा लगाने से इसके नकारात्मक प्रभाव बढ़ सकते हैं, जिससे क्रोध, आक्रामकता और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

वास्तु के अनुसार, मिर्च का पौधा धन के प्रवाह

को बाधित कर सकता है। यह आर्थिक अस्थिरता और अनावश्यक खर्चों को बढ़ा सकता है, जिससे घर में धन की कमी महसूस हो सकती है।

मिर्च का तीखापन रिश्तों में कड़वाहट का प्रतीक माना जाता है। घर में मिर्च का पौधा होने से परिवार के सदस्यों के बीच वैचारिक मतभेद, झगड़े और असहमति बढ़ सकती है, जिससे शांति भंग होती है।

वास्तु के अनुसार, नकारात्मक ऊर्जा का सीधा संबंध स्वास्थ्य से भी होता है। मिर्च का पौधा घर में होने से मानसिक तनाव, चिंता और शारीरिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

मिर्च का तीखापन और तीखी प्रकृति नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है। वास्तु के अनुसार, घर में ऐसी ऊर्जा का होना परिवार के सदस्यों के बीच कलह और तनाव का कारण बन सकता है।

कुछ लोग मानते हैं कि मिर्च का उपयोग बुरी नजर से बचाने के लिए किया जाता है, लेकिन वास्तु के अनुसार, इसे घर के अंदर लगाने से यह नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकता है, बजाय इसके कि वह उसे दूर करे।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 21 जून - 2025

कनाडा का कबूलनामा

पीएम मोदी और कनाडा में उनके समकक्ष मार्क कार्नी की मुलाकात के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में नया मोड आया है। लगभग दो साल की तनातनी के बाद कनाडा की खुफिया एजेंसी कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलीजेंस सर्विस (सीएसईआएस) ने कबूल किया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकवादी भारत के खिलाफ उसकी धरती का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान की मुलाकात इस वजह से बेहद अहम मानी जा रही है। भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी अलगाववादियों को लेकर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है। अब कनाडा सरकार की इस आधिकारिक रिपोर्ट ने भारत की शिकायत को तस्दीक कर दिया है। सीएसईआएस ने यह भी मान लिया है कि पाकिस्तान, कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ जारी गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा है। पीएम मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान खालिस्तानी समूहों ने उनको लेकर धमकियां देने तक की हिमाकत की थी। जाहिर है कनाडा में उनसे सहानुभूति रखने वालों के शह और पाकिस्तान की बैंकिग के बिना वे इतनी हिम्मत कभी नहीं जुटा पाते। सवाल है कि जब कनाडा ने मान लिया है कि पाकिस्तान-खालिस्तानियों की जुगलबंदी से भारत के खिलाफ हिंसक साजिशों को अंजाम दिया जा रहा है तो भारत यही चाहता है कि कनाडा आतंकवादियों को भारत के हवाले करे ताकि खालिस्तानी नेटवर्क के रीढ़ को तोडा जा सके। सीएसईआएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी कनाडा से भारत के खिलाफ गतिविधियां चला रहे हैं। रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके का भी जिक्र है। इस रिपोर्ट से भारत के उस दावे को बल मिला है। जिसमें वह कहता रहा है कि कनाडा आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। यह खुलासा भारत के लिए एक बडी कूटनीतिक जीत है। इससे यह भी साफ होता है कि भारत के विरोधी देश, दूसरे देशों की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस मुलाकात के बाद से दोनों देश पिछली बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहते हैं। फिर भी भारत कनाडा को बख्शने के मूड में नहीं है। वह चाहता है कि कनाडा आतंकवादियों को सौंप कर खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करे। भारत ने 26 आतंकवादियों को सौंपने के लिए कहा है, जिनमें से सिर्फ 5 पर ही कार्रवाई हुई है। इस मामले में कनाडा कार्रवाई करने की कोशिश करेगा। इनमें अर्श डल्ला का मामला भी शामिल है, जिस पर भारत में 50 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। डल्ला को कनाडा की अदालत ने जमानत भी दे दी थी। भारत ने कनाडा से यह भी कहा है कि वह भगोड़ों को गिरफ्तार करे और रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई करे। हालांकि, कार्नी के लिए यह मुश्किल है कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक सिखों को नाराज किए बगैर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करें। वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन जैसे संगठन कनाडा में प्रभावशाली हैं। इसलिए, कनाडा के लिए आतंकवादियों पर कार्रवाई करना आसान नहीं है। जस्टिन टुडो की सरकार में तो इसीलिए ऐसे संगठन पूरी तरह से हावी हो चुके थे। बता दें कि भारतीय मूल के कनाडाई अलगाववादी वहां बहुत बड़े वोट बैंक बन चुके हैं। फिर भी, उम्मीद जगाने में भला क्या हर्ज है? दोनों देश आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाने पर बात कर रहे हैं। भारत का संदेश साफ है, अब और दोहरा रवैया नहीं चलेगा। कनाडा उदारवाद और बोलने की आजादी की बात करता है, लेकिन भारत के खिलाफ हिंसा करने वालों पर आंखें भी मूंदे नहीं रह सकता।

कूटनीति के नकाब में युद्ध: भारत के विरुद्ध गहराती साजिश

सुरेश गांधी

एक ओर पश्चिम एशिया जल रहा है, दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बयानबाज़ी और बैठकों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को और भड़का दिया है। ताज़ा विवाद तब गहराया जब ट्रम्प ने पाकिस्तान के एक पूर्व शीर्ष सैन्य अधिकारी, जिन्हें अमेरिका के कई सुरक्षा विश्लेषक "जिहादी जनरल" की संज्ञा दे चुके हैं, के साथ 'गोपनीय लंच मीटिंग' की। यही नहीं, उन्होंने इज़राइल-गाज़ा संघर्ष में चल रहे सीज़फायर को 'ढकोसला' बताकर एक नया मोर्चा खोल दिया। सूत्रों की मानें तो यह बैठक किसी सामान्य कूटनीतिक संपर्क का हिस्सा नहीं थी, बल्कि निजी संबंधों की गर्माहट से प्रेरित थी। और जब ट्रम्प से इज़राइल-गाज़ा संघर्ष पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "ये सीज़फायर नहीं, बस कैमरे के लिए स्टंट है।" इस बयान ने पश्चिमी जगत के राजनयिक गलियारों में हलचल मचा दी है। उनके 'बंद कमरे की बैठकों' ने दुनिया को हैरान कर दिया है। लोग जानना चाहते है, क्या यह सिर्फ लंच था या एक छिपी योजना की पहली परत?, खासतौर से तब जब वो जनरल मुनीर जिन पर अफगानिस्तान, कश्मीर और आतंक से जुड़ी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप लगते रहे हैं। उनके आइएसआइ प्रमुख रहते कई भारत-विरोधी ऑपरेशनों को अंजाम दिया गया था। अब वही व्यक्ति अमेरिका में ट्रम्प के साथ बैठे हैं और ट्रम्प उसी समय इज़राइल-गाज़ा युद्ध के सीज़फायर को "नकली ड्रामा" बताकर खारिज कर देते हैं। यह मात्र संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग जान पड़ता है। दुसरा बड़ा सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान मुनीर को 'शांति दूत' बनाना चाहती है? तीसरा बड़ा सवाल, क्या भारत के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले को अब अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की राजनीति से वैधता देने की तैयारी चल रही है? सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया लॉबी और कुछ अमेरिकी थिंक टैंक मिलकर जनरल मुनीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "शांति के समर्थक" के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं। उनकी छवि को साफ-सुथरा दिखाकर उन्हें नोबेल पुरस्कार की दौड़ में शामिल करना, पाकिस्तान की एक रणनीतिक योजना का हिस्सा बताया जा रहा है। यह अलग बात है कि ट्रम्प की ये चालें उनके लिए ही घातक साबित हो सकते है। खासकर येरुशलम को इज़राइल की राजधानी मानने को लेकर। उनका यह फैसला मिडिल ईस्ट में स्थायी तनाव को न्योता दे सकता है। अरब जगत की नाराज़गी आज भी कायम है। ईरान न्यूक्लियर डील से हटने के मामले ने भी ओबामा काल के संतुलन को तोड़कर ट्रम्प ने पश्चिम एशिया में अस्थिरता को बढ़ाया है। इससे ईरान अब और आक्रामक हुआ है। इसके अलावा ट्रंप का तालिबानी डील में अफगान सरकार को किनारे लगाने का परिणाम जिस तरह पाकिस्तानी धरती पर दिख रहा है, वो और घातक हो सकता है। वैसे भी ट्रम्प की मुलाकात जिन जनरल साहब से हुई, उनका नाम आतंक समर्थक नेटवर्कों से जुड़ा रहा है। अमेरिका की फेडरल एजेंसियां तक इनसे दूरी बनाए रखने की सलाह देती रही हैं। अब ऐसे शख्स से मुलाकात और फिर मिडिल ईस्ट की शांति प्रक्रिया पर को लेकर बड़ा सवाल बन गया है, क्या ट्रम्प दुनिया का ध्यान अपनी ओर मोड़ना चाहते हैं? क्योंकि ट्रम्प की यह 'यारी' उनके लिए भारी पड़ सकती है। इस समय जब पूरा पश्चिम एशिया युद्ध की कगार पर है, ऐसे में ट्रंप यदि ऐसे चेहरों से मेलजोल रखता है, तो यह केवल अमेरिका के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। कई देशों के कूटनीतिक हलकों में अब यह तंज चर्चा का विषय बन गया है। कभी डील मेकर कहलाने वाले ट्रम्प अब उसी 'डील' की कीमत चुका रहे हैं. जहां तक चीन का सवाल है तो नेपाल और श्रीलंका में भारतीय प्रभाव को सीमित करने की कोशिश, ब्रिक्स और यूएन मंचों पर भारत-विरोधी सुर में बात करना, ये संकेत दे रहा है वो इस गठबंधन का "खामोश साझेदार" है। वो कश्मीर में फिर से अशांति फैलाना चाहता है। मुनीर की बैठक के बाद पाकिस्तान की ओर से फिर से "370 मुद्दा" और "यूएन जनमत संग्रह" की भाषा तेज़ होना इसका बड़ा उदाहरण है। खालिस्तान को अमेरिका-कनाडा में उकसाना, सिख अलगाववाद को अमेरिका में खुलकर समर्थन देने वाले तत्वों को अब ट्रम्प की नज़दीकी और पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद को हवा देना खासकर तब जब चीन और पाकिस्तान पहले से ही म्यांमार और नागालैंड की सीमा से सटे क्षेत्रों में अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते आ रहे हैं। हालांकि ट्रम्प की तीन 'टिकड़में' जो अब भारी पड़ सकती हैं. इसमें येरुशलम को इज़राइल की राजधानी घोषित करना अरब जगत की नाराज़गी को पक्का कर दिया, और फिलिस्तीन के पक्ष में हिंसा को उकसाया है। ईरान न्यूक्लियर डील से हटना, पूरे क्षेत्र में तनाव का स्तर कई गुना बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ लंच के बाद फिर से दावा किया कि 'मैंने ही भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई', लेकिन साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तानी आर्मी चीफ को जंग रुकवाने का श्रेय दिया। दोनों को ट्रम्प ने स्मार्ट लीडर कहा। ट्रम्प ने कहा, "मैंने जंग रुकवाई, मुझे पाकिस्तान से प्यार है, मोदी शानदार नेता हैं। मैंने कल रात उनसे फोन पर बात की थी। हम मोदी के भारत के साथ व्यापार समझौता करने जा रहे हैं। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच जंग मैंने रुकवाई। पाकिस्तान की तरफ से इस व्यक्ति (मुनीर) ने प्रभावशाली ढंग से जंग रुकवाने में काम किया, और भारत की तरफ से मोदी ने जंग रुकवाई। दोनों एटमी ताकतें हैं। मैंने जंग रुकवा दी। इनको (मुनीर को) यहां मैंने इसलिए बुलाया, क्योंकि मैं उन्हें जंग रोकने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने मोदी को भी धन्यवाद दिया है। हम भारत और पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि इन दोनों स्मार्ट नेताओं ने जंग आगे न बढ़ाने का फैसला किया, वरना परमाणु युद्ध हो सकता था। दोनों बड़ी परमाणु ताकतें हैं।" व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना कैली ने कहा कि आसिम मुनीर को ट्रम्प ने लंच का न्यौता इसलिए दिया क्योंकि मुनीर ने ट्रम्प को भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने के कारण नोबेल शांति पुरस्कार देने का सुझाव दिया है। इससे कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रेसीडेंट ट्रंप से साफ कह दिया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीजफायर पाकिस्तान के अनुरोध पर हुआ। सीजफायर का फैसला भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ की बातचीत के बाद हुआ, इसमें अमेरिका का कोई रोल नहीं था। मोदी ने ट्रंप से कहा कि इस दौरान अमेरिका से जो बात हुई, उसमें सीजफायर या ट्रेड डील जैसे मसलों का जिक्र नहीं हुआ। फोन पर ये बातचीत राष्ट्रपति ट्रंप की पहल पर हुई। मोदी और ट्रंप के बीच पैंतीस मिनट बात हुई। इस दौरान मोदी ने ट्रंप से दो-टूक तीन बातें कहीं। पहली, भारत पाकिस्तान के साथ अपने मसले खुद सुलझाने में सक्षम है। इसमें भारत ने पहले भी किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की, अब भी नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा। इसमें किसी तीसरे के पंच बनने की कोई गुंजाइश नहीं हैं। दूसरी बात, ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम के आतंकवादी हमले का जवाब था, ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। तीसरी बात, अब भारत किसी भी आतंकी हमले को एक्ट आफ वॉर मानेगा और इसका जवाब युद्ध स्तर पर ही दिया जाएगा। भारत ने ये बात ऑपरेशन सिंदूर के वक्त ही दुनिया को बता दी थी। इसलिए अब इस मुद्दे पर किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। ट्रंप ने मोदी की बात का समर्थन किया और आंतकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देने का वादा किया। इसके बाद ट्रम्प ने मोदी से कहा कि वो कनाडा से भारत लौटते समय वॉशिंगटन होते हुए जाएं। लेकिन मोदी ने पहले से तय प्रोग्राम का हवाला दिया और असमर्थता जाहिर की। पाकिस्तान के आर्मी चीफ के साथ लंच के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने बताया कि 'मोदी इज ए फैन्टास्टिक मैन' और चूंकि बात चल रही थी ईरान इस्राइल जंग की, तो चलते चलते ट्रंप ने ये डॉयलॉग दिया कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई क्योंकि ये दोनों एटमी ताकतें हैं। इसी तरह वो ईरान-इस्राइल जंग भी खत्म करवा सकते हैं।

यह युद्ध दुनियां को कहां ले जाएगा?

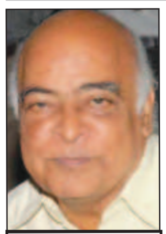

अशोक भाटिया

ईरान और इजरायल के बीच की जंग शुक्रवार, 20 जून को आठवें दिन में प्रवेश कर गई. दोनों तरफ से एक-दूसरे पर हवाई हमले बिना रुके जारी हैं. इजरायल की मिसाइलें जहां ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों और इंडस्ट्रियल एरिया को बिना रुके निशाना बना रही हैं वहीं ईरान की मिसाइलों की जद में इजरायल का हॉस्पिटल भी आया है जहां बड़ा नुकसान हुआ है. इन सबके बीच दोनों तरफ से हमला रिहायशी इलाकों में भी हो रहा है जहां आम लोगों को जंग की कीमत चुकानी पड़ रही है. बड़ी बात यह है कि अभी सीजफायर का नामो-निशान नजर नहीं आ रहा है. ईरान-इजरायल संघर्ष में एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अमेरिका जंग में कूदने जा रहा है. व्हाइट हाउस का कहना है, ₹नेगोशिएशन की संभावना₹ के कारण, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले दो सप्ताह के भीतर फैसला करेंगे कि अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में शामिल होगा या नहीं. वहीं तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और जंग को समाप्त करने पर बातचीत के लिए ईरान के विदेश मंत्री आज जिनेवा में फ्रांस, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करने वाले हैं. गौरतलब है कि 10 जून को, सीबीएस न्यूज ने अमेरिकी अधिकारियों को सूत्रों के हवाले से कहा कि इजरायल ईरान में सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा था। संयुक्त राज्य अमेरिका को डर था कि अगर इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो ईरान पड़ोसी इराक में कुछ अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है। 12 जून की रात से, इज़राइल ने पहले मिसाइलें लॉन्च कीं, इसके बाद विमान और ड्रोन द्वारा हमले किए गए। वायु रक्षा प्रणाली और परमाणु कार्यक्रम को जबरदस्त नुकसान हुआ। ईरानी सेना के प्रमुख, चीफ हुसैन सलामी और मेजर जनरल बाघेरी के साथ कई कमांडर और छह वैज्ञानिक भी मारे गए। जवाब में, ईरान ने भी मिसाइलों के साथ इजरायल पर हमला किया। उन्होंने तेल अवीव सहित इजरायल के अन्य प्रमुख शहरों को नुकसान पहुंचाया। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों ने 2002 में ईरान के गुप्त परमाणु कार्यक्रम का खुलासा किया। वे ऐसा करने की धमकी दे रहे थे। यहां तक कि जब ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे, तब भी ईरान ने इस घटना में इजरायल के शामिल पाए जाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। तब भी, दुनिया को संदेह था कि ईरान परमाणु सक्षम था। दिसंबर 2024 में ईरान के पूर्व विदेश मंत्री कमाल खराजी ने इजरायल को सीधे परमाणु हमले की धमकी दी थी। ऐसा ही हुआ और दुनिया भर में हंगामा मच गया। उस समय ईरान की विदेश नीति समिति के एक पूर्व सदस्य ने दावा किया कि ईरान के पास पहले से ही परमाणु हथियार हैं और अभी तक उनका परीक्षण नहीं किया है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मीडिया को बताया कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के बहुत करीब है, इसलिए देश पर कड़े प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। इस तरह का बयान देते हुए उन्होंने ईरान के तेल निर्यात को निशाना बनाने का आदेश दिया। इसके जवाब में इस्रायल की ढाल बन चुके अमरिका को युद्ध की आग में जलाने की धमकी भी ईरान ने दी थी। इस खतरे के मद्देनजर अमेरिका ने अरब सागर में अपनी तैनाती बढ़ा दी थी। इजरायल की सुरक्षा संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चिंता का कारण नहीं है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका भी ईरान की परमाणु क्षमताओं पर संदेह करता है, इसलिए यह कहने के लिए जगह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल की आड़ में ईरान पर हमला किया। इजरायल को परमाणु बम बनाने और छिपाने के ईरान के प्रयासों पर संदेह है। ईरान दुश्मन राष्ट्र पर परमाणु हमला करने में कभी नहीं हिचकिचाएगा यदि उसके अस्तित्व पर सवाल उठाया गया है। कोई देश गारंटी नहीं दे सकता। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम ईरान से डरते हैं। संदेह है कि ईरान ने पाकिस्तान से परमाणु हथियार बनाने की तकनीक हासिल की होगी। इस बात पर भी संदेह है कि पाकिस्तान के पास अपने देश में परमाणु हथियार कितने सुरक्षित हैं। यही हाल ईरान का भी है। अगर ये परमाणु हथियार सीरिया, यमन, फिलिस्तीन और लेबनान में इजरायल विरोधी हमास और हिजबुल्लाह के हाथों में पड़ गए तो पूरी दुनिया हैरान रह जाएगी। इसी डर के जवाब में इस्फ़हान न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी सेंटर के पास इसराइल ने हमला किया. इनमें एक परमाणु अनुसंधान रिएक्टर, एक यूरेनियम रूपांतरण संयंत्र और एक ईंधन उत्पादन संयंत्र शामिल हैं, लेकिन इजरायल ने उस समय ईरान की परमाणु सुविधाओं को सीधे निशाना नहीं बनाया था, हालांकि इजरायल ने कहा कि हमले ईरानी नेतृत्व के लिए अपनी परमाणु नीति पर पुनर्विचार करने के लिए खतरा थे। पिछले कुछ दिनों में, इजरायल और ईरान के बीच तनाव अपने पारंपरिक प्रॉक्सी प्रकृति से दूर चले गए हैं और एक-दूसरे के क्षेत्रों पर सीधे हमलों के रूप में खुद को प्रकट किया है, जिससे ईरान की परमाणु समस्या के समय पर और गैर-सैन्य समाधान की आवश्यकता बढ़ गई है, इसलिए ट्रम्प ने ईरान पर वाणिज्यिक प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया जब उन्होंने दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभाला, लेकिन आज तक के अपने इतिहास को देखते हुए, इजरायल को इस बात पर संदेह था कि ईरान अपनी खुफिया एजेंसी, मोसाद के माध्यम से इसे कितनी गंभीरता से लेगा। यह कहना सुरक्षित है कि ईरान ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में वर्गीकृत जानकारी प्राप्त करने और कथित खतरे को महसूस करने के बाद कार्रवाई की। पिछले कुछ वर्षों में, ईरान ने हमास और हिजबुल्लाह जैसे इजरायल विरोधी आतंकवादी संगठनों के समर्थन में हथियारों की खरीद पर बहुत पैसा खर्च किया है, जिससे उन्हें इजरायल से लड़ने में मदद मिली, जो इन आतंकवादी समूहों का समर्थन करने के लिए सैन्य ठिकानों, हथियार डिपो और मिसाइल कारखानों का संचालन करता है। इजरायल के अनुसार, ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित करने की कगार पर है और इसकी यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों की सीमा अज्ञात है। ऐसी स्थिति में, यदि ईरान परमाणु हथियार का उत्पादन करता है, तो उसके आतंकवादी संगठनों के हाथों में पड़ने की संभावना है। किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादियों द्वारा इस तरह के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

सदियों पुराना है भारत में योग का इतिहास

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। ॉ

हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं।

माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। बहरहाल, योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है।

भारतवर्ष में 'वर्ष' का मतलब

विजय गर्ग

इंडिया का असली नाम भारतवर्ष है। प्राचीन काल में इसे इसी नाम से जानते थे। सिकंदर जब यहां आया तो उसने हमारे देश को इंडिका कहा। अंग्रेजों ने इसे इंडिया कहा। फारस की ओर से आने वालों ने इसे हिन्दुस्तान कहा। मुगलों ने भी इसे हिंदुस्तान का नाम दिया। हम सभी अपने देश को भारत के नाम से बुलाते हैं।

अक्सर इसे भारतवर्ष भी कहा जाता है। स्वतंत्रता के बाद, 1950 में भारत के संविधान में देश का आधिकारिक नाम भारत और इडिया दोनों को मान्यता दी गई। संविधान के अनुच्छेद 1 में कहा गया है: "भारत, अर्थात इंडिया, राज्यों का एक संघ होगा।

लेकिन देश का असल नाम भारतवर्ष ही है और इसमें वर्ष का क्या मतलब है। भारतवर्ष ना केवल हमारे देश की भौगोलिक सरहदों के बारे में बताता है बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत को भी समेटे हुए है। यह नाम भारतीय सभ्यता की गहरी जड़ों और इसके गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। भारतवर्ष" शब्द दो भागों से मिलकर बना है: भारत और वर्ष । भारत शब्द का संबंध प्राचीन भारतीय ग्रंथों और पौराणिक कथाओं से है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, "भारत" नाम का संबंध चक्रवर्ती सम्राट भरत से है, जो हस्तिनापुर के राजा दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र थे। जैन परंपरा में भारत नाम का संबंध प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ के पुत्र भरत से है। आदिपुराण जैसे जैन ग्रंथों में इसका जिक्र है। संस्कृत में "वर्ष" शब्द का अर्थ है " भाग" या "विभाग"। प्राचीन भारतीय भूगोल में, पृथ्वी को कई वर्षों" या क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें से एक जंबूद्वीप का हिस्सा था। जंबूद्वीप को नौ वर्षों में बांटा गया था, और इनमें एक वर्ष यानि एक भाग को भारतवर्ष कहा गया। "वर्ष का अर्थ भौगोलिक क्षेत्र या खंड से है। प्राचीन ग्रंथों जैसे पुराणों में भारतवर्ष को जंबूद्वीप के दक्षिणी भाग के रूप में बताया गया है। ग्रंथ भारतवर्ष के बारे में क्या कहते हैं।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में भारतवर्ष का उल्लेख एक पवित्र और समृद्ध क्षेत्र के रूप में किया गया है। विष्णु पुराण में भारतवर्ष को कर्मभूमि कहा गया है, जहां व्यक्ति अपने कर्मों के आधार पर मुक्ति प्राप्त कर सकता है। यह क्षेत्र न केवल भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि यह सभ्यता, धर्म, दर्शन और संस्कृति का केंद्र भी था। महाभारत में भारतवर्ष का उल्लेख एक विशाल और एकीकृत क्षेत्र के रूप में किया गया है, जिसमें हिमालय से लेकर दक्षिणी समुद्र तक का क्षेत्र शामिल था। पुराणों में भारतवर्ष को जंबूद्वीप के नौ खंडों में एक के रूप में बताया गया है। इसमें गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियां और हिमालय, विंध्य जैसे पर्वत शामिल हैं। मनुस्मृति में भारतवर्ष को आर्यावर्त के रूप में भी बताया गया है। क्या थीं भारतवर्ष की भौगोलिक सीमाएं प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, भारतवर्ष की सीमाएं हिमालय से लेकर दक्षिणी सागर तक और पूर्व में बंगाल की खाड़ी से लेकर पश्चिम में अरब सागर तक थीं। समय के साथ "भारतवर्ष" का नाम संक्षिप्त होकर केवल भारत रह गया। भारत का इतिहास विभिन्न राजवंशों, साम्राज्यों और विदेशी शासनों से भरा पड़ा है। मौर्य, गुप्त, मध्यकालीन राजपूत, मुगल और ब्रिटिश शासन के दौरान इस क्षेत्र को विभिन्न नामों से जाना गया। ब्रिटिश काल में अंग्रेजों ने इस क्षेत्र को (इंडिया) के नाम से संबोधित किया, जो ग्रीक और लैटिन शब्द (सिंधु नदी) से लिया गया था।

योग मन की शांति एवं स्वस्थ जीवन की कुंजी

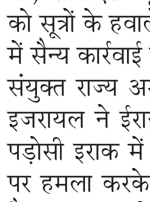

अम्बिका कुशवाहा

योग एक साधना है, साधना का तात्पर्य है 'ध्यान' एवं 'निष्ठा'। ध्यान से तात्पर्य है मन की एकाग्रता और पूर्ण जागरूकता, जहाँ मन एक बिंदु पर स्थिर होकर विकर्षणों से मुक्त रहता है। निष्ठा का अर्थ है पूर्ण समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य के प्रति सच्चाई। योग के माध्यम से ध्यान और निष्ठा का अभ्यास करने से मानसिक शांति, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक विकास के साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। योग साधना प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। मनुष्यों की निरोगता के लिए प्राचीन ग्रंथ 'योग सूत्र' की रचना महर्षि पतंजलि ने की थी। आयुर्वेद के महान आचार्य चरक की प्रमुख कृति चरक संहिता है, जो प्राचीन भारतीय आयुर्वेद का एक मूलभूत ग्रंथ है। यह ग्रंथ चिकित्सा विज्ञान, स्वास्थ्य, रोग निदान, उपचार, और जीवनशैली से संबंधित विस्तृत ज्ञान प्रदान करता है। स्वस्थ रहना मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, और हमारे शरीर में वह शक्ति विद्यमान है, जो हमे स्वस्थ रखने सक्षम बनाती है। योग के माध्यम से मानसिक शांति और शारीरिक संतुलन की प्राप्ति मन एवं तन को प्रसन्न एवं स्वस्थ बनाए रखती है। मनुष्य अपने नियमित जीवनशैली में 'योग साधना' को अपनाकर अस्पताल एवं जटिल औषधी जैसी आवयश्कता से दूर रह सकता है। वर्तमान में मानसिक तनाव एक गंभीर समस्या बन गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग 450 मिलियन लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हैं, और भारत में यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में लगभग 20% आबादी (यानी करीब 25-30 करोड़ लोग) किसी न किसी रूप में मानसिक तनाव, चिंता, या अवसाद से ग्रस्त है। भागदौड़ वाली जीवनशैली और अस्वस्थ कैमिकल युक्त आहार के कारण लोग मानसिक एवं शारीरिक रूप से बीमार हो रहे है। शरीर और मन का स्वस्थ रहना शरीर के अंदर के अंगों का नियमित स्वस्थ रूप में सक्रिय रहने पर आधारित है।

जब शरीर के अंग सक्रिय होते है, तब प्रतिरोधक शक्ति अच्छी होती है और कोई भी औषधि काम करती है। मानसिक रूप से शक्तिशाली बनाए रखने एवं शारीरिक अंगों की सक्रियता बनाए रखने के लिए योगासन एक महत्वपूर्ण अभ्यास है। आजकल लोग शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जिम ज्वाइन करना पसंद करते हैं, क्योंकि यह तेजी से मांसपेशियों का निर्माण, वजन कम करने और फिटनेस बढ़ाने में मदद करता है। हालांकि, व्यस्त जीवनशैली और आर्थिक सीमाओं के कारण हर कोई जिम के लिए समय या धन नहीं निकाल पाता। इस संदर्भ में योग और आसन एक बेहतर विकल्प हैं। प्राचीन भारतीय सभ्यता का हिस्सा, योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करता है। चरक संहिता में भी योग और संतुलित जीवनशैली को स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया गया है। दिल्ली एम्स के एक अध्ययन के अनुसार, योग करने वालों में सत्त्वगुण (शांति, संतुलन) की वृद्धि होती है, जबकि जिम करने वालों में रजोगुण (उत्तेजना) और तमोगुण (निष्क्रियता) अधिक देखे गए।

डॉक्टर की मौत, रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर

> प्रिंसिपल-वार्डन के इस्तीफे की मांग पर अड़े > मरीज बोले-2 घंटे लाइन में लगे > नंबर नहीं आया

उदयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के रवीन्द्रनाथ टैगोर (आरएनटी) मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में करंट से हुई डॉक्टर की मौत के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। इस हादसे के बाद एमबी हॉस्पिटल से जुड़े सभी 600 रेजिडेंट डॉक्टर्स गुरुवार से हड़ताल पर उतर आए है। इन डॉक्टर्स का विरोध शुक्रवार को भी जारी रहा और हड़ताल पर रहे। गुरुवार शाम को ही रेजिडेंट यूनियन ने इसकी घोषणा कर दी थी कि उनकी मांगे जब तक पूरी नहीं हो जाती वे काम पर नहीं लौटेंगे।

हड़ताल के चलते एमबी हॉस्पिटल में मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। ओपीडी में आए मरीजों का कहना है कि 2 से 3 घंटे में नंबर आ रहा है। इससे पहले करीब घंटों तक लाइन में इंतजार करना पड़ रहा है। इधर, जोधपुर में सात दिन पहले 13 जून को डॉ. राकेश विश्नोई (30) के सुसाइड का मामला भी बढ़ता जा रहा है। जोधपुर मथुरादास माथुर हॉस्पिटल के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने शुक्रवार को इमरजेंसी छोड़ सभी सेवाओं का बहिष्कार शुरू कर दिया है। यहां 550 रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर उतर आए है। इनके समर्थन में कोटा मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट भी उतर आए है और काली पट्टी बांध विरोध किया।

पहले जाने क्या था उदयपुर में डॉक्टर रवि शर्मा की मौत का मामला

जानकारी के अनुसार हादसा बुधवार रात 2 बजे उदयपुर के रवीन्द्रनाथ टैगोर (आरएनटी) मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल का है। मकराना (नागौर) के रहने वाले डॉ. रवि का चचेरा भाई प्रशांत भी रेजिडेंट डॉक्टर है। प्रशांत की बुधवार को नाइट ड्यूटी थी। रात करीब दो बजे डॉ. रवि हॉस्टल के कॉरिडोर में रखे वाटर कूलर से पानी भर रहे थे। इसी दौरान वे करंट की चपेट में आ गए। शॉक लगते ही वे जोर चिल्लाए और बेहोश हो गए। पास के कमरों में रहने वाले दूसरे रेजिडेंट्स ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। इसके बाद उन्हें एमबी हॉस्पिटल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के परिजनों के उदयपुर पहुंचने के बाद पोस्टमॉर्टम करवाया गया। इसके बाद शव परिजन को सुपुर्द कर दिया।

डॉक्टर की मौत के बाद काम छोड़कर आए ताला लगाया

इधर, जैसे ही डॉक्टर के मौत की सूचना मिली गुरुवार सुबह एमबी हॉस्पिटल से जुड़े करीब 600 से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर उतर आए। समझाइश के लिए मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. विपिन माथुर ने भी बातचीत का प्रयास किया लेकिन डॉक्टर्स माने नहीं। डॉक्टर का कहना था कि वाटर कूलर में करंट को लेकर पहले भी लिखित में शिकायत दे चुके थे। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद रेजिडेंट डॉक्टर्स ने हड़ताल की घोषणा करते हुए प्रिंसिपल के ऑफिस पर ताला लगा दिया था।

मरीज बोले-2 घंटे लाइन में लगे, काफी इंतजार के बाद आ रहा है नंबर

एमबी हॉस्पिटल में रेजिडेंट्स डॉक्टर के हड़ताल पर चले जाने के बाद व्यवस्थाएं भी एक बार बिगड़ गई है। ओपीडी में आए मरीजों का 2 से 3 घंटे बाद नंबर आ रहा है। पेशेंट दक्ष मूलचंदानी ने बताया कि उन्हें कोविड है। एक्स-रे और बाकी रिपोर्ट करवाई थी। इन रिपोर्ट को दिखाने के लिए डॉक्टर के पास आया था। करीब 2 घंटे हो चुके है और अब तक नंबर नहीं आया है। काफी धीरे-धीरे मरीजों को देखा जा रहा है। वहीं रेणु जोशी ने बताया कि वह 5 दिन पहले एमबी हॉस्पिटल में एडमिट थी। शुक्रवार को दोबारा डॉक्टर को दिखाना था। 11 बजे से लाइन में लगी लेकिन 2 घंटे होने के बाद भी नंबर नहीं आया। उन्होंने बताया कि लाइन इतनी लंबी है कि अभी 1 घंटा और लगेगा। विनिता मखीजा ने बताया कि वह अपने पिता अशोक मखीजा को दिखाने आई थी। सुबह 11 बजे से लाइन में लगे है लेकिन 1 बजे तक उनका नंबर नहीं आया और अब वे परेशान हो रहे है।

लाइक्स और रेटिंग के बदले तगड़ी कमाई का झांसा

साइबर ठगों ने बुना ऑनलाइन फ्रॉड का नया जाल

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर एक नया साइबर फ्रॉड तेजी से फैलता जा रहा है। सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप्स के जरिए लोगों को लाइक्स और रेटिंग के बदले मोटी कमाई का लालच दिया जा रहा है लेकिन इसके पीछे एक सुनियोजित साइबर ठगी का गिरोह सक्रिय है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी करते हुए आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है।

साइबर क्राइम एसपी शांतनु कुमार के मुताबिक ठग सबसे पहले सोशल मीडिया, टेलीग्राम या वॉट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर लोगों से संपर्क करते हैं। उन्हें बताया जाता है कि कुछ वेबसाइट्स या पोस्ट्स पर लाइक या रेटिंग देने पर अच्छी-खासी आमदनी हो सकती है। शुरुआत में उन्हें छोटे-छोटे टास्क दिए जाते हैं और उनके बदले तुरंत कुछ पैसे ट्रांसफर कर दिए जाते हैं, ताकि व्यक्ति को विश्वास हो जाए कि यह एक असली काम है। इसके बाद पीड़ित को सोशल मीडिया ग्रुप्स में जोड़ा जाता है, जहां गिरोह के अन्य सदस्य लगातार मोटी कमाई के स्क्रीनशॉट साझा करते रहते हैं। ये स्क्रीनशॉट पूरी तरह फर्जी होते हैं, लेकिन इनका मकसद केवल एक लालच बढ़ाना और भरोसा कायम करना होता है। एक बार जब पीड़ित टास्क पूरे कर लेता है और पेमेंट मांगता है, तो अपराधी बहाने बनाने लगते हैं। कभी कमीशन के नाम पर तो कभी टैक्स या सिस्टम अनलॉक चार्ज के बहाने बड़ी रकम मांगी जाती है। पीड़ित को यकीन दिलाया जाता है कि उसके खाते में बड़ी रकम जमा हो चुकी है, जिसे निकालने के लिए यह राशि देनी होगी लेकिन पैसे भेजने के बाद भी उन्हें कभी कोई भुगतान नहीं किया जाता। इस प्रक्रिया के दौरान साइबर ठग पीड़ित से उसकी यूपीआई आईडी, मोबाइल नंबर और कभी-कभी बैंक डिटेल्स भी हासिल कर लेते हैं। कई मामलों में ठग इन जानकारियों का दुरुपयोग कर आगे और वित्तीय नुकसान पहुंचाते हैं। न सिर्फ मेहनत की कमाई जाती है, बल्कि गोपनीय डेटा भी जोखिम में पड़ जाता है।

राजस्थान पुलिस की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'लाइक' या 'रेटिंग' करने के बदले वैध रूप से पैसे नहीं मिलते।

अपहरण और नृशंस हत्या का खुलासा

पुलिस ने नागौर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, अन्य की तलाश जारी

अजमेर, 20 जून (एजेंसियां)। शहर की सिविल लाइन्स थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपहरण के बाद नृशंस हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक वन्दिता राणा ने बताया कि यह कार्रवाई 14 जून को प्राप्त एक गंभीर रिपोर्ट के आधार पर की गई।

प्रकरण के अनुसार 14 जून को नागौर जिले के रातंगा निवासी रामदेव पुत्र हीराराम ने अजमेर के सिविल लाइन्स थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसमें कहा गया था कि उनका 28 वर्षीय बेटा सहदेव परीक्षा देने के लिए 12 जून को अजमेर आया था और 13 जून को केन्द्रीय बस स्टैंड से वापस लौटते समय लापता हो गया। आखिरी बार उसे बस स्टैंड पर उसके साढू महिपाल और उसकी पत्नी ललिता के साथ देखा गया था। रामदेव को शक था कि सहदेव के काका ससुर रामकिशोर, ससुर बस्तीराम और अन्य लोग मिलकर उसके बेटे को अगवा कर ले गए। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रकरण संख्या 199/2025 को भारतीय न्याय संहिता बीएनएस 2023 की धाराओं 140(3), 127(2), 103(1), 189(2), 3(5), 61(2) के तहत दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।

इसके लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ एवं वृत्ताधिकारी रूद्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस निरीक्षक शम्भूसिंह सहित आठ पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। प्रारंभिक जांच में आरोपी की बोलेरो कैम्पर का सुराग मिला, जिसे अजमेर से नागौर जाते हुए सीसीटीवी फुटेज में देखा गया। पुलिस ने जायल थाना क्षेत्र में उक्त वाहन को पकड़कर पूछताछ की और स्थानीय लोगों की सहायता से अपहृत सहदेव की लाश बरामद की। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौंपा गया।

ठगी और ट्रिपल मर्डर केस में तांत्रिक समेत आठ गिरफ्तार

अन्य राज्यों से तार जुड़े होने की आशंका

बीकानेर, 20 जून (एजेंसियां)। जिले के खाजूवाला क्षेत्र में तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी और ट्रिपल मर्डर के मामले में एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। बीकानेर पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने प्रेसवार्ता कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और बताया कि इस हाई-प्रोफाइल मामले में तेलंगाना निवासी मुख्य आरोपी बी. शिवा उर्फ तांत्रिक बाबा सहित अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस के अनुसार गिरोह ने पहले 50 हजार से 1 लाख तक की राशि को तांत्रिक क्रिया के जरिए डबल करके दिखाया और पीड़ितों का विश्वास जीत लिया। इसके बाद उन्हें बड़े निवेश के लिए उकसाया गया और इसी क्रम में कुल 50 लाख रुपयों की ठगी की गई।

राजस्थान वन विभाग में 100 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी जांच के घेरे में

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को स्पष्ट करते हुए वन विभाग में बड़ा डंडा चलाया है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत सामने आई जानकारी ने वन विभाग में मच रहे हड़कंप का खुलासा किया है, जहाँ पहली बार इतनी बड़ी संख्या में वन विभाग के ही अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार की जांच के घेरे में आ गए हैं। कुल 56 मामलों में 100 से ज्यादा अधिकारी- कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही है, जो विभाग में व्याप्त गंदगी को साफ करने की सरकार की आक्रामक मंशा को दर्शाता है।

जयपुर स्थित मुख्य वन संरक्षक कार्यालय से प्राप्त आरटीआई की सूचना साफ चीख-चीख कर कह रही है कि अब पुरानी व्यवस्था नहीं चलेगी। यह संख्या दिखाती है कि विभाग केवल छोटे-मोटे मामलों पर नहीं, बल्कि संगठित और गहरे बैठे भ्रष्टाचार पर प्रहार कर रहा है। यह महज खानापूर्ति नहीं, बल्कि विभाग के भीतर से ही भ्रष्टाचार की जड़ें खोदने की गंभीर कोशिश है। आरटीआई में यह भी सामने आया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 4 जून, 2025 को एक क्षेत्रीय वन अधिकारी को गिरफ्तार किया था। वन विभाग ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि एसीबी को सीधे रिश्वत मांगने या परिवाद के रूप में शिकायतें मिलती हैं – लेकिन यह गिरफ्तारी खुद बता रही है कि वन विभाग में भ्रष्टाचार किस हद तक फैला हुआ है। सबसे चौंकाने वाला मामला पूर्वी राजस्थान के एक वन मंडल से जुड़ा है, जहाँ उप वन संरक्षक की रेंज राजगढ़ में 11 कार्यस्थलों से संबंधित अग्रिम मृदा (मिट्टी) कार्य और 7 ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों के मूल्यांकन प्रतिवेदनों में गंभीर कमियां पाई गई हैं। यह सिर्फ कागजी अनियमितताएं नहीं, बल्कि जनता के पैसे की खुली लूट और पर्यावरण के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती हैं। इस मामले में समिति के पदाधिकारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई विचाराधीन है – जिसका मतलब है कि और भी बड़े नाम जल्द ही सामने आ सकते हैं। भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ चल रही जांच से निश्चित तौर पर विभाग

आरटीआई ने खोले राज!

आरपीएससी के पूर्व सदस्य कटारा के खिलाफ चलेगा ट्रायल

एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में अभियोजन स्वीकृति की प्रति पेश की

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में गुरुवार को एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की प्रति पेश की।

कटारा को एसओजी ने 18 अप्रैल 2024 को गिरफ्तार किया था। कटारा पर आरोप है कि वह आयोग से पेपर अपने घर ले गया था। वहां उसने अपने भांजे विजय डामोर की मदद से पेपर को रजिस्टर में उतारा। बाद में पेपर 60 लाख में सरगना अनिल मीणा को बेच दिया। मीणा ने 80 लाख में पेपर भूपेन्द्र सारण को बेच दिया। एसओजी ने कटारा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। बाद में ईडी की ओर से प्रकरण दर्ज करने पर मामले को सुनवाई के लिए ईडी कोर्ट भेजा गया। लेकिन अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने के कारण मामले में कटारा के खिलाफ ट्रायल नहीं चल पा रहा था। लेकिन सरकार ने कुछ दिन पहले ही कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने की अनुमति दी थी।

चलती बस में पेपर हल करवा रहे थे

पेपरलीक के सरगना चलती बस में अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले पेपर हल करवा रहे थे। लेकिन उदयपुर जिले के बेकरिया थाना पुलिस ने 24 दिसम्बर 2022 को इस बस को पकड़ा था। बस में द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के 49 अभ्यर्थी परीक्षा से पहले पेपर हल कर रहे थे। इसके बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। एसओजी के अनुसार कटारा को इस परीक्षा के पेपर और उत्तर कुंजी तैयार करने का दायित्व मिला था। लेकिन उसने पेपरलीक कर दिया। कटारा के घर से 51.20 लाख रुपए नकद व 541 ग्राम सोने के 9 आभूषण बरामद हुए थे।

30 जून को होगी मामले की सुनवाई

एसओजी की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर आरोपी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने वाले कार्मिक विभाग के अधिकारी को भी अभियोजन पक्ष का गवाह बनाने की अनुमति मांगी हैं। अदालत मामले में तीस जून को सुनवाई करेगी।

सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

भरतपुर, 20 जून (एजेंसियां)। जिले के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल महिला की मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल में हंगामा हो गया। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि महिला तीन दिन से अस्पताल में भर्ती थी। जब भी चिकित्सकों से उसकी तबीयत के बारे में पूछा जाता तो हर बार यही जवाब मिलता कि मरीज की हालत ठीक है। शुक्रवार को अचानक उन्हें बताया गया कि महिला की मौत हो गई है। परिजनों ने आरोप लगाया कि यदि डॉक्टरों ने समय पर सही जानकारी दी होती तो वे महिला को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर ले जा सकते थे।

छात्राओं की बढ़ती उपलब्धियों पर बोले राज्यपाल

भविष्य में ऑफिसों में महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी तो हमारा क्या होगा?

कोटा, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा के कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्राओं ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कुल 343 डिग्रीधारकों में से 140 छात्राएं रहीं और 14 स्वर्ण पदकों में से 9 पदक भी छात्राओं ने अपने नाम किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए चिंता जताई कि आने वाले समय में सरकारी कार्यालयों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक हो सकती है।

राज्यपाल की चिंता : महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं अब हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, 'एक समय था जब सरकारी कार्यालयों में महिलाओं की उपस्थिति बहुत कम थी। लेकिन आज लगभग हर कार्यालय में महिलाएं पुरुषों के बराबर नजर आती हैं।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस तेजी से बदलते परिदृश्य में पुरुषों को अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

एक किस्सा जो बना चर्चा का विषय

राज्यपाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, 'मैं एक स्कूल गया था जहां सभी कर्मचारी महिलाएं थीं, केवल एक पुरुष था जो सफाई का कार्य करता था। एक दिन स्कूल में सांप आ गया और सभी महिलाएं चिल्लाने लगीं- 'पुरुष को बुलाओ, पुरुष को बुलाओ।' मजेदार बात यह थी कि वह पुरुष कर्मचारी भी चिल्ला रहा था- 'पुरुष को बुलाओ, पुरुष को बुलाओ।' मैं बस यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसी स्थिति दोबारा न आए।'

छात्राओं की सफलता ने बढ़ाया मान

राज्यपाल ने कहा कि आज ऑफिसों में महिलाएं और पुरुष बराबरी में हैं, लेकिन जिस गति से छात्राएं आगे बढ़ रही हैं, उससे लग रहा है कि निकट भविष्य में सभी कार्यालयों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक हो सकती है। उन्होंने इसे सामाजिक परिवर्तन का संकेत बताते हुए कहा कि यह सराहनीय है, लेकिन इसके साथ संतुलन बनाना भी जरूरी होगा।

सम्मानित हुईं होनहार छात्राएं

अमीर लोगों से दोस्ती करके होटलों में रातें बिताती

> **जयपुर पुलिस के हत्थे चढ़ी 2 महिलाएं पहले हमबिस्तर होतीं फिर देती धमकी**

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। लोगों को ब्लैकमेल करने वाली महिलाएं आए दिन पकड़ में आती है। पहले अपनी मर्जी से दोस्ती की जाती है। फिर होटलों में जाकर शारीरिक संबंध बनाए जाते हैं। इसके बाद ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू होता है।

कुछ महीने पहले कार वालों से लिफ्ट लेकर ब्लैकमेल करने वाली शातिर महिला गिरफ्तार हुई थी। अब दो और महिलाएं पकड़ में आई हैं जो लोगों को दुष्कर्म का केस दर्ज कराने की धमकी देकर ब्लैकमेल करती थी। चित्रकूट थाना पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं की उम्र 47-47 वर्ष है। एक जयपुर की रहने वाली है और दूसरी अजमेर की। चित्रकूट थाना प्रभारी अंतिम शर्मा ने बताया कि 13 जून को परिवादी की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। परिवादी का कहना था कि उसके दो दोस्त 21 मई को जयपुर आए थे। दो महिलाएं उनके साथ आमेर स्थित एक होटल में गई थी। चारों रातभर होटल में ठहरे। उनके बीच जो भी हुआ, सब आपसी रजामंदी से हुआ। अगले दिन दोनों महिलाओं ने दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने की धमकी दी। रुपए नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी दी। दोनों पीड़ित काफी डरे हुए थे। ऐसे में उनका दोस्त थाने पहुंचा और पूरे मामले की रिपोर्ट दी।

ट्रेवल्स बस से सोने की ज्वेलरी और हीरों की लूट का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 20 जून (एजेंसियां)। जिले के पालड़ी एम थाना क्षेत्र के एक होटल पर खड़ी ट्रेवल्स बस में सोने की ज्वेलरी और हीरों की लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना अधिकारी फगलूराम ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही लूटी गई ज्वेलरी और हीरों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। सिरोही जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभुदयाल धानिया और शिवगंज वृत्ताधिकारी पुष्पेन्द्र वर्मा के निर्देशन में पालड़ी एम थाना पुलिस ने यह सफलता हासिल की। पुलिस ने मामले में जैसलमेर के रामदेवरा थाना क्षेत्र के लोहारखी निवासी मेहुल भाटी पुत्र ओमप्रकाश नाई को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि वारदात में प्रयुक्त हथियार, वाहन और लूटा गया सामान बरामद किया जा सके।

पॉपुलर होने के लिए किडनैप प्रैंक रील बनाई

पुलिस ने पकड़ा तो बोला-मेरी स्कॉर्पियो गाड़ी, चाहे जैसी रील बनाऊं

सीकर, 20 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने के लिए किडनैप प्रैंक रील अपलोड करके लोगों में डर फैलाने के मामले में सीकर की दादिया थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में स्कॉर्पियो गाड़ी भी एमवी एक्ट में जब्त की है। दादिया थानाधिकारी अशोक कुमार झाझड़िया ने बताया कि 19 जून को सीकर एसपी ऑफिस से एक वीडियो मिला, यह वीडियो सीकर में पिपराली चौराहे के पास का था। जिसमें एक स्कॉर्पियो गाड़ी में दो से तीन लड़के आते हैं और जबरदस्ती सड़क के नजदीक खड़े एक लड़के को अपने साथ गाड़ी में डालकर ले जाते हैं। यह देखकर वहां खड़े लोग भी अचंभित हो जाते हैं।

स्कॉर्पियो के नंबर के जरिए आरोपी पकड़ा गया

जब वीडियो में दिखाई दे रही गाड़ी के नंबरों के जरिए उसके मालिक का पता किया गया तो सामने आया कि गाड़ी कुड़ली गांव के प्रताप की है, जिसे उसका बेटा राहुल चला रहा था। जब पुलिस ने मामले में राहुल को पूछताछ के लिए बुलाया तो वह स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर पुलिस थाने पर पहुंचा।

आंध्र प्रदेश में विलय किए गए तेलंगाना के पांच गांवों को फिर से बहाल किया जाना चाहिए : कविता

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता ने मांग की कि पोलावरम परियोजना के बैकवाटर के कारण आंध्र प्रदेश में विलय किए गए पांच गांवों को तेलंगाना को वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 25 जून को होने वाली अंतर-राज्यीय बैठक में इस मामले को संबोधित करने का आग्रह किया, जहां तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों के "प्रगति एजेंडा" पर चर्चा करने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर दबाव डालें और चेतावनी दी कि यदि आवश्यक हुआ तो कानूनी सहारा लिया जाएगा। पोलावरम जलमग्नता मुद्दे पर तेलंगाना जागृति द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, एमएलसी कविता ने पुरुषोत्तमपट्टनम, गुंडाला, एट्टापका, कन्नयागुडेम और पिचुकलापका गांवों के ग्रामीणों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की, जिन्हें पोलावरम परियोजना के हिस्से के रूप में आंध्र प्रदेश में मिला दिया गया था।

उन्होंने कहा कि इन गांवों के निवासी गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और आरोप लगाया कि दोनों राज्यों ने उनकी स्थिति के प्रति लापरवाही दिखाई है।

एमएलसी कविता ने इस बात पर जोर दिया कि अगर तटबंधों की ऊंचाई बढ़ाई जाती है, तभी इन गांवों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है अन्यथा, एक भी भारी बाढ़ उनके पूर्ण जलमग्न होने का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि पोलावरम परियोजना ने भद्राचलम क्षेत्र के लिए एक स्थायी जलमग्नता का खतरा पैदा कर दिया है, विशेष रूप से स्पिलवे क्षमता में 50 लाख क्यूसेक की वृद्धि के कारण, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण बैकवाटर मुद्दे हैं जो प्रसिद्ध भद्राचलम मंदिर को खतरे में डाल सकते हैं।

उन्होंने पुरुषोत्तमपट्टनम में भगवान राम के मंदिर की हज़ारों एकड़ भूमि के बारे में भी चिंता जताई, जो अब आंध्र प्रदेश का हिस्सा है, जबकि भगवान राम तेलंगाना में रहते हैं। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, भगवान की भूमि की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, और इस पर अतिक्रमण किया जा रहा है। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार से मंदिर की भूमि की रक्षा करने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों सरकारें मिलकर पोलावरम डूब मुद्दे पर व्यापक सर्वेक्षण करें। पिछले घटनाक्रमों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि तेलंगाना जागृति ने पोलावरम परियोजना को रोकने के प्रयास में संयुक्त आंध्र प्रदेश के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली कैबिनेट बैठक के दौरान तेलंगाना के सात मंडलों को आंध्र प्रदेश में विलय करने के लिए अध्यादेश जारी करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और इसे असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण बताया।

एमएलसी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर सात मंडलों को अपने में मिलाने के लिए पिछले दरवाजे की राजनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और इस मुद्दे को उठाए जाने पर संसद में चुप रहने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा, जबकि बीआरएस सांसदों ने संसद में कड़ा विरोध जताया, कांग्रेस सदस्यों ने अन्याय को नजरअंदाज करना चुना।

श्रीनिवास गौड़ ने सिंचाई की उपेक्षा के लिए की कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने बाढ़ के पानी का उपयोग करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की, खास तौर पर सूखाग्रस्त महबूबनगर और नलगोंडा जिलों में। उन्होंने सरकार पर जल प्रबंधन में आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि यद्यपि अलमट्टी और तुंगभद्रा से पानी जुराला तक पहुंच रहा है, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे मोड़ने या संग्रहीत करने का कोई प्रयास नहीं किया है। उन्होंने कहा, पानी नाली में बह रहा है, जबकि नेट्टेमपाडु और भीमा परियोजनाएं चरमरा गई हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले पर एक भी समीक्षा बैठक नहीं की गई है।

उन्होंने बताया कि संगम बांदा जैसे जलाशयों की मरम्मत नहीं की गई है और उनका उपयोग नहीं किया गया है, जबकि पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत नहरें अभी भी अधूरी हैं।

डीजीपी ने टीजीपीए में ब्रास बैंड और बिगुल प्रशिक्षण के समापन समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ब्रास बैंड और बिगुल प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आज आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी में भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। 4 महीने तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बैंड कर्मियों के बीच संगीत कौशल, समन्वय और अनुशासन को बढ़ाना था।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र, आईपीएस थे, जिन्होंने प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी ने औपचारिक कर्तव्यों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में पुलिस बैंड के महत्व पर जोर दिया, और कहा कि पुलिस ब्रास बैंड पुलिस बल के अनुशासन, परंपरा और गौरव का प्रतिनिधित्व करता है।

डीजीपी ने पाठ्यक्रम के दौरान सभी 53 प्रतिभागियों को उनके समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई भी दी। पाठ्यक्रम में विभिन्न पुलिस इकाइयों के कुल 53 कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागी राज्य भर की विभिन्न इकाइयों से आए थे। सभी प्रतिभागियों को विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों को संभालने का कठोर प्रशिक्षण दिया गया था।

कुल 18 सप्ताह तक चलने वाले पाठ्यक्रम में संगीत संकेतन और वाद्य प्रशिक्षण में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों ज्ञान शामिल थे। पाठ्यक्रम में शामिल वाद्ययंत्रों में सैक्सोफोन, शहनाई, ड्रम, बिगुल, तुरही, फ्रेंच हॉर्न, यूफोनियम और ट्रॉम्बोन शामिल थे।

प्रशिक्षित ब्रास बैंड टीम द्वारा लाइव प्रदर्शन ने कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बना। इस अवसर पर अकादमी के उपनिदेशक, सहायक निदेशक, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षण कर्मचारी तथा प्रशिक्षुओं के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को प्रमाण-पत्र, नकद पुरस्कार तथा स्मृति चिन्ह वितरित किए गए।

डीसीपी सेंट्रल जोन द्वारा गांधीनगर पीएस सीमा में सामुदायिक संपर्क

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी, सेंट्रल जोन की देखरेख में पीएस गांधी नगर के अधिकार क्षेत्र में एक सामुदायिक संपर्क आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय से जुड़ना, उनकी चिंताओं को समझना, सामाजिक मुद्दों की पहचान करना और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करना था। इस पहल का उद्देश्य नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों, शराब के सार्वजनिक सेवन और अन्य गैरकानूनी व्यवहारों पर अंकुश लगाना भी था। इस अभियान में सीसी नगर, बंसीलालपेट सहित प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। लगभग 200 पुलिसकर्मियों वाली एक पुलिस टीम द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान कुल 250 घरों की जाँच की गई। इस अभियान में बेल्ट की दुकान से बीयर की 32 बोतलें, 150 गुटखा पैकेट, 80 दोपहिया, एक तिपहिया और एक चार पहिया वाहन जब्त किए गए, जिनमें से किसी पर वैध दस्तावेज नहीं थे, नंबर प्लेट नहीं थी या वे लावारिस अवस्था में पाए गए थे। तीन उपद्रवी और आठ संदिग्धों की जांच की गई। बी. आनंद, एडिशनल डीसीपी, सेंट्रल जोन, ए. यादगिरी, असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर, गांधी नगर डिवीजन, एन. बोस किरण, एसएचओ गांधी नगर और डीआई, गांधी नगर थाने के एसआई और अन्य पुलिस स्टेशनों से आए कर्मचारी सामुदायिक जुड़ाव का हिस्सा थे, उन्होंने निवासियों से बातचीत की और स्थानीय नागरिक मुद्दों पर फीडबैक एकत्र किया। इन मुद्दों को आधिकारिक पत्राचार के माध्यम से संबंधित सरकारी विभागों के ध्यान में औपचारिक रूप से लाया जाएगा। सेंट्रल जोन पुलिस ऑपरेशन के दौरान सहयोग के लिए स्थानीय निवासियों को धन्यवाद देती है और उनकी सक्रिय भागीदारी की सराहना करती है।

पारिवारिक विवाद के चलते महिला और उसकी बेटी ने कर ली आत्महत्या

निर्मल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यहां बबगलपेट में पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला और उसकी बेटी ने सिंचाई टैंक में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि शहर के बंगालपेट के विनायकसागर चेरुवु में सुंकरी लक्ष्मीबाई (80) और उनकी बेटी गौरम्मा (50) ने यह कदम उठाया।

कुछ राहगीरों ने शवों को देखा और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शवों को बाहर निकाला। मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

सिद्दीपेट पुलिस स्टेशन के पास चेन स्नैचिंग में महिला घायल

सिद्दीपेट, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अकबरपेट-भुम्पल्ली मंडल मुख्यालय में शुक्रवार सुबह दो मोटरसाइकिल सवारों ने एक महिला का मंगलसूत्र छीन लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर हुई। पीड़िता रंगय्यागरी अन्नपूर्णा (52) सुबह की सैर पर निकली थीं, तभी हेलमेट पहने बदमाशों ने उनके पास आकर जबरन उनका मंगलसूत्र छीन लिया, जिससे वह गिर गईं। अन्नपूर्णा के गले और माथे पर गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए स्वच्छता बनाए रखें : आयुक्त आर.वी. कर्णन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शहरवासियों से डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए स्वच्छता बनाए रखने का आग्रह किया है। शुक्रवार को आयुक्त ने मुशीराबाद सर्किल गांधी नगर, अरुंधति कॉलोनी, कवडीगुडा स्कूल और इंदिरा पार्क का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कॉलोनीवासियों को मच्छरों की रोकथाम के लिए कदम उठाने और डेंगू और मलेरिया से बचने के लिए अपने आस-पास की सफाई रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि घर के अंदर और आसपास के इलाकों को साफ रखना चाहिए। उन्होंने खास तौर पर बच्चों को मच्छरों से बचने के लिए निवारक उपाय करने की सलाह दी। उन्होंने कवडीगुडा स्कूल में छात्रों से बात की। आयुक्त ने छात्रों को डेंगू और मलेरिया से बचने के लिए निवारक उपाय बताए।

बाद में आयुक्त ने इंदिरा पार्क का दौरा किया। उन्होंने वहां पैदल चलने वालों से बात की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। यूबीडी अधिकारियों को पैदल चलने वालों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आयुक्त ने आगंतुकों की सुविधाओं के लिए कुछ सुझाव दिए। खुले मैदान में गुलमोहर का पेड़ हटाया जाए। ग्रीन वेस्ट को रोजाना हटाया जाए, पार्क के सभी फव्वारे चलाए जाएं। कुत्तों को पार्क में न आने दिया जाए। लोहे के कबाड़ को तुरंत हटाया जाए, बटरफ्लाई पार्क को विकसित कर आम जनता के लिए तैयार किया जाए।

मिधानि ने सामरिक सामग्रियों के स्वदेशीकरण पर ग्राहक सम्मेलन आयोजित किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिधानि ने हैदराबाद में ग्राहक सम्मेलन 2025 आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था रणनीतिक सामग्रियों के स्वदेशीकरण: डिजाइन, सामग्री, उत्पाद, गुणवत्ता- सहित लचीलापन।

इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के रक्षा, एयरोस्पेस और सामरिक क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों को नए अवसरों पर विचार-विमर्श करने, ग्राहक जुड़ाव को मजबूत करने और महत्वपूर्ण सामग्रियों में आत्मनिर्भरता के लिए सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यू. राजा बाबू, महानिदेशक (मिसाइल और सामरिक प्रणाली), डीआरडीओ रहे। कमोडोर (सेवानिवृत्त) ए माधवराव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीडीएल, ईसीआईएल के सीएमडी अनुराग कुमार और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ डॉ.जे.आर. जोशी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। मिधानि के सीएमडी डॉ. एसवीएस नारायण मूर्ति ने उद्घाटन भाषण दिया और स्वदेशीकरण की दिशा में मिधानि की उपलब्धियों और रणनीतिक पहलों पर प्रकाश डाला।

इसके बाद सभी मुख्य अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और भारत के रक्षा व अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए विशेष सामग्रियों के विकास तथा आपूर्ति में मिधानि की अग्रणी भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मुख्य अतिथि द्वारा मिधानि की तकनीकी कैटलॉग का विमोचन रहा, जिसमें संगठन की तकनीकी क्षमताओं और भविष्य के रोडमैप को दर्शाया गया। तकनीकी सत्र में मिधानि, एचएएल, वीएसएससी और बीएआरसी के विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वदेशी उन्नति और सहयोगी केस स्टडीज को प्रदर्शित करते हुए व्यावहारिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रो.बी.एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद (मॉडरेटर), डॉ.के. बालासुब्रमण्यम, निदेशक, एनएफटीडीसी, डॉ.जे.आर. जोशी, सीईओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, पी.वी. राजा राम, निदेशक (उत्पादन), बीडीएल, डॉ. गोविंद, उप-निदेशक, वीएसएससी, वी.एन. अनिल कुमार, जीएम, एचएएल (एफएंडएफ), डॉ.के. गोपीनाथ, एसोसिएट निदेशक, डीएमआरएल के पैनल ने स्वदेशी विकास को बढ़ावा देने और रणनीतिक सामग्रियों तथा घटकों में आयात निर्भरता को कम करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

प्रकृति का वरदान है योग : मधु गुप्ता

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केनेडी विद्या भवन, ईस्ट मारडपल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विशेष योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया।

स्कूल की कार्यक्रम संयोजिका सीमा सोनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार "एक धरती, एक स्वास्थ्य" के लिये योग विषय को अपनाते हुए योगाभ्यास किया गया। प्राचार्या मधु गुप्ता ने योगाभ्यास सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि योग हर मनुष्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। योग संसार के हर प्राणी के लिए प्रकृति का वरदान है। जहां इसने एक ओर प्राणी को शारीरिक रूप से ताकतवर बनाया है, वहीं दूसरी ओर मानसिक रूप से भी उदात्त बनाया है। उन्होंने बताया कि योग के कारण भारत को वैश्विक पहचान मिली है। प्राचार्या ने सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से योगाभ्यास करने की सलाह दी।

2,000 छात्रों को सशक्त बनाने के लिए उद्यमिता कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइएंट लिमिटेड की सीएसआर शाखा साइएंट फाउंडेशन ने आईसीटी अकादमी के साथ साझेदारी कर एक व्यापक उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में इंजीनियरिंग, कला और विज्ञान संस्थानों के 2,000 छात्रों को सशक्त बनाना है। इस पहल का उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 शहरों के युवा मस्तिष्कों को जागरूकता, गहन प्रशिक्षण और मार्गदर्शन सहित तीन-चरणीय कार्यक्रम के माध्यम से उद्यमशीलता कौशल और उद्योग से परिचित कराना है।

12 महीनों के दौरान, कार्यक्रम का उद्देश्य 2,000 छात्रों के लिए जागरूकता सत्रों के माध्यम से उद्यमशीलता क्षमता का निर्माण करना है, इसके बाद 1,000 चयनित प्रतिभागियों के लिए व्यावहारिक उद्यमिता प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद शीर्ष 100 छात्रों को दो महीने की व्यक्तिगत सलाह और व्यावसायिक सुविधा मिलेगी, जिसमें धन उगाहने, अनुपालन, नेतृत्व और बाजार में जाने की रणनीतियों पर मार्गदर्शन शामिल है।

साइएंट की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी प्रमुख कृष्णा देवी ने कहा, इस साझेदारी के माध्यम से हमारा लक्ष्य जमीनी स्तर से आत्मविश्वासी, सक्षम और सामाजिक रूप से जागरूक उद्यमियों की एक पीढ़ी का पोषण करना है।

ज्वार के भुगतान में देरी के कारण उच्च ब्याज दर वाले ऋण पर निर्भर हैं किसान

आदिलाबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के किसान चालू वनकालम (खरीफ) कृषि सत्र के दौरान गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं, क्योंकि लगभग दो महीने पहले सरकार को बेची गई ज्वार का भुगतान अभी तक लंबित है। आदिलाबाद, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों को मिलाकर कुल आदिलाबाद जिले में 1.60 लाख एकड़ में ज्वार की खेती की गई। इसमें से अकेले आदिलाबाद में 1.10 लाख एकड़, निर्मल में 40,000 एकड़ और कुमराम भीम आसिफाबाद में 10,600 एकड़ में ज्वार की खेती की गई। सरकार ने इन जिलों के किसानों से 8 लाख क्विंटल ज्वार खरीदा। किसानों को अप्रैल से बेची गई फसल का भुगतान अभी तक नहीं मिला है, जिससे वे मौजूदा सीजन के लिए बीज, खाद, कीटनाशक खरीदने या खेतिहर मजदूरों को काम पर रखने में असमर्थ हैं।

महावीर बैंक द्वारा नागोल शाखा में इंटरनेशनल ईयर आफ को-आपरेटिव्ज का आयोजन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महावीर बैंक ने भव्य ढंग से इंटरनेशनल ईयर आफ को-आपरेटिव्ज 2025 मनाया। इस अवसर पर विशेष अतिथियों में असिस्टेंट रजिस्ट्रार्स एस. शिवकुमार एवं जी.श्रीनिवास भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में नागोल शाखा प्रबंधक शिव प्रसाद एवं बोडुप्पल शाखा प्रबंधक रामकृष्णा ने बेहतर दुनिया के निर्माण में को-आपरेटिव्ज बैंकों को अग्रणी बताया।

उन्होने कहा कि, सामाजिक, आर्थिक विकास एवं सामुदायिक कार्यक्रमों में को-आपरेटिव बैंकों की प्रतिबध्दता हमेशा रहेगी। इस दौरान महावीर बैंक ने घोषणा की कि, सभी सामाजिक क्षेत्रों में वित्तीय पहुंच व समाविष्टता रहेगी तथा जल्द ही अनबैंकिंग कम्युनिटीज में डिजीटल बैंकिंग सेवाएं विस्तारित की जायेगी। इस कार्यक्रम में बैंक के ग्राहकों सहित समुदायिक सदस्यों ने भी भाग लिया।

उद्घाटन के 5 महीने बाद भी बंद पड़ा है पद्मनगर में एकीकृत बाजार

करीमनगर, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर शहर के पद्मनगर इलाके में निर्मित एकीकृत बाजार इस वर्ष जनवरी के अंत में उद्घाटन के पांच महीने बाद भी चालू नहीं हो पाया है। विक्रेताओं को वेंडिंग प्लेटफॉर्म और शटर आवंटित किए जाने के बावजूद, व्यावसायिक गतिविधि अभी तक शुरू नहीं हुई है। कई विक्रेता कथित तौर पर अपने आवंटित स्थानों पर कब्जा करने से हिचकिचा रहे हैं, क्योंकि उन्हें ग्राहकों की भीड़ के बारे में चिंता है क्योंकि बाजार शहर के बाहरी इलाके में स्थित है।

हालांकि कई विक्रेताओं ने पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर ली है, लेकिन वेंडिंग प्लेटफॉर्म के लिए 1,000 रुपये प्रति माह और शटर के लिए 25,000 रुपये प्रति माह के किराये के कारण वे व्यवसाय संचालन शुरू करने से परहेज कर रहे हैं। बिना बिक्री की गारंटी के किराए का बोझ उठाने के डर ने उन्हें दुविधा में डाल दिया है। यह पहली बार नहीं है जब शहर के किसी एकीकृत बाजार में ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रैतु बाजार परिसर के भीतर शनिवरम बाजार में इसी तरह की एक परियोजना आंशिक रूप से आबाद है, जबकि सब्जी की दुकानें उपयोग में हैं, मांसाहारी स्टॉल काफी हद तक खाली रहते हैं।

करीमनगर स्मार्ट सिटी पहल के तहत 13 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पद्मनगर बाजार 2.08 एकड़ भूमि पर विकसित किया गया है। इसमें कुल 239 दुकानें हैं, जिनमें 179 सब्ज़ी बेचने वाले प्लेटफॉर्म, 32 मांस विक्रेताओं के लिए और 14-14 फल और फूल विक्रेताओं के लिए हैं। पद्मनगर के अलावा, शहर में विभिन्न स्थानों पर तीन और एकीकृत बाजार विकसित किए जा रहे हैं। कलेक्टर के कैंप कार्यालय के सामने स्थित एक बाजार भी स्मार्ट सिटी कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है, जबकि दो अन्य को मुख्यमंत्री आश्वासन योजना के फंड से क्रियान्वित किया जा रहा है- ये सभी पिछली बीआरएस सरकार के दौरान शुरू किए गए थे।

कलेक्टर के कैंप कार्यालय के सामने 14.05 करोड़ रुपये की लागत से 2.31 एकड़ जमीन पर बाजार बनाया जा रहा है और इसमें 347 दुकानें होंगी, 228 सब्जी, 63 मांस, 36 फल और 20 फूलों की दुकानें। किसान नगर कृषि बाजार में एक और एकीकृत बाजार की योजना बनाई गई है।

कालेश्वरम ने फिर जगाई किसान की उम्मीदें

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद में 45 वर्षीय नरसैय्या मदिकंती की यात्रा तेलंगाना के परिवर्तन को दर्शाती है, जो कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) द्वारा संचालित है। उनका परिवार कभी सूखाग्रस्त थिरुमालयपालम में सात एकड़ जमीन पर खेती करने के लिए संघर्ष करता था, और बहुत कम फसल पर गुजारा करता था। उन्होंने याद करते हुए कहा, हम मुश्किल से खाने के लिए पर्याप्त फसल उगा पाते थे। कई साल पहले, नरसैया ने बारिश पर निर्भर अपनी ज़मीन अपने भाइयों को दे दी थी और बेहतर आजीविका की तलाश में ऑटो चलाने लगे थे। बाद में, वे दोर्नाकल मंडल चले गए, ढाई एकड़ ज़मीन खरीदी और अपनी आय बढ़ाने के लिए खेती फिर से शुरू कर दी।

कालेश्वरम से एसआरएसपी चरण II में अतिरिक्त पानी आने से पूरे क्षेत्र में उम्मीदें जगी हैं। नरसैया के लिए यह बदलाव व्यक्तिगत था। सिंचाई की बेहतर व्यवस्था और रैतु बंधु के माध्यम से सरकारी सहायता से उन्होंने न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण किया, बल्कि अपने बेटे की राजस्थान विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई और अपनी बेटी की डिग्री के लिए भी पर्याप्त कमाई की, जिसे उसने इस साल पूरा किया।

एसआरएसपी स्टेज II आयाकट के हिस्से वाले उनके गांव में केएलआईपी का पानी पहुंचने और 10,000 रुपये प्रति एकड़ की रैतु बंधु सहायता ने उनकी किस्मत बदल दी।

जमीन की कीमत 3 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़कर 30 लाख रुपये हो गई। जहां पहले केवल एक ही बारिश आधारित फसल संभव थी, वहीं नरसैया अब अपने तीन एकड़ में साल में दो बार धान उगाते हैं। उन्होंने कहा कि कलेश्वरम से पहले, मेरे खेत पूरे साल सूखे रहते थे। पिछले तीन फसल सीजन अलग रहे हैं। अन्यथा, हालात बहुत खराब होते। उन्होंने क्षेत्र के हजारों किसानों की आशंकाओं को दोहराते हुए कहा कि अब फिर से पानी नहीं है। हम इस खरीफ को लेकर अनिश्चित हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक तेलंगाना के खेत हरे-भरे हो जाएंगे- जो एक दशक पहले के धूल भरे मैदानों से बिलकुल अलग है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दो दिग्गजों को 'एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी' से सम्मानित होते देखना शानदार : जय शाह

लीड्स, 20 जून (एजेंसियां)। आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के अध्यक्ष जय शाह ने भारत और इंग्लैंड के महान खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन को 'एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी' से सम्मानित किए जाने पर खुशी व्यक्त की है। दोनों देशों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज इसी ट्रॉफी को हासिल करने के लिए खेली जाएगी। शुक्रवार से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज भारत और इंग्लैंड के लिए अगले 'आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27' चक्र की शुरुआत भी करेगी।

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, नए डब्ल्यूटीसी चक्र के शुरू होने के साथ ही इंग्लैंड और भारत के बीच पुरुषों की टेस्ट सीरीज के लिए 'एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी' से दो दिग्गजों को सम्मानित होते देखना शानदार है। पटौदी परिवार की निरंतर मान्यता भी उतनी ही खास है, जिसमें प्रत्येक इंग्लैंड-भारत टेस्ट सीरीज के विजेता कप्तान को दिए जाने वाले पटौदी पदक की शुरुआत की गई है।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने नई ट्रॉफी का अनावरण किया, जिसमें तेंदुलकर और एंडरसन दोनों की इमेज है। साथ ही दोनों दिग्गजों के हस्ताक्षर भी उकेरे गए हैं।

पटौदी परिवार के नाम पर पिछली 'पटौदी ट्रॉफी' का नाम रखा गया था। अब इसको पटौदी पदक की शुरुआत के साथ सम्मानित किया जाने की परंपरा जारी रहेगी। यह नया सम्मान सीरीज के विजेता कप्तान को दिया जाएगा।

भारत के महान बल्लेबाज तेंदुलकर 200 टेस्ट मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2013 में इस प्रारूप में सबसे अधिक रन बनाकर अपने लाल गेंद के करियर का समापन किया था। उनका यह रिकॉर्ड उनके पास अभी भी 15,921 रन के साथ है। इसमें 51 शतक भी शामिल हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ कुछ यादगार प्रदर्शन किए हैं, जिसमें 51.73 की औसत से 2,535 रन बनाए हैं। हेडिंग्ले में उनका उच्चतम स्कोर 193 रन रहा, जो शुक्रवार से दोनों टीमों के बीच शुरू होने वाले पहले टेस्ट का स्थल है।

वहीं, 188 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने वाले एंडरसन ने पिछले साल अपने करियर को समाप्त करने से पहले लंबे प्रारूप में 704 विकेट लिए थे, जो प्रारूप में तीसरा सबसे अधिक है।

तेज गेंदबाज ने भारत के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 39 टेस्ट में 25.47 की औसत से अविश्वसनीय 149 विकेट हासिल किए। इसमें छह बार पांच विकेट लेने का प्रदर्शन भी शामिल है।

फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज में विश्व नंबर एक को हराने के लिए दिव्या ने बनाई थी खास रणनीति

अब किया खुलासा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि उन्हें फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ी और उनकी इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी प्रशंसा की। दिव्या देशमुख ने 10 से 16 जून को लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराया।

दिव्या ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे पूरी ताकत लगानी होगी। अगर विश्व चैंपियन के खिलाफ खेलने का विचार मेरे दिमाग में आता तो मैं भयभीत हो जाती। इसलिए मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किसके खिलाफ खेल रही हूं, मैंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और मुझे केवल इतना पता था कि मुझे बाजी जीतनी है।' नागपुर की 19 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शब्द बहुत उत्साह बढ़ाने वाले और प्रेरित करने वाले थे तथा वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तत्पर रहेगी। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के ब्लिट्ज सेमीफाइनल के दूसरे चरण में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई।' उन्होंने लिखा, 'उनकी सफलता उनके सयंम और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। यह कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' बड़ी जीत दर्ज करने वाली दिव्या से जब प्रधानमंत्री द्वारा की गई प्रशंसा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरे लिए जो लिखा, उससे मुझे बहुत प्रोत्साहन और प्रेरणा मिली। वह कई मौकों पर खिलाड़ियों को प्रेरित करते रहे हैं। मैं उन्हें गौरवान्वित करने और भविष्य में भारत के लिए कई और पदक जीतने की कोशिश करूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं ध्यान केंद्रित कर रही हूं और मेरी तैयारी अच्छी चल रही है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी और भविष्य के टूर्नामेंटों में पदक जीतने की कोशिश करूंगी।'

महिला खिलाड़ियों के बारे में ये कैसी सोच?

यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप का वीडियो वायरल

वाशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां)। हाल ही में, इटली के फुटबॉल क्लब जुवेंटस के खिलाड़ियों ने व्हाइट हाउस का दौरा किया। वहां अमेरिका के प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रांसजेंडर एथलीटों के बारे में एक सवाल पूछकर सबको चौंका दिया। यह घटना तब हुई जब जुवेंटस टीम क्लब वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए अमेरिका आई थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने पूछा अजीब सवाल

ट्रंप ने जुवेंटस को 'एक महान टीम' कहने के बाद अचानक पूछा, 'क्या कोई महिला आपकी टीम में खेल सकती है, दोस्तों?' इस सवाल से खिलाड़ी असहज हो गए। जुवेंटस के खिलाड़ियों ने घबराहट में हल्की मुस्कान दी, लेकिन वे चुप रहे। वीडियो में खिलाड़ी एक-दूसरे को हैरानी से देख रहे थे। फिफा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो भी वहां मौजूद थे। ट्रंप ने फिर से वही सवाल पूछा। तब जुवेंटस के जनरल मैनेजर डेमियन कोमोली ने जवाब दिया, 'हमारी एक बहुत अच्छी महिला टीम है।' वह जुवेंटस वीमेन टीम की बात कर रहे थे, जो सीरी ए की मौजूदा चैंपियन है। ट्रंप ने तुरंत जवाब दिया, 'लेकिन उन्हें महिलाओं के साथ ही खेलना चाहिए।' कोमोली के पास इसका कोई जवाब नहीं था। यूएस प्रेसिडेंट ने फिर कहा, 'देखिए, ये कितने डिप्लोमेटिक हैं।' इसके बाद टीम ने ट्रंप को जुवेंटस की एक जर्सी भेंट की और मीटिंग खत्म हो गई। यह घटना ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के बाद हुई है, जिसमें ट्रांसजेंडर एथलीटों को महिलाओं के खेलों में भाग लेने से रोक दिया गया है। इस आदेश की मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आलोचना की है। उनका कहना है कि यह भेदभावपूर्ण है।

भारत के लिए दोबारा टेस्ट क्रिकेट खेलने की भूख ने मुझे आगे बढ़ाया : करुण नायर

लीड्स, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करने को बेताब हैं। आठ साल के अंतराल के बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करते हुए, नायर ने खुलासा किया कि देश के लिए फिर से खेलने के उनके दृढ़ निश्चय ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बीसीसीआई की ओर से शेयर किए गए वीडियो में नायर ने कहा, ₹जब मैं उठा तो मेरा पहला विचार यह था कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट से लाबुशेन-स्मिथ बाहर, कोंस्टस-इंग्लिस को मौका

स्पोर्ट्स डेस्क, 20 जून (एजेंसियां)। बारबाडोस में 25 जून से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में दो बड़े बदलाव किए हैं। मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किया गया है, जबकि स्टीव स्मिथ चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह सैम कोंस्टस और जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का फैसला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद लिया है।

लाबुशेन डब्ल्यूटीसी फाइनल में दोनों पारियों में 39 रन ही बना पाए थे

लाबुशेन को डब्ल्यूटीसी फाइनल में ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन वह 17 और 22 रन ही बना सके। पिछले दो सालों से उनका फॉर्म खराब चल रहा है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा,'मार्नस अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में टीम के लिए अहम हो सकते हैं। हम उनके साथ उनकी कमजोरियों को सुधारने पर काम करेंगे। हमें उनकी क्षमता पर भरोसा है और उम्मीद है कि वह इस चुनौती का सकारात्मक जवाब देंगे।' कोंस्टस को तीसरा टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा, जिन्होंने भारत के खिलाफ मेलबर्न में डेब्यू पर 65 गेंदों में 60 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लिस ने इस साल गाले में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में शतक जड़ा था।

स्मिथ डब्ल्यूटीसी फाइनल में चोटिल हो गए थे

स्मिथ को लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे दिन टेम्बा बवुमा का कैच पकड़ने का प्रयास करने के दौरान दाहिने हाथ की छोटी उंगली में चोट लगी थी। सर्जरी से बचने के लिए उन्हें आठ सप्ताह तक स्प्लिंट पहनना होगा। हालांकि, उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज सीरीज के बाद के मैचों में वापसी कर सकते हैं। बेली ने कहा,'स्टीव को घाव ठीक होने के लिए और समय चाहिए। हम एक हफ्ते बाद उनकी स्थिति की समीक्षा करेंगे।' बेली ने कोंस्टसऔर इंग्लिस को मौका देने पर उत्साह जताया। उन्होंने कहा, 'जोश ने श्रीलंका में अपने डेब्यू टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था।

वह विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।' प्लेइंग इलेवन और बल्लेबाजी क्रम की घोषणा टेस्ट के करीब होगी, लेकिन कोंस्टस के उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने की संभावना है। पिच की स्थिति के आधार पर ऑस्ट्रेलिया दो स्पिनरों - नाथन लियोन और मैट कुहनमैन - को उतार सकता है।

पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को मिली बड़ी जिम्मेदारी

> ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया

मेलबर्न, 20 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 4 जुलाई से डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज से होगी। डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के कोचिंग समूह में टिम पेन के साथ राष्ट्रीय तेज गेंदबाजी कोच एडम ग्रिफिथ, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के सहायक कोच स्कॉट प्रेस्टिज, और नॉर्दर्न टेरिटरी क्रिकेट के पाथवे और डेवलपमेंट कोच ट्रेंट कीप शामिल होंगे।

राष्ट्रीय टीमों के सीए कार्यकारी महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने टिम पेन के ऑस्ट्रेलिया ए के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टिम पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और अब इस भूमिका में भविष्य के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को निखारने के लिए अपने पैशन और आधुनिक कोचिंग अनुभव का उपयोग करेंगे। टिम का समृद्ध खेल और कोचिंग अनुभव उभरते खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण होगा। पेन ने 2009 और 2021 के बीच राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। वह ऑस्ट्रेलिया ए और एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए अपनी कोचिंग प्रतिबद्धताओं के अलावा आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को कोचिंग सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने पिछले दो वर्षों के दौरान ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम और ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष कार्यक्रम के साथ सहायक क्षमता में काम किया है और गत दिसंबर में भारत के खिलाफ पीएम इलेवन को कोचिंग दी थी।

इस बीच, गैर-अनुबंधित बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन जेह को भी डार्विन में श्रीलंका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की टीम में शामिल किया गया है। जेह ने पिछले सीजन में एसीटी के खिलाफ अपने पहले सेकंड इलेवन मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लिए थे। उसके बाद जंक्शन ओवल में हुए मैच में ग्लेन मैक्सवेल को बाउंड्री पर कैच आउट कराया था। उन्होंने साउथ ब्रिसबेन के लिए प्रीमियर क्रिकेट में 27 विकेट लिए हैं और 465 रन बनाए हैं।

हाले ओपन टूर्नामेंट में उलटफेर : वर्ल्ड नंबर-1 सिनर को 45वीं रैंक एलेक्जेंडर बब्लिक ने हराया

स्पोर्ट्स डेस्क, 20 जून (एजेंसियां)। कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बब्लिक ने हाले ग्रास टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को हरा दिया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी। समर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब सिनर को टॉप-20 से बाहर के किसी खिलाड़ी ने हराया है।

सिनर ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में बब्लिक को केवल छह गेम में हराया था, लेकिन इस बार बब्लिक ने शानदार प्रदर्शन किया। अब तक दोनों 6 बार एक-दूसरे का आमना-सामना कर चुके हैं। बब्लिक ने कहा, 'हम टेनिस खिलाड़ी हर मैच जीतने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जीत खास है। मैंने पहली बार नंबर एक खिलाड़ी को हराया।' बब्लिक अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से भिड़ेंगे, जिन्होंने हंगरी के फैबियन मारोजसान को 6-2, 6-3 से हराया। वर्ल्ड नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को तीन सेटों में 3-6, 6-4, 7-6 (7/2) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे सेट के टाईब्रेक में दबदबा बनाया।

भारत की बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल

सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीत रचा था इतिहास

आज का इतिहास

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। एक दौर था जब भारत में बैडमिंटन को पुरुषों का खेल माना जाता था। लेकिन, इस प्रभुत्व को साइना नेहवाल ने तोड़ा। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से न सिर्फ अपना मकाम बनाया बल्कि पूर्व के सारे भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सफलता और लोकप्रियता के मामले में देश के अन्य बैडमिंटन खिलाड़ियों से काफी आगे निकल गईं।

साइना नेहवाल ने अपने करियर में दर्जनों उपलब्धियां हासिल की हैं। 21 जून का दिन भी उनके लिए बेहद खास है। 2009 में इसी दिन उन्होंने इतिहास रचा था। 21 जून 2009 को साइना ने 'इंडोनेशियाई ओपन' जीतते हुए 'सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट' का खिताब जीता। वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय थीं। इस उपलब्धि ने भारतीय बैडमिंटन के इतिहास में साइना का नाम हमेशा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया। नेहवाल का जन्म 17 मार्च 1990 को हरियाणा के हिसार में हुआ था। बैडमिंटन में उनकी रुचि बचपन से थी। इसकी एक वजह यह भी हो सकती है कि उनके माता-पिता दोनों ही बैडमिंटन खिलाड़ी थे। सायना नेहवाल ने 2004 में पूर्व भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद की एकेडमी 2004 में ज्वाइन की। इसके बाद से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना और देश का नाम गर्व से ऊंचा किया।

इस खिलाड़ी की उपलब्धियों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। 2012 में लंदन में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने ब्रांज जीता। ओलंपिक में बैडमिंटन में ब्रांज जीतने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी थीं। 2015 जकार्ता विश्व चैंपियनशिप में सिल्वर और 2017 ग्लासगो विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने ब्रांज जीता। 2010 और 2018 कॉमनवेल्थ में एकल में गोल्ड मेडल साइना के नाम रहे। 2006 में 'एशियन सैटलाइट चैंपियनशिप', 2010 में 'सुपर सीरीज टूर्नामेंट', और 2012 में 'डेनमार्क खिताब' भी नेहवाल ने जीते हैं। साइना नेहवाल को भारत सरकार 2009 में अर्जुन पुरस्कार, 2010 में पद्मश्री, 2009-2010 के खेल रत्न पुरस्कार और 2016 में पद्मविभूषण से सम्मानित कर चुकी है।

मध्य प्रदेश महिला लीग राज्य के इतिहास के लिए स्वर्णिम क्षण - ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश महिला लीग 2025 के पहले संस्करण का उद्घाटन श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लीग को राज्य के लिए गौरव बताया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अब मध्य प्रदेश की बेटियां मैदान में अपना हुनर दिखाएंगी। ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में एमपी महिला क्रिकेट लीग 2025 का शुभारंभ मध्य प्रदेश के इतिहास का एक अनूठा और स्वर्णिम क्षण है।

उन्होंने कहा, यह टूर्नामेंट महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बनेगा और हमारी लड़कियों को आगे बढ़ने और चमकने का एक मंच प्रदान करेगा। निजी तौर पर, मुझे यह देखकर बहुत खुशी और गर्व होता है कि हमारे राज्य की बेटियां आगे बढ़ रही हैं और अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के माध्यम से देश भर में अपना नाम बना रही हैं।

बुंदेलखंड बुल्स वीमिन और भोपाल वुल्व्स वीमिन के बीच खेले गए पहले मैच में बारिश के कारण खेल में बाधा आने से पहले रोमांचक शुरुआत हुई। बुंदेलखंड बुल्स ने अपनी पारी में 109/8 रन बनाए, जिसमें प्रियंका कौशल ने चार विकेट चटकाए। जवाब में भोपाल वॉल्व्स ने 25/1 रन बनाए। लेकिन, इसी स्कोर पर बारिश की वजह से खेल को रोकना पड़ा। इस मैच को दोबारा खेला जाएगा। तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। 20 जून को बुंदेलखंड बुल्स का मुकाबला चंबल घड़ियाल से होगा। इसके बाद 21 जून को चंबल घड़ियाल और भोपाल वुल्व्स के बीच मुकाबला होगा।

लीग का समापन 24 जून को फाइनल के साथ होगा। लीग में बुंदेलखंड बुल्स, भोपाल वुल्व्स और चंबल घड़ियाल के रूप में तीन टीमें शामिल हैं। लीग का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने और राज्य भर में खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में काम करना है।

पेत्रा क्वितोवा का बड़ा बयान, कहा- सितंबर में संन्यास लूंगी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनकी योजना कुछ महीनों के अंदर संन्यास लेने की है। चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी को 30 जून से शुरू होने वाले विंबलडन के लिए बुधवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया था। क्वितोवा ने कहा, 'मैं एक बार फिर विंबलडन चैंपियनशिप खेलने के लिए रोमांचित हूं जहां मेरे करियर की खुशगवार यादें हैं। मैं अपना करियर न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन (अगस्त-सितंबर) में खेलकर खत्म करने की इच्छा रखती हूं।'

मंत्री ने चिंतल बस्ती शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया

अनुपस्थित एएनएम के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं को पहली प्राथमिकता देगी ताकि गरीबों को शिक्षा और चिकित्सा सेवाएं मिलें, यह बातें राज्य परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कही।शुक्रवार को मंत्री ने चिंतल बस्ती शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और यूनानी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पब्लिक हेल्थ नर्स शकुंतला से स्टाफ उपस्थिति रजिस्टर, मेडिकल स्टोर में दवाइयों के स्टॉक, कैडर स्ट्रेंथ और डॉक्टरों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि अस्पताल में आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं ताकि बरसात के मौसम के शुरू होने के कारण मौसमी बीमारियां न फैलें।

उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाली एएनएम के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने फील्ड स्तर पर एएनएम को निर्देश दिए कि वे जिस घर में हैं और जिस गली में चिकित्सा सेवाएं दे रही हैं, उस घर के मालिक को बुलाकर बात करें। उन्होंने तुरंत जवाब दिया और मंत्री ने घर के मालिक से बात की। मंत्री ने उनसे इस बात की और पूछा कि क्या चिकित्सा सेवाएं ठीक से दी जा रही हैं, दवाएं दी जा रही हैं और क्या एएनएम अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन कर रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कोई समस्या है, तो उसे स्थानीय अधिकारियों के ध्यान में लाया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को उपचार के बाद दवा उपलब्ध कराई जानी चाहिए और गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बुजुर्गों को उचित चिकित्सा देखभाल प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में एक चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी नियुक्त किया जाएगा। ओपी वार्ड में बाह्य रोगी रजिस्टर की जांच की गई तथा ओपी विवरण के बारे में पूछताछ की गई। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिले के क्षेत्रीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए तथा चिकित्सा अधिकारी और एएनएम को क्षेत्र का दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा बहुत पवित्र और प्रशंसनीय है तथा गरीबों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए। जिला कलेक्टर, जीएचएमसी आयुक्त और जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि वे हर सप्ताह जिले के स्कूलों, अस्पतालों और छात्रावासों का औचक निरीक्षण करेंगे तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गरीबों को मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और चिकित्सा प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में पीएचएन सुपरवाइजर शकुंतला, पार्षद विजया रेड्डी, डॉक्टर और अन्य लोग शामिल हुए।

कांस्टेबल की सड़क दुर्घटना में मौत

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्रि-भुवनगिरी जिले के यदागिरिगुट्टा यातायात पुलिस स्टेशन में कार्यरत एक यातायात पुलिस कांस्टेबल की शुक्रवार को शहर के बाहरी इलाके हयातनगर में उनकी मोटरसाइकिल के पीछे से एक ट्रक से टकरा जाने के कारण मौत हो गई। पुलिसकर्मी की पहचान मान सिंह के रूप में हुई है, जो अपनी मोटरसाइकिल पर हयातनगर से यादाद्री-भुवनगिरी की ओर जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार, जब मान सिंह हयातनगर पहुंचे तो उसी दिशा में जा रहे एक ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए।

पुलिस ने कहा कि ट्रक चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने के कारण ट्रक के पीछे बैठा पीड़ित यह नहीं देख पाया और ट्रक में पीछे से जा टकराया।

मान सिंह के सिर, छाती व शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आने से वह सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रास्ते से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने उसे घायल अवस्था में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़े। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। शिकायत के आधार पर हयातनगर पुलिस ने लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

50 लाख रुपये मूल्य का 166 किलोग्राम गांजा बरामद, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा विशेष अभियान दल ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और चार लोगों को गिरफ्तार किया तथा उनके पास से 50 लाख रुपये मूल्य का 166 किलोग्राम गांजा, एक कार और मोबाइल फोन जब्त किए, जिनकी कुल कीमत 65 लाख रुपये है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में विकास बबन साल्वे, रंगनाथ युराजन सादवे, सागर गजानन और अमोल नारायण बोर्डे शामिल हैं, जो सभी महाराष्ट्र से हैं। पुलिस के अनुसार, विकास बबन साल्वे जो ड्रग्स की तस्करी करके आसानी से पैसा कमाना चाहता था, उसने ओडिशा के मुख्य ड्रग स्रोत माइक उर्फ राहुल से संपर्क किया। राचकोंडा के पुलिस कमिश्नर जी सुधीर बाबू ने बताया, "विकास ने देखा कि महाराष्ट्र के कई निर्माण और दिहाड़ी मजदूर नशीली दवाओं का सेवन करते हैं, खास तौर पर विभिन्न रूपों में गांजे का। इससे उसे अपने दोस्तों के साथ गांजा बेचकर जल्दी पैसे कमाने की योजना बनाने की प्रेरणा मिली।"

गिरोह ओडिशा से गांजा खरीदता था और हैदराबाद में तस्करी करता था, जिसका उपयोग पारगमन मार्ग के रूप में किया जाता था और फिर इसे महाराष्ट्र ले जाया जाता था, जहां इसे ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। 19 जून को गिरोह ओडिशा के मलकानगिरी गया और राहुल से 166 किलोग्राम गांजा एकत्र किया और वे इसे कार में हैदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र ले जा रहे थे, जब वे हयातनगर में पकड़े गए। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने बताया कि 20 जून को एक गुप्त सूचना के आधार पर, एसओटी, एलबी नगर जोन के अधिकारियों ने हयात नगर पुलिस के साथ, हयात नगर के पास वाहन चेकिंग के दौरान चारों तस्करों विकास, सागर गजानन, रंगनाथ और अमोल नारायण को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से (166) किलोग्राम गांजा और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। मुख्य स्रोत माइक उर्फ राहुल उर्फ दास का पता लगाने और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं, जो फिलहाल फरार है। गिरफ्तार व्यक्तियों के पिछले आपराधिक इतिहास का भी सत्यापन किया जा रहा है। एसओटी एलबी नगर जोन और हयात नगर पुलिस की टीम के सक्रिय प्रयासों से इस मादक पदार्थ तस्करी अभियान को सफलतापूर्वक रोका जा सका। उन्होंने कहा कि हम ड्रग्स की आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर रहे हैं, ड्रग पेडलर्स और उपभोक्ताओं की पहचान कर रहे हैं और ड्रग्स खतरे को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसके अलावा समाज से इस खतरे को रोकने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की जाती है।

पुलिस ने कॉर्डन एंड सर्च कार्यक्रम चलाया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी की डीसीपी पद्मजा रेड्डी की देखरेख में शाम 6 बजे से 8.30 बजे तक राचकोंडा कमिश्नरेट के नेरेडमेट पीएस की सीमा में विनायक नगर कॉलोनी में एआर टीम, ट्रैफिक और डॉग स्क्वाड (लकी) सहित 140 पुलिसकर्मियों के साथ कॉर्डन एंड सर्च कार्यक्रम चलाया गया और लगभग 600 घरों की तलाशी ली गई और 41 बिना दस्तावेज वाले दो पहिया वाहन, 10 बिना नंबर प्लेट वाले दो पहिया वाहन, 20 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। लोगों ने इसकी बहुत सराहना की और विनायक नगर की अन्य गलियों में भी इस तरह की तलाशी के लिए अनुरोध किया और खुशी महसूस की। सीसीटीवी लगाने, ड्रग्स न लेने, साइबर अपराध और महिलाओं से संबंधित अपराधों के बारे में स्थानीय निवासियों के साथ जागरूकता पर चर्चा की गई। लोगों ने उनकी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के लिए राचकोंडा पुलिस के प्रयासों की सराहना की।

आईआरसीटीसी ने सिकंदराबाद से 'ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा' की घोषणा की

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) ने 19 जुलाई को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से 'दिव्य दक्षिण यात्रा ज्योतिर्लिंग के साथ' यात्रा शुरू करने की घोषणा की है। ट्रेन तिरुवन्नामलाई में अरुणाचलम मंदिर, रामेश्वरम में रामानाथस्वामी मंदिर, मदुरै में मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रॉक मेमोरियल, कन्याकुमारी में कुमारी अम्मन मंदिर, तिरुवनंतपुरम में श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, त्रिची में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर और तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर को कवर करेगी।

तेलंगाना में जनगांव, काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम और मधिरा तथा आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेनीगुंटा जैसे महत्वपूर्ण मार्गीय स्टेशनों पर चढ़ने और उतरने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आईआरसीटीसी अधिकारियों ने कहा कि यह यात्रा सात रातों और आठ दिनों की होगी और इसमें रेल और सड़क यात्रा, आवास, खानपान व्यवस्था, ट्रेन में सुरक्षा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए टूर मैनेजरों की उपस्थिति शामिल होगी।

पूर्व विधायक दिवाकर राव ने बीआरएस छात्र नेता पर की हमले की निंदा

मंचेरियल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक नादिपेल्ली दिवाकर राव ने कांग्रेस के संदिग्ध कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी के छात्र विंग के नेता दगुला मधु पर किए गए हमले की निंदा की। उन्होंने बीआरएस नेता नादिपेल्ली विजित राव के साथ शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे मधु से मुलाकात की। दिवाकर राव ने आरोप लगाया कि मंचेरियल विधायक के प्रेमसागर राव के प्रमुख सहयोगी और नासपुर नगरपालिका अध्यक्ष सुरीमिला वेणु, उनके गुर्गों और कुछ गुंडों ने मधु पर उनके गलत कामों को उजागर करने पर बाईपास रोड स्थित उनके घर पर हमला किया। उन्होंने कहा कि शांति के लिए जाने जाने वाले तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद प्रतिशोध की राजनीति आम बात हो गई है।

पूर्व विधायक ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र से अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए निवारक उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने मधु के परिवार के सदस्यों को हरसंभव सहायता देने का वादा किया। गुरुवार रात को मधु की गर्दन पर कुछ अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन पर चोट लग गई। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके घाव से खून बह रहा था।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का स्वर्ण पदक से सम्मान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि इस रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन को इस पर राजभाषा का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए रेलवे बोर्ड स्तर पर "कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक" प्राप्त हुआ है। अखिल रेल स्तर पर यह एकमात्र पुरस्कार होता है। "ग" क्षेत्र में स्थित इस रेलवे के महाप्रबंधक को अखिल रेल स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त होना स्वयं महाप्रबंधक तथा इस रेलवे के लिए गर्व की बात है। अखिल रेल स्तर पर इस रेलवे की स्थिति और उन्नत हो गई है। यह स्वर्ण पदक इस रेलवे के अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक है।

एलबी स्टेडियम में योग उल्टी गिनती कार्यक्रम शुरू हुआ

पूर्व उपराष्ट्रपति व राज्यपाल समेत कई हस्तियों भाग लिया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह से पहले आज एलबी स्टेडियम में योग उल्टी गिनती कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रमुख योग संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों ने समारोह में भाग लिया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री श्रीनिवास वर्मा, कई सांसद, विधायक, एमएलसी, प्रसिद्ध अभिनेत्री साई धर्म तेज, खुशबू और मीनाक्षी चौधरी ने अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने दुनिया को योग का अद्भुत उपहार दिया है।

दुनिया भर के 200 देश, उनके राष्ट्राध्यक्ष और उन देशों की सरकारें योग को मान्यता दे रही हैं और इसका अभ्यास कर रही हैं। यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। हम दुनिया को योग से परिचित कराने के लिए तेलंगाना की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देश के सभी हिस्सों में समारोह मनाए जाने चाहिए। आज हम एलबी स्टेडियम में योग का 24 घंटे का काउंटडाउन आयोजित कर रहे हैं। कल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशाखापट्टनम में पांच लाख लोगों के साथ योग में भाग लेना खुशी की बात है। योग हर किसी के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। अगर हम योग के जरिए मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तो हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हमारा परिवार, समाज और दुनिया अच्छी होगी। योग को लोगों का पहला डॉक्टर बताते हुए उन्होंने कहा कि योग सभी बीमारियों का इलाज है। उन्होंने कहा, अगर हम योग का अभ्यास करेंगे, तो हमें जीवन में बेहतर परिणाम मिलेंगे। मैं सभी से योग का अभ्यास करने का आग्रह करता हूं।

महिला बचावकर्मी ने गहरे कुएं में फंसे सियार को बचाया

संगारेड्डी, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की एक महिला पशु बचावकर्ता ने एक साहसी और दयालु कार्य करते हुए गुरुवार को 30 फुट गहरे कुएं में फंसे एक सियार को बचाने के लिए हैदराबाद से 280 किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर महाराष्ट्र के नांदेड़ के पास एक गांव तक पहुंची। जंगली जानवर तीन दिनों से कुएं में फंसा हुआ था, और स्थानीय किसान, आस-पास पशु बचाव दल को खोजने में असमर्थ थे, इसलिए उन्होंने ऑनलाइन उनका संपर्क नंबर जानने के बाद पाटनचेरु स्थित एनिमल वारियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) से संपर्क किया।

टीम ने तुरंत कार्रवाई की। संतोषी प्रदीप के नेतृत्व में टीम सुदूर गांव में पहुंची। संतोषी रस्सी के सहारे कुएं में उतरी और एक पिंजरा नीचे उतारा गया। एक घंटे की मशक्कत के बाद वह डरे हुए सियार को पिंजरे में ले जाने में कामयाब रही, जिसे बाद में सुरक्षित बाहर निकाला गया। जब सियार स्वस्थ पाया गया, तो टीम ने उसे उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ दिया। महिला के नेतृत्व में चलाए गए बचाव अभियान से प्रभावित ग्रामीणों ने संतोषी और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की और हैदराबाद लौट आए, जिससे एक और सफल बचाव अभियान का संकेत मिला।

विश्वविद्यालय ने बिना सूचना दिए साक्षात्कार किए रद्द

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) में सहायक वार्डन पद के लिए साक्षात्कार में शामिल होने आए कुछ उम्मीदवारों ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय ने बिना किसी पूर्व सूचना के साक्षात्कार रद्द कर दिए।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार को साक्षात्कार के लिए अधिसूचना मिली थी। लेकिन विश्वविद्यालय पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि साक्षात्कार रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने मांग की कि साक्षात्कार मूल अधिसूचना के अनुसार ही आयोजित किए जाएं। सूत्रों के अनुसार, साक्षात्कार स्थगित करने की अधिसूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लगभग तीन से चार दिन पहले पोस्ट की गई थी। सूत्रों ने कहा, उम्मीदवारों और विश्वविद्यालय के बीच संवादहीनता के कारण विरोध प्रदर्शन हुआ।

कुख्यात चोर गिरफ्तार, चोरी के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ओ.यू. पुलिस, हैदराबाद कमिश्नरेट ने घर में चोरी करने वाले एक कुख्यात चोर को गिरफ्तार किया है।

उसके कब्जे से करीब 2 लाख रुपये के चोरी के आभूषण बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी श्रीराम नरसिम्हा चारी उर्फ नयामी, वाजपेयी नगर, चिंतल, हैदराबाद का रहने वाला है। उसने 7वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी, उसके बाद पढ़ाई में रुचि न होने के कारण उसने पढ़ाई छोड़ दी और ड्राइवर/बढ़ई का काम करने लगा। शराब पीने जैसी बुरी आदतों का आदी हो गया, लेकिन काम से पर्याप्त पैसे नहीं मिल रहे थे। इसलिए उसने संपत्ति संबंधी अपराध करने की योजना बनाई। वह हैदराबाद-3, साइबराबाद-5, राचकोंडा-16 की सीमाओं में चोरी के 24 मामलों में शामिल रहा है।

पुलिस को एक शिकायत मिली, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि वह जेएसएन कॉलोनी, स्ट्रीट नंबर 8, हब्सीगुडा, हैदराबाद में रहता है। बीते 10 जून को अपने घर के नवीनीकरण का काम पूरा होने के बाद लगभग शाम को वह घर को बंद करके बीबी नगर में फार्म हाउस चला गया और अगले दिन यानी 11 जून को सुबह बजे जब वह अपने घर लौटा और देखा कि दरवाजे के पास का शीशा और ग्रिल खुला हुआ था तो उसे शक हुआ। उसने मुख्य दरवाजा खोला और बेडरूम में प्रवेश किया और देखा कि घर में रखी अलमारी से सोने चांदी के आभूषण गायब है। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आमतौर पर मुख्य दरवाजे के ताले और खिड़की की ग्रिल तोड़कर अपराध करता है और घर में प्रवेश करता है। डीसीपी उस्मानिया विश्वविद्यालय प्रभाग, हैदराबाद बी. बालास्वामी ने आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस टीम को पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कल आएंगे छत्तीसगढ़

नक्सल हिंसा में शहीद के परिजनों से करेंगे मुलाकात, नक्सल ऑपरेशन को लेकर बैठक भी लेंगे

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। देश के गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इसकी तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सीएम विष्णुदेव साय ने हाई लेवल मीटिंग ली। अमित शाह 22 जून को आएंगे। शाह नक्सल हिंसा में शहीद हुए पुलिसकर्मी, अधिकारियों के परिजनों से मुलाकात करेंगे।

गृह मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक, शाह एंटी नक्सल ऑपरेशन की प्रोग्रेस रिपोर्ट पर एक रिव्यू मीटिंग भी लेंगे। इसमें छत्तीसगढ़ पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ जैसी सेंट्रल पुलिस फोर्स के आला अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

सीएम साय ने शाह के दौरे को लेकर तैयारियों के निर्देश दिए हैं। अमित शाह रायपुर से बस्तर भी जा सकते हैं। प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम इस बैठक में मौजूद थे।

इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह तीन महीने पहले अप्रैल महीने में बस्तर के पंडुम समापन समारोह में शामिल होने छत्तीसगढ़ आए थे।

समारोह में शामिल होने के बाद शाह ने रायपुर लौटकर एंटी नक्सल ऑपरेशन पर हाईलेवल मीटिंग ली थी। इस बैठक में एंटी नक्सल ऑपरेशन से जुड़े पुलिस, सीआरपीएफ और बीएसएफ जैसे सेंट्रल फोर्स के कमांडर शामिल हुए थे।

31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने की बात अमित शाह ने रायपुर में बीते साल मीटिंग में कही थी। इस टारगेट को पूरा होने में करीब 1 साल से कम का समय बच हुआ है। साय सरकार बनने के बाद 350 से ज्यादा नक्सलियों का एनकाउंटर हुआ। इसलिए नक्सलवाद के खात्मे के लिए शाह का यह दौरा अहम माना जा रहा है।

इस दौरान बस्तर जिले को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। यहां किसी भी तरह की नक्सल गतिविधि न हो ये एसपी और पूरे जिले की टीम देख रही है। पड़ोस के जिलों के ऑपरेशन में टीम भेजकर वहां ऑपरेशन किए और कामयाबी भी मिली।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब तक 400 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 7 जून को दिल्ली दौरे पर पहुंचे सीएम साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर प्रदेश में चल रहे नक्सल ऑपरेशन की जानकारी दी थी।

सीएम ने बताया कि, कैसे प्रदेश में सेंट्रल फोर्स और स्टेट पुलिस मिलकर नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रही है। इस दौरान नक्सल प्रभावित जिलों में सरकार की योजनाएं सरेंडर पॉलिसी को लेकर भी अमित शाह और मुख्यमंत्री के बीच बातचीत हुई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि, राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। डेढ़ साल में चलाए गए अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो पिछले पांच साल की तुलना में अधिक है।

मुख्यमंत्री साय ने शाह को बताया कि, 205 मुठभेड़ में 427 माओवादी मारे गए। जिनमें नक्सल संगठन के महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं।

इसके साथ ही राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है। जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है।

शाह के दौरे से पहले एनकाउंटर में महिला नक्सली ढेर

जंगल से शव और हथियार बरामद, इलाके में 15-20 नक्सलियों की थी मौजूदगी

कांकेर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले जवानों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को मार गिराया है। जवानों ने मौके से महिला नक्सली का शव और राइफल समेत कई हथियार बरामद किया है। मामला छोटेबेटिया थाना क्षेत्र के आमाटोला इलाके का है।

मिली जानकारी के मुताबिक जवानों को सूचना मिली थी कि आमाटोला और कलपर इलाके में 15-20 नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इसी दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई।

पुलिस अधीक्षक आइके एलिसेला ने बताया कि इस इलाके में नक्सलियों का एक छोटा दल सक्रिय है, जो सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने, निर्माण कार्यों को रुकवाने और तेंदू पत्ता खरीदी को प्रभावित करने के उद्देश्य से पहुंचे थे। इनकी संख्या 15 से 20 के आसपास है।

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के बाद महिला नक्सली का शव बरामद हुआ है, जिसकी पहचान प्रथम दृष्टया कम्पनी नम्बर 07 की सदस्य के रूप में की गई है। इसके अलावा 303 राइफल, देशी बीजीएल लॉन्चर, 303 का कारतूस 7 नग, वॉकी टॉकी समेत कई सामग्रियां बरामद की गई है। मुठभेड़ के बाद जवान लौट आए हैं। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 22 जून को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। शाह नक्सल हिंसा में शहीद हुए पुलिसकर्मी, अधिकारियों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही एंटी नक्सल ऑपरेशन की प्रोग्रेस रिपोर्ट पर एक रिव्यू मीटिंग भी लेंगे।

इसमें छत्तीसगढ़ पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ जैसी सेंट्रल पुलिस फोर्स के आला अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सीएम विष्णुदेव साय ने हाई लेवल मीटिंग ली। सीएम साय ने शाह के दौरे को लेकर तैयारियों के निर्देश दिए हैं। अमित शाह रायपुर से बस्तर भी जा सकते हैं।

31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने की बात अमित शाह ने रायपुर में बीते साल मीटिंग में कही थी। इस टारगेट को पूरा होने में करीब 1 साल से कम का समय बच हुआ है। साय सरकार बनने के बाद 350 से ज्यादा नक्सलियों का एनकाउंटर हुआ। इसलिए नक्सलवाद के खात्मे के लिए शाह का यह दौरा अहम माना जा रहा है। छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के ग्राम कलपर में 2024 में हुई मुठभेड़ के दौरान 29 नक्सली मारे गए थे, जिसमें कई बड़े कैडर के नक्सली शामिल थे। पुलिस की सयुक्त टीम ने एक बार फिर इसी इलाके में ऑपरेशन लॉन्च किया है। दो दिन पहले ही छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर मारेडपल्ली में हुई मुठभेड़ में ग्रेहाउंड्स फोर्स ने नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर गजरला रवि, अरुणा समेत 3 बड़े कैडर्स को मार गिराया। गजरला 40 लाख का इनामी था। वहीं एनकाउंटर में मारी गई अरुणा स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर एसजडसीएम थी और नक्सली लीडर चलपति की पत्नी है। इस पर 20 लाख का इनाम था।

इंस्टाग्राम पर महिला की अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा, 20 जून (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। इंस्टाग्राम पर एक महिला की अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शनिदेव पंकज उम्र 24 वर्ष निवासी ढाबाडीह थाना पामगढ़ जिला जांजगीर-चांपा के रूप में हुई है। आरोपी ने पीड़िता का अश्लील फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर उसे बदनाम करने की कोशिश की थी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 18 जून को अपराध क्रमांक 240/25 धारा 79, 308(2) बीएनएस एवं 67ए आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। शिवरीनारायण पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है, जिससे अश्लील सामग्री इंस्टाग्राम पर अपलोड की गई थी। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मैनी नदी में बाढ़ में बहे मां-बेटे समेत 4 लोग

पुटू बीनने गए थे, लौटते वक्त चपेट में आए, तलाश जारी

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। सरगुजा के मैनी नदी में अचानक आई बाढ़ में मां-बेटे समेत चार लोग बह गए। गुरुवार शाम 5:30 से 06:00 के बीच की इस घटना के बाद से अब तक चारों का पता नहीं चल पाया है। सभी ढोड़ागांव के रहने वाले हैं। सभी पुटू (मशरूम) बीनने गए थे, तभी लौटते वक्त बाढ़ की चपेट में आ गए। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम चारों की तलाश में जुटी है।

बता दें कि पूरे छत्तीसगढ़ को मानसून ने कवर कर लिया है। पिछले कुछ दिनों से सरगुजा संभाग में लगातार बारिश के बाद से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है।

इससे पहले मौसम विभाग ने तीन जिलों सूरजपुर, कोरिया और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी में गरज-चमक के साथ भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा गौरेला-पेंड्रा-मारवाही, कोरिया, सरगुजा, जशपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं रायपुर-दुर्ग समेत अन्य जिलों में भी गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पूरे छत्तीसगढ़ को मानसून ने कवर कर लिया है। गुरुवार को 14 जिलों के 56 से अधिक जगहों पर न्यूनतम 10एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। पूरे प्रदेश में औसतन 28 मिलीमीटर बारिश हुई है। वहीं कुसमी में सबसे ज्यादा 200 मिमी पानी बरसा है। इस साल के लिहाज से मानसून के प्रदेश में आने के बाद एक दिन में ये सबसे ज्यादा बारिश है। बारिश की वजह से दिन के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट आई है।

राज्य में पिछले छह दिनों में 22.69 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है। मंगलवार को 25 दिनों से बस्तर में अटका मानसून रायपुर से होते हुए सरगुजा पहुंचा था। इसके बाद से ही प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में बारिश का दौर जारी है।

इससे पहले छत्तीसगढ़ में नौतपे के बीच मानसून की एंट्री हो गई थी। प्रदेश में मानसून के पहुंचने की नॉर्मल डेट 13 जून है। लेकिन इस बार 16 दिन पहले ही मानसून ने दस्तक दे दी थी।

वहीं 64 साल के इतिहास में ये पहली बार है, जब मानसून मई माह में छत्तीसगढ़ पहुंचा था। इससे पहले साल 1971 में 1 जून को मानसून पहुंचा था

ओवर ऑल जून महीने की बात करें तो प्रदेश में अब तक कुल 41.0 मिमी औसत वर्षा हुई है, जबकि सामान्य औसत 81.0 मिमी होती है। यानी लगभग आधी बारिश ही अब तक हुई है। बलरामपुर इकलौता जिला है जहां नॉर्मल से बहुत अधिक बारिश हुई है।

वहीं दंतेवाड़ा ऐसा जिला है जहां सामान्य बारिश हुई है। 26 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रही है। इनमें से 17 जिलों में कम और 9 जिलों में कम बारिश दर्ज की गई।

हालांकि मौसम विभाग की माने तो जून का ट्रेंड यही रहा है। शुरुआती 10 से 12 दिन गर्मी बढ़ती है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी या अरब सागर में बनने वाले लो प्रेशर एरिया या चक्रवातों के चलते मानसून सक्रिय हो जाता है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है।

पिछले माह लगातार बने सिस्टम और करीब 14 दिन पहले आए मानसून ने पूरे छत्तीसगढ़ में मई महीने में जमकर बारिश कराई। इस दौरान औसत से 373 फीसदी ज्यादा पानी गिर गया।

ठेकेदार ने बिजली कर्मचारी को मारा थप्पड़

गाड़ी को नुकसान पहुंचाने का आरोप नाराज संगठन ने की गिरफ्तारी की मांग

खैरागढ़, 20 जून (एजेंसियां)। खैरागढ़-गंडई-छुईखदान जिले में बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।

खैरागढ़ स्थित साल्हेवारा में एक ठेकेदार ने कर्मचारी पर गाड़ी को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने कर्मचारी को थप्पड़ मारा और लात-घूंसों से पीटा।

घटना 19 जून शाम साढ़े 6 बजे की है। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पीड़ित कर्मचारी हरीश राजपूत ने साल्हेवारा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। कर्मचारी संगठनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

बताया जा रहा है छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के परिचायक हरीश राजपूत कंट्रोल रूम के सामने बैठे थे। इसी दौरान विभाग में ठेके पर काम करने वाले कर्मवीर सिंह बघेल, पुष्पराज सिंह और ड्राइवर राहुल मानिकपुरी वहां पहुंचे। आरोपियों ने गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस ने धारा 294, 506, 323, 34 और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

वायरल वीडियो की जांच कर रही है। विभागीय कर्मचारियों में इस घटना को लेकर रोष है। साथ ही कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है।

पीडब्ल्यूडी ईई के घर एसीबी की रेड

सरकारी आवास में 2 लाख रुपए घूस लेते पकड़ाया, ठेकेदार से मांगी थी रिश्वत

जगदलपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) के कार्यपालन अभियंता (ईई) अजय कुमार के सरकारी आवास पर एसीबी की टीम ने छापेमारी की। अजय कुमार को 2 लाख रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। मामला जगदलपुर के साकेत कॉलोनी का है। मिली जानकारी के मुताबिक ठेकेदार रमेश यादव ने ईई अजय कुमार ने बिल भुगतान के एवज में 2 कैश की मांग की थी। इससे परेशान होकर अजय यादव ने ईई के खिलाफ एसीबी से शिकायत की थी। शिकायत सही पाए जाने के बाद कार्रवाई की गई है।

दरअसल, एसीबी ने शिकायत की पुष्टि के बाद योजना बनाकर अजय कुमार को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके बाद ठेकेदार ने शुक्रवार को साकेत कॉलोनी स्थित अभियंता के सरकारी आवास में रकम सौंपी, वैसे ही एसीबी की टीम ने ईई को रंगेहाथों धरदबोचा।

बताया जा रहा है कि फिलहाल एसीबी की टीम उनके सरकारी आवास और दफ्तर में तलाशी अभियान चला रही है, जिसमें दस्तावेज, लेन-देन के रिकॉर्ड और संपत्ति की जांच की जा रही है। कुछ और भी सबूत मिल सकते हैं।

शिकायत के बाद एसीबी ने पकड़ा

इस मामले में जगदलपुर एसीबी के डीएसपी रमेश मरकाम ने बताया कि प्रार्थी रमेश यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की सत्यापन कराया गया। पीडब्ल्यूडी के ईई ने बिल भुगतान के एवज में पैसों की मांग की थी। सत्यापन के बाद रेड की कार्रवाई की गई। 2 लाख रुपए लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है।

सुखाड़ योजना के नाम पर साइबर ठगी

महिला से 2.37 लाख रुपए ठगे, देवघर से दो आरोपी गिरफ्तार

लातेहार, 20 जून (एजेंसियां)। लातेहार में सुखाड़ योजना के तहत ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर महिला इन्द्रमुनी उरांव से 2 लाख 37 हजार 600 रुपए की साइबर ठगी हुई है। इस मामले में दो साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। यह जानकारी मुख्यालय एसडीपीओ संजीव मिश्रा ने दी।

गिरफ्तार अपराधियों में कांग्रेस कुमार पिता स्वर्गीय बेलभद्र महतो और सनाउल अंसारी पिता फारूक अंसारी शामिल हैं। दोनों देवघर के रहने वाला हैं। दोनों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी में प्रयुक्त मोबाइल फोन, दो पासबुक, दो एटीएम कार्ड और दो सिम कार्ड बरामद किया हैं।

11 केवी लाइन की चपेट में आए दो युवक, एक की मौत

दूसरे की हालत गंभीर, मृतक के परिजनों में पसरा मातम

कोरबा, 20 जून (एजेंसियां)। कोरबा रेलवे स्टेशन फाटक के पास कदमाहाखार नाला स्थित मैदान में बुधवार की दोपहर एक हृदयविदारक हादसा हो गया। मैदान में खेलने या घूमने समय 11 वर्षीय वीरेंद्र यादव 11 केवी हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आ गया जहां उसे तड़पते देख रितेश मनहर दौड़कर उसकी मदद करने पहुंचा और पास स्थित त्रिमूर्ति मंदिर में लगे एक बांस के डंडे के सहारे उसे बचाने की कोशिश की। दुर्भाग्यवश, डंडा भीगा हुआ था और इसी वजह से रितेश भी करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस हादसे में रितेश मनहर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वीरेंद्र यादव करीब 90% तक झुलस गया। घायल वीरेंद्र को गंभीर हालत में स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों ने एसईसीएल के बिजली विभाग और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है, उनका कहना है कि गिरी हुई हाई वोल्टेज लाइन की सूचना पहले भी दी गई थी, लेकिन उस पर समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते एक की मौत हो गई वहीं दूसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। वार्ड 33 मानिकपुर के पार्षद नारायण कुर्रे ने बताया कि सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे जहां देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी बुरी तरह से झुलस चुका थावही खंबे के पास से निकल ही रहा था कहीं ना कहीं संबंधित एसईसीएल बिजली विभाग की लापरवाही है जिसके चलते मौत हुई है। वहीं घटना की सूचना मिलते हैं मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्यवाही शुरू की। एसईसीएल के संबंध बिजली विभाग को सूचना देकर लाइन को बंद कराया गया इसके बाद शव का पंचनामा करवाई किया गया। इस घटना के बाद एसईसीएल के बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे जहां बस्ती वासियों का आक्रोश का सामना करना पड़ा।

मृतक रितेश मनहर जिसकी उम्र लगभग 24 साल बताया जा रहा है उसके पिता संतोष मनहर मानिकपुर बस्ती निवासी हैं। मृतक का पिता न्यू ईयरा पब्लिक स्कूल में ड्राइवर का काम करता है जो स्कूल बस चलाता है।

बाढ़ का कहर, सिक्योरिटी गार्ड की मौत

नाला में डूबने से हुआ हादसा, परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा गए थे ड्यूटी

जमशेदपुर, 20 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड में जल जमाव की भेंट एक गरीब सिक्योरिटी गार्ड चढ़ गया। संजय वर्मा बाढ़ से बचने के लिए अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बाद ड्यूटी गए थे।

गुरुवार देर रात वापस आते वक्त सड़क पार कर रहे थे। सड़क पर पानी जमा होने के कारण उन्हें नाला का अनुमान नहीं हुआ और वह उसी में गिर गए।

स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया मगर उन्हें बचाया नहीं जा सका। करीब 10 फीट गहरे नाला में डूबने से संजय वर्मा की मौत हो गई। संजय वर्मा श्रीनाथ होम्स में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। हादसे के बाद उनके चार बच्चों के सिर से पिता का साया हट गया।

मृतक की बेटी पूजा कुमारी ने बताया कि पिता सुबह 7 बजे ड्यूटी के लिए जाते थे और देर रात वापस आते थे। गुरुवार को क्षेत्र में पानी भर जाने से घर का सारा सामान हटाने के बाद ड्यूटी पर चले गए थे।

वापस आने के क्रम में रोड में जमे पानी को पार करने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान वह अचानक सड़क किनारे नाला में गिर गए। इस कारण वह पानी में डूब गए।

स्थानीय लोगों ने उन्हें नाला से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके दो बेटी और दो बेटा है। अभी सभी बच्चे छोटे हैं। सभी स्थानीय सरकारी स्कूल में पढ़ाई करते हैं।

लगातार बारिश से सुलगती कोयला खदान से निकल रही भाप

खदान के धंसने का डर, पानी भरने से कोयला उत्पादन-डिस्पैच का काम रुका

धनबाद, 20 जून (एजेंसियां)। मानसून लगातार तीसरे दिन गुरुवार को धनबाद में झूमकर बरसा। सुबह से शाम तक रह-रहकर हल्के से मध्यम दर्जे की और दो-तीन बार मूसलाधार बारिश हुई। शुक्रवार को भी यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

तकरीबन झारखंड के हर जिले में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने 25 जून तक कई हिस्सों में अच्छी-खासी बारिश होने की संभावना जताई है।

इधर, लगातार बारिश की वजह से झरिया में जमीन के नीचे कोयले में लगी आग पर पानी गिरने से भाप निकलना शुरू हो गया। कोयला खदान 109 साल से जमीन के अंदर-ही-अंदर आग सुलग रही है। धनबाद में मानसून की जोरदार बारिश के दौरान भारी मात्रा में पानी खदानों में गया, तो अंदर की गर्मी से भाप बनकर पूरे कोलियरी क्षेत्र में छा गया।

इधर, पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश का सबसे अधिक प्रभाव बीसीसीएल में कोयले के उत्पादन और डिस्पैच पर पड़ा है। कंपनी के सभी 12 एरिया की ओपनकास्ट और अंडरग्राउंड खदानों में बरसात का पानी भर गया है।

इसके कारण उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन ने भूमिगत खदानों में कर्मियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। ओपनकास्ट खदानों में पहले सुरक्षा और उसके बाद उत्पादन पर जोर देने का प्रबंधन ने आदेश जारी किया है। वहीं, बोकारो के तेनुघाट डैम के 10 गेट और ओडिशा प्रशासन द्वारा खरकई व ब्यांगविल डैम के दो-दो फाटक और चांडिल डैम के 10 रेडियल गेट खोले जाने से खरकई और सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इससे नदियों के किनारे बसे निचले इलाकों में पानी घुसने की आशंका है।

पति ने की पत्नी की हत्या

शव छोड़ भागे ससुराल वाले, महिला के पिता ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

गिरिडीह, 20 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह में गुरुवार की देर रात एक विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया। मायके पक्ष ने दहेज की मांग पूरी ना होने पर विवाहिता की हत्या फांसी लगा करने का आरोप लगाया है। इधर, घटना के बाद से मृतका का पति और ससुराल पक्ष मौके से फरार है।

घटना बिरनी प्रखंड अंतर्गत भरकट्टा ओपी क्षेत्र के पूर्वी बलगो में हुई। मृतका की पहचान गुलेशा खातून (23) के रूप में की गई है। गुलेशा की शादी एनाउल अंसारी के साथ तीन साल पहले हुई थी। दंपती का 6 माह का एक बेटा भी है।

इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद बिरनी के भरकट्टा ओपी की पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मृतका के पिता शकूर अंसारी ने बताया कि बेटी को दहेज के लिए ससुराल वाले परेशान करते थे। बुलेट बाइक की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। बेटी अपने मायके चिरुडीह में थी।

गुरुवार को उसका पति एनाउल अंसारी यहां आया और ससुराल ले गया। यहां देर रात गुलेशा की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद पति समेत ससुराल के लोग फरार हो गए।

घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा मायके वालों और पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद मृतका के पिता शकूर अंसारी समेत मायके वाले गुलेशा के ससुराल पहुंचे, जहां बेटी का शव देखते ही उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

चलते ट्रक में लगी आग

ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान, एनएच-33 पर पेंट से भरा वाहन जलकर खाक

सरायकेला-खरसावां, 20 जून (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले में शुक्रवार को नेशनल हाईवे-33 पर एक बड़ा हादसा हुआ। चौका थाना क्षेत्र में चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक में ज्वलनशील पेंट लदा था।

ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में इंजन में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई गई है।

घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। आसपास के ग्रामीणों ने पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन ज्वलनशील पेंट की वजह से आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

ईरान ने क्लस्टर बम दागकर इजरायल में मचाया कोहराम

नेतन्याहू के एयर डिफेंस सिस्टम क्यों हो रहे नाकाम?

तेल अवीव/तेहरान, 20 जून (एजेंसियां)। इजरायल ने ईरान पर क्लस्टर बमों के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। क्लस्टर बम इतने खतरनाक होते हैं कि उसके इस्तेमाल पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लागू है। इजरायल ने दावा किया है कि 19 जून को ईरान ने मिसाइलों का जो बैराज लॉन्च किया था, उनमें कम से कम एक मिसाइल के वॉरहेड में क्लस्टर बम लगाए गये थे। यानि ईरान के कम से कम एक मिसाइल की वॉरहेड क्लस्टर म्युनिशन से लैस थी। यानि वो विस्फोटक, जो हवा में विस्फोट होने के बाद दर्जनों छोटे छोटे बमों में बंट जाते हैं और फिर हर बम अलग अलग विस्फोट होते हैं। ये काफी ज्यादा तबाही मचाने वाले हथियार होते हैं और एक विशाल इलाके में विनाश मचाने के लिए इन्हें बनाया जाता है। इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि यह पहली बार है जब मौजूदा ईरान-इजरायल संघर्ष में इस प्रकार के हथियार का इस्तेमाल किया गया है।

इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मिसाइल की वारहेड आसमान में 23,000 फीट यानि करीब 7 किलोमीटर की ऊंचाई पर फटी और उससे करीब 20 उप-विस्फोटक आठ किलोमीटर के दायरे में फैल गये और फिर हर एक उप-विस्फोटकों में धमाके हुए। इससे इजरायल के सेंट्रल शहर आजोर में एक आवासीय इमारत को भारी नुकसान पहुंचा हैं, हालांकि फिलहाल इजरायल ने किसी के घायल होने या किसी के जान जाने की रिपोर्ट नहीं दी है। ईरान ने जब कल बैलिस्टिक मिसाइलों का बैराज लॉन्च किया था, यानि एक साथ कई बैलिस्टिक मिसाइल इजरायल पर छोड़ा था, तो उन्हीं मिसाइलों में से एक मिसाइल के वॉरहेड में क्लस्टर मिसाइल था। कई मिसाइलों ने एयर डिफेंस को कनफ्यूज कर दिया और क्लस्टर बम वाली मिसाइल करीब 7 किलोमीटर ऊंचाई पर फटी, इसीलिए एयर डिफेंस उसे इंटरसेप्ट करने में नाकाम हो गया।

बहुत ही आसान भाषा में समझें तो क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है, जिसमें मुख्य बम के भीतर दर्जनों या सैकड़ों छोटे-छोटे विस्फोटक रखा जाता है। जब इसे लॉन्च किया जाता है, तो यह एक निश्चित ऊंचाई पर जाकर हवा में फटता है और अपने भीतर मौजूद सारे बमों को एक विशाल क्षेत्र के ऊपर बिखेर देता है। यानि अगर एक मिसाइल सिर्फ एक जगह पर तबाही मचाएगी तो उसका वॉरहेड अगर क्लस्टर बमों से लैस है, तो वो कई जगहों पर एक ही हमले में तबाही मचा सकती है। जैसे ईरान के मिसाइल के वॉरहेड में जो क्लस्टर बम था, उसमें 20 बम थे और ये इजरायल में 8 किलोमीटर के दायरे में 20 जगहों पर गिरे होंगे और फटे होंगे। ये सबम्युनिशन जमीन पर गिरकर या तो टकराते ही फट जाते हैं, या कुछ समय बाद उनमें अपने आप विस्फोट हो जाता है। ईरान ने जिस क्लस्टर बम का इस्तेमाल किया है, रिपोर्ट्स के मुताबिक मिसाइल में मौजूद हर एक सबम्युनिशन में 2.5 किलोग्राम विस्फोटक था, जो एक घर या कार को पूरी तरह तबाह कर सकता है।

क्लस्टर बमों के इस्तेमाल पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध है फिर भी हथियार बनाने वाले करीब करीब हर देश के पास ये बम है। इसके इस्तेमाल को लेकर काफी लंबे समय से दुनिया में बहस होती रही है। इसके पीछे की वजह ये है कि इस बम को अंधाधुंध विनाश का कारण माना जाता है। इसके अलावा ये बम बाद में भी फट सकता है, जिससे राहत और बचाव कार्य चलाने वाले लोग भी चपेट में आ जाते हैं।

पाकिस्तान ने फिर माना-भारत ने नूर खान-शोरकोट एयरबेस तबाह किए

कहा- सऊदी प्रिंस का फोन आया था, फिर उन्होंने भारत से बात की

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने पहली बार माना है कि भारत ने उनके दो बड़े एयरबेस नूर खान और शोरकोट एयरबेस पर हमला किया था। डार ने जियो न्यूज पर खुलासा करते हुए बताया कि 6-7 मई की रात को पाकिस्तान जवाबी हमला करने की तैयारी कर रहा था, तभी भारत ने दोबारा स्ट्राइक कर दी और नूरखान-शोरकोट एयरबेस को निशाना बनाया।

इससे पहले पाकिस्तान सरकार और सेना ने भारत के हमले की बात को नकारा था। हालांकि, कुछ समय बाद पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने और अब डिप्टी पीएम इशाक डार ने हमलों की पुष्टि कर दी है।

वहीं, डार ने सीजफायर के पीछे सऊदी प्रिंस की पहल होने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि, '6-7 मई की रात को हमले के 45 मिनट बाद सऊदी प्रिंस ने फोन कर भारत से बातचीत का प्रस्ताव दिया था, फिर हमारे हां

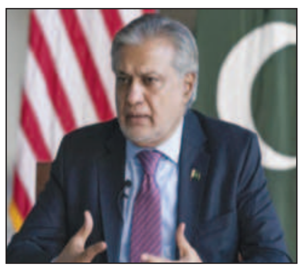

कहने पर उन्होंने भारत से बातचीत की थी।

दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

इशाक डार के दो बड़े खुलासे

भारत ने हमारे 2 बड़े एयरबेस पर हमला किया

इशाक डार ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हमारी बात हो गई थी। उन्होंने फोर्सेज को रेडी रहने को कह दिया था। सब डिसाइड हो गया था कि हमें क्या रोलआउट करना है। हम भारत पर सुबह 4 बजे के बाद बड़ा हमला करने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही भारत ने रात के ढाई बजे दोबारा हरकत कर दी और उन्होंने नूरखान, शोरकोट एयरबेस समेत कई जगहों पर हमला कर दिया।

सऊदी अरब ने तनाव कम करने की कोशिश की

डिप्टी पीएम डार ने कहा, भारत ने नूर खान एयरबेस पर हमला किया तब सऊदी प्रिंस ने फोन पर कहा कि आप कहो तो विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात करता हूं कि पाकिस्तान युद्धविराम के लिए तैयार हैं और वो भी रुक जाएं, तो मैंने कहा कि जरूर करिए, और उन्होंने बात करके मुझे फोन किया।

शहबाज शरीफ ने भी कबूल किया था

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने भी एक इंटरव्यू में स्वीकार किया कि भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से रावलपिंडी एयरपोर्ट सहित कई जगहों पर हमला किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने 10 मई को सुबह 4:30 बजे जवाबी हमला करने की योजना बनाई थी, लेकिन भारत की दूसरी लहर के हमलों (9-10 मई की रात) ने पाकिस्तान की योजना बिगाड़ दी।

पाकिस्तान के एक आधिकारिक दस्तावेज ने 4 जून को खुलासा किया था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में कई ऐसे ठिकानों पर हमला किया था, जिनका भारतीय वायु सेना या सैन्य अधिकारियों ने जिक्र नहीं किया था।

यह जानकारी पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनयान उन मार्सूस से जुड़े दस्तावेज में सामने आई है। पाकिस्तान की तरफ से जारी दस्तावेज के मुताबिक भारत ने पेशावर, झंग, हैदराबाद (सिंध), गुजरात (पंजाब), बहावलनगर, अटक और चोर पर भी हमले किया था।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

6 घायल, अमेरिका बोला- ईरान परमाणु बम बनाने के करीब, सिर्फ खामेनेई के आदेश का इंतजार

तेहरान/तेल अवीव, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं।

यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

7 दिन की लड़ाई में अब तक इजराइल के 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 657 हो चुका है और 2,037 लोग घायल हैं।

इजरायल और ईरान की जंग से 90 लाख भारतीयों पर मंडरा रहा खतरा

खाड़ी देशों में पहुंचा युद्ध तो बहुत कुछ होगा दांव पर

तेहरान, 20 जून (एजेंसियां)। इजरायल और ईरान की जंग कभी दो देशों से आगे बढ़कर बड़े संघर्ष का रूप ले सकती है। सभी की नजरें अमेरिका पर टिकी हैं, जहां राष्ट्रपति ट्रंप अगले दो सप्ताह में युद्ध में शामिल होने को लेकर फैसला कर सकते हैं। ईरान भी झुकने को तैयार नजर नहीं आ रहा है और उसने कहा है कि अगर अमेरिका युद्ध में शामिल हुआ तो वह उसके ठिकानों पर हमला करेगा। ऐसे में यह युद्ध कभी भी बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है, जिसकी जद में पूरा मध्य पूर्व आ सकता है या फिर यह बाहर तक भी जा सकता है। खाड़ी में युद्ध अगर फैलता है तो इसका असर भारत पर बहुत ज्यादा पड़ने वाला है। ऐसे में आइए देखते हैं कि भारत के लिए क्या दांव पर लगा है?

खाड़ी में विशाल भारतीय समुदाय

वरिष्ठ पत्रकारv स्टैनली जॉनी ने लिखा इस क्षेत्र में लगभग 90 भारतीय रहते और काम करते हैं।

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में रहने वाले भारतीय बड़ी मात्रा में धन भारत भेजते हैं। इसे ऐसे समझा जाता है कि दुनिया से भारत भेजे जाने वाल कुल धन का आधा हिस्सा जीसीसी देशों में रहने वाले भारतीयों से आता है। साल 2023 में 118.7 अरब डॉलर था। ऐसे में अगर संघर्ष छिड़ता है तो यहां रहने वाले भारतीयों को वापस लाना एक बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकता है।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरत का 85 प्रतिशत आयात करता है। इसमें से लगभग 50 फीसदी जीसीसी और इराक से आ रहा है। प्राकृतिक गैस के लिए भारत की इस क्षेत्र पर निर्भरता और भी अधिक है। अगर खाड़ी देश युद्ध में फंसते हैं, तो आपूर्ति मार्ग पर असर पड़ सकता है। ईरान जवाबी कार्रवाई के रूप में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है, जिससे वैश्विक कच्चे तेल का 20 प्रतिशत भाग गुजरता है। इसके साथ ही वह ओमान की खाड़ी और अरब सागर के मार्गों पर भी हमले शुरू कर सकता है, जबकि हूती लाल सागर में फिर से जहाजों को निशाना बना सकते हैं। इसके तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं।

ईरान मध्य एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार है। ईरान उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। भारत ने चाबहार में लाखों डॉलर का निवेश किया है, जिसकी वास्तविक क्षमता अभी तक सामने नहीं आ पाई है। इस बंदरगाह के जरिए वह मध्य पूर्व में प्रवेश की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में ईरान में स्थिरता भारत के आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है।

इस बीच भारत ने ईरान और इजरायल में रहने वाले भारतीयों को निकालना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि इजरायल छोड़ने की इच्छा रखने वाले भारतीय नागरिकों को इजरायल की जमीनी सीमाओं के माध्यम से घर लौटने में सहायता की जाएगी।

नाटो के नए खर्चा प्रस्ताव पर स्पेन का इनकार

मैड्रिड, 20 जून (एजेंसियां)। नाटो के नए रक्षा प्रस्वात को लेकर चर्चा तेज है। इसी बीच स्पेन ने इस खर्चा प्रस्वात को नुकसानदायक बताते हुए खारिज कर दिया है। मामले में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गुरुवार को नाटो महासचिव मार्क रुटे को पत्र लिखकर कहा कि यह लक्ष्य न केवल अवास्तविक है, बल्कि हमारे कल्याणकारी राज्य के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। बता दें कि नाटो की तरफ से जारी रक्षा प्रस्वात में सभी सदस्य देशों से अपनी जीडीप का पांच प्रतिशत रक्षा जरूरतों पर खर्च करने की बात कही गई, जिसके बाद स्पेन ने इसका विरोध करते हुए इसे खारिज कर दिया। मामले में स्पेन के प्रधानमंत्री सांचेज ने कहा कि इतनी बड़ी रकम खर्च करने से स्पेन को अपनी अन्य सामाजिक योजनाएं जैसे सार्वजनिक सेवाएं और हरित विकास योजनाएं कम करनी पड़ेंगी। उन्होंने साफ किया कि स्पेन नाटो का पूरी तरह से समर्थन करता है, लेकिन पांच% जीडीपी खर्च करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि स्पेन फिलहाल अपने सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए 2.1% जीडीपी खर्च करने की योजना बना रहा है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो स्पेन नाटो का सबसे कम रक्षा खर्च करने वाला सदस्य है। पिछले साल इसने अपनी जीडीपी का 2% से भी कम रक्षा पर खर्च किया। हालांकि सरकार ने 2025 तक 10.5 अरब यूरो (लगभग 12 अरब अमेरिकी डॉलर) बढ़ाकर पुराने 2% लक्ष्य को पूरा करने की बात कही थी। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद नाटो चाहता है कि नाटो के सदस्य देश कम से कम 3.5% जीडीपी को सीधे सैन्य उपकरणों, सैनिकों, और हथियारों पर खर्च करें। इसके अलावा 1.5% इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे सड़क, पुल, बंदरगाह आदि के विकास और समाज को हमले के लिए तैयार करने में खर्च हो।

जंग में हर दिन 6000 करोड़ खर्च कर रहा इजराइल

ईरान से जंग की वजह से जीडीपी ग्रोट रेथ का अनुमान गिरकर 3.6% हुआ

तेल अवीव, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष सिर्फ सैन्य नहीं, अब आर्थिक संकट में भी बदलता जा रहा है। पूर्व इजराइली रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल रीम एमीनाक के मुताबिक, इजराइल का रोजाना युद्ध लड़ने में 725 मिलियन डॉलर (करीब 6,000 करोड़) खर्च हो रहा है।

इसमें केवल मिसाइल, जेट ईंधन, बमबारी और सैनिक तैनाती जैसे सीधे खर्च शामिल हैं। पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान और प्रोडक्टिविटी में गिरावट को भी जोड़ा जाए, तो असल खर्च इससे कहीं ज्यादा हो सकता है।

इजराइली वित्त मंत्रालय ने 2025 में जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 4.3% से घटाकर 3.6% कर दिया है। वहीं, 2025 में पहले से तय बजट घाटे की सीमा 4.9% से बढ़ सकती है।

13 जून को ईरान पर अटैक के बाद पहले दो दिन में इजराइल का खर्च 1.45 अरब डॉलर (करीब 12,500 करोड़ रूपए) तक पहुंच गया था। इसमें से 593 मिलियन डॉलर (करीब 5 हजार करोड़) बमबारी और जेट ईंधन और बाकी रक्षा संचालन में गए।

बजट घाटा बढ़ने और जीडीपी गिरने का अनुमान

इजराइल के वित्त मंत्रालय ने 2025 के लिए जो बजट घाटे की सीमा तय की थी, वह जीडीपी का 4.9% यानी लगभग 27.6 अरब डॉलर थी। लेकिन यह अनुमान ईरान के साथ नया युद्ध शुरू होने से पहले का था। अब इजराइल का बजट घाटा और बढ़ सकता है।

वहीं, इजराइल का रक्षा बजट पहले ही गाजा युद्ध में काफी खर्च हो चुका है। इसी वजह से वित्त मंत्रालय ने 2025 में जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 4.3% से घटाकर 3.6% कर दिया है।

इजराइल का रक्षा बजट 2023 के 15 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 31 अरब डॉलर हो गया है, जो जीडीपी का लगभग 7% (दुनिया में यूक्रेन के बाद सबसे ज्यादा) है। इससे स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अहम क्षेत्र पिछड़ सकते हैं।

इस युद्ध में अब तक ईरान 400 से अधिक मिसाइलें दाग चुका है, जबकि इजराइल ने 120 लॉन्चर तबाह करने का दावा किया है। इजराइल की मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी अब थकने लगे हैं। अमेरिका से नए डिफेंस सिस्टम मिलने की उम्मीद की जा रही है। साथ ही इजराइल अमेरिका से मिलने वाले फंड को बढ़ाने की भी मांग कर सकता है।

फायर पावर वेबसाइट के अनुसार अमेरिका हर साल इजराइल को आयरन डोम और एयरो डिफेंस सिस्टम के लिए 4500 करोड़ रुपए की मदद देता है।अमेरिका की ओर से इजराइल को हर साल सैन्य मदद के रूप में लगभग 30 हजार करोड़ रुपए अलग से दिए जाते हैं। इस मदद को 'इजराइल फंड' कहा जाता है।

पाक आर्मी चीफ मुनीर आतंकी ठिकानों की मरम्मत करा रहे

40 करोड़ का फंड जारी किया, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत इन्हें तबाह किया था

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई की रात को पाकिस्तान और पीओके के अंदर मौजूद कई आतंकी ठिकानों को सटीक हमलों में तबाह कर दिया था। इनमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने शामिल थे। अब, पाकिस्तान आर्मी उसे फिर से ठीक करा रही है।

पाक सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने खुद दखल देते हुए इन आतंकी ठिकानों को रिस्टोर के लिए अब तक 40 करोड़ रूपए का सरकारी फंड जारी किया है। यह फंडिंग उन मदरसों और मस्जिदों तक भी पहुंच रही है जिनका सीधा संबंध लश्कर और जैश जैसे संगठनों से रहा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर ने मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाह हुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की है।

दरअसल, 1 जुलाई से पाकिस्तान में मदरसे खुलेंगे। पहले मदरसे 20 जून से खुलने थे, लेकिन इनके ठीक न हो पाने के चलते मदरसे खुलने की तारीख बदल दी गई है। मुनीर ने इन्हें रिपेयर करने के लिए एक टीम बनाई है। वह खुद इन कामों की निगरानी कर रहे हैं। जिससे साफ है कि पाक अपने यहां पाले गए आतंकवाद को फिर खड़ा कर रहा है।

बहावलपुरः यहां के मरकज सुभान अल्लाह परिसर पर भारत ने जैश-ए-मोहम्मद के अड्डे को लक्ष्य कर मिसाइलें दागीं थीं। इसे आतंकी मसूद अजहर का गढ़ माना जाता है। 13 आतंकी मारे गए थे। इसके निर्माण को 14 करोड़ मिले हैं।

मुरीदकेः यह लश्कर-ए-तैयबा का गढ़ रहा है। यहां के 27 हेक्टेयर परिसर को भारत ने निशाना बनाया था। हमले में इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसे ठीक करने के लिए मुनीर ने 15 करोड़ रुपए की फंडिंग दिलवाई है।

मुजफ्फराबादः यहां आतंकियों का ट्रेनिंग कैंप बिलाल मस्जिद था। यह तबाह हो गया था। 11 करोड़ रुपए की फंडिंग मिलने के बाद पुनर्निर्माण शुरू हो गया है। यहां मारे गए आतंकियों के परिजनों को भी पाकिस्तानी सेना ने मदद की है।

ये एयरबेस इंटरनेशनल बॉर्डर से करीब 200 किलोमीटर दूर है। भारत ने जैकोबाबाद एयरबेस के हैंगर को निशाना बनाया।

हैंगर वो जगह होती है जहां एयरक्राफ्ट की मरम्मत और रखरखाव होता है। 11 मई की इस तस्वीर में दिखता है कि हैंगर को नुकसान पहुंचा और उसके पास मलबा पड़ा है। 30 अप्रैल की पुरानी तस्वीर में स्ट्रक्चर ठीक-ठाक दिख रहा था।

ये पाकिस्तान का नया एयरबेस है जो 2017 में चालू हुआ था। भारत ने स्ट्राइक के दौरान भोलारी एयरबेस के हैंगर पर हमला किया, जिससे उसकी छत को बड़ा नुकसान हुआ।

कनाडा के सस्केचेवान प्रांत में चक्रवात की चेतावनी

तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट

ओटावा, 20 जून (एजेंसियां)। कनाडा के सस्केचेवान प्रांत के कई इलाकों में गुरुवार शाम चक्रवात की चेतावनी जारी की गई है। स्टॉटन, अकोला, ऑक्सबो जैसे शहरों में तेज हवाएं, भारी बारिश और ओलों की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने बताया कि अभी टॉरनेडो की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कुछ लोगों ने एस्टेवान और रेजिना के पास टॉरनेडो देखने की बात कही है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने व्हाइट सिटी के पास टॉरनेडो को जमीन से टकराते देखा। अधिकारियों ने कहा है कि लोग खिड़कियों से दूर मजबूत कमरों में शरण लें।

शुभांशु को अंतरिक्ष ले जाने वाला मिशन पांचवी बार टला

आईएसएस पर सुरक्षा जांच के चलते पोस्टपोन हुआ, नई तारीख का ऐलान नहीं

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी आईएसएस ले जाने वाला एक्सियम-4 मिशन पांचवी बार टाल दिया गया है। इसे 22 जून को लॉन्च किया जाना था, लेकिन आईएसएस की सुरक्षा जांच के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। इससे पहले इस मिशन को 11 जून को भारतीय समय अनुसार शाम 5.30 बजे लॉन्च किया जाना था। हालांकि, प्रोपल्शन बे में ऑक्सीजन लीक के कारण इसे टाल दिया गया था। एक्सियम मिशन 4 (एx-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं।

शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। ज़्वेजदा सर्विस मॉड्यूल के पिछले हिस्से में मरम्मत हुई है।

नासा ने बताया कि आईएसएस के ज़्वेजदा सर्विस मॉड्यूल के पिछले हिस्से में हाल ही में हुए मरम्मत कार्य की समीक्षा और सुरक्षा जांच के लिए और समय चाहिए। स्पेस स्टेशन की कई प्रणालियां आपस में जुड़ी हुई हैं, इस वजह से नई टीम के लिए सभी तकनीकी सिस्टम पूरी तरह तैयार रहना जरूरी है।

29 मई को ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के तैयार नहीं होने के कारण लॉन्चिंग टाल दी गई।

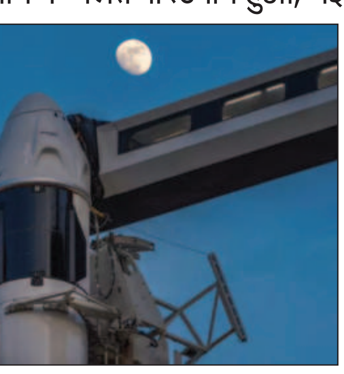

इसे 8 जून को शेड्यूल किया गया। मौसम खराब होने के कारण फिर ये टल गया।

नई तारीख 10 जून दी गई। फिर से इसे मौसम खराब होने की वजह से टाला गया।

11 जून को मिशन शेड्यूल किया गया। फिर इसे आक्सीजन लीक के चलते टाला गया।

नई तारीख 22 जून दी गई। फिर इसे सुरक्षा जांच का हवाला देते हुए टाला गया।

एएक्स-4 लॉन्च को टाल दिया गया है। स्पेसएक्स की टीमों को स्टैटिक फायर टेस्ट के बाद बूस्टर की जांच में पाया गया एलओएक्स लीक ठीक करने के लिए और समय चाहिए। मरम्मत पूरी होने के बाद और रेंज उपलब्ध होने पर हम नई लॉन्च तारीख बताएंगे।

शुभांशु सहित चारों एस्ट्रोनॉट अगर आज रवाना हो जाते तो वे 12 जून को रात 10 बजे आईएसएस पहुंचते।

स्विस बैंक में तीन गुना बढ़ा भारतीयों का पैसा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार काला धन पर शिकंजा करने का लाख दावा भले कर ले लेकिन स्विस बैंक में भारतीयों के पैसों में जिस तरह से बेतहाशा वृद्धि हो रही है, वह चौंकाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक स्विटजरलैंड के बैंकों में भारतीयों का पैसा 2024 में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गया है। यह लगभग 37,600 करोड़ तक पहुंच गया है। स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) के आंकड़ों के अनुसार, यह 2021 के बाद सबसे ज्यादा है। स्विस बैंकों में जमा धन के मामले में भारत पिछले साल के 67वें स्थान से बढ़कर 48वें स्थान पर पहुंच गया है।

पाकिस्तान की जमा राशि में गिरावट आई है, जबकि

पाकिस्तान का क्या है हाल?

बांग्लादेश की जमा राशि में वृद्धि हुई है। पाकिस्तान की बात करें तो एसएनबी में उसकी जमा राशि घटकर 272 मिलियन स्विस फ्रैंक रह गई है। वहीं, बांग्लादेश की जमा राशि बढ़कर 589 मिलियन स्विस फ्रैंक हो गई है।

ब्रिटेन सबसे ज्यादा 222 बिलियन स्विस फ्रैंक जमा करके टॉप पर है। वहीं, यानी सबसे ज्यादा पैसा ब्रिटेन का जमा है। अमेरिका 89 बिलियन फ्रैंक के साथ दूसरे स्थान पर है। वेस्ट इंडीज का 68 बिलियन डॉलर इस बैंक में जमा है।

बैंकों और वित्तीय संस्थानों के जरिए ज्यादा पैसा आने से यह उछाल आया है। व्यक्तिगत ग्राहकों की जमा राशि में मामूली वृद्धि हुई है, जो 11% बढ़कर सीएचएफ 346 मिलियन (लगभग 3,675 करोड़) हो गई है। बता दें कि सीएचएफ स्विस फ्रैंक का शॉर्ट फॉर्म है, जो कि स्विटजरलैंट की करेंसी है।

हालांकि, व्यक्तिगत ग्राहकों द्वारा जमा किए गए पैसे में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। यह सिर्फ 11% बढ़ा है। व्यक्तिगत ग्राहक जमा में मामूली वृद्धि हुई, जो 11% बढ़कर सीएचएफ 346 मिलियन हो गई। डेटा में यह जानकारी दी गई है।

साल 2024 की तुलना में 2023 में इन फंडों में 70 फीसदी की गिरावट आई थी, जोकि चार साल के निचले स्तर पर यानी 1.04 बिलियन फ्रैंक पर पहुंच गया गया था।हालांकि, अभी भी यह 2006 के रिकॉर्ड सीएचएफ 6.5 बिलियन से कम है।

चीन की अकड़ निकालने का भारत ने बना लिया प्लान

रेयर अर्थ मिनरल के लिए अब रौब नहीं दिखा पाएगा ड्रैगन

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। रेयर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ पृथ्वी खनिज) को लेकर चीन काफी अकड़ दिखा रहा है। इसके निर्यात पर चीन ने रोक लगा रखी है। भारत और अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में इनकी भारी मांग है। इनसे बनने वाले मैग्नेट की कमी से देश की कई इंडस्ट्री का काम रुक सकता है। चीन की अकड़ निकालने का अब भारत ने प्लान बना लिया है। भारत सरकार दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक योजना बना रही है। यह योजना लगभग 3500 से 5000 करोड़ रुपये की है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस योजना को जल्द ही मंजूरी मिल सकती है। अधिकारी ने कहा, 'हमारी प्राथमिकता है कि देश में महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन जल्द से जल्द शुरू हो।'

क्या है सरकार का प्लान?

इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस योजना के तहत सरकार कंपनियों को प्रोत्साहन देगी। यह प्रोत्साहन रिवर्स नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से दिया जाएगा। मतलब जो कंपनी सबसे कम कीमत पर प्रोडक्शन करने को तैयार होगी, उसे यह प्रोत्साहन मिलेगा। सरकार ने यह फैसला चीन से होने वाले आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए किया है। अधिकारी ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कम से कम पांच बड़ी भारतीय कंपनियों ने सरकार के साथ बातचीत में इन खनिजों का उत्पादन करने में रुचि दिखाई है।

अभी चीन का एकाधिकार

चीन का दुर्लभ पृथ्वी मैग्नेट की आपूर्ति पर लगभग एकाधिकार है। चीन ने इनके निर्यात पर कई तरह के प्रतिबंध भी लगाए हैं। ये खनिज कार, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे के लिए बहुत जरूरी हैं। ऑटोमोबाइल उद्योग ने सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। अप्रैल में, चीन ने सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और संबंधित मैग्नेट के निर्यात के लिए विशेष लाइसेंस अनिवार्य कर दिया था।

भारत में जबरदस्त मांग

भारत में ईवी और पवन टरबाइन बनाने वाली कंपनियां दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की सबसे बड़ी उपभोक्ता हैं। साल 2025 में देश की कुल मांग का आधा से ज्यादा हिस्सा इन्हीं कंपनियों का होगा। अनुमान है कि साल 2030 तक यह मांग बढ़कर 8220 मीट्रिक टन हो जाएगी। अभी यह मांग 4010 मीट्रिक टन है।

सरकार का यह भी है प्लान

सरकार खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में भी संशोधन करने की योजना बना रही है। इससे महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मदद मिलेगी। सरकार को उम्मीद है कि इस साल के अंत तक देश में दुर्लभ पृथ्वी स्थायी मैग्नेट का व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हैदराबाद की कंपनी मिडवेस्ट एडवांस्ड मैटेरियल्स प्राइवेट लिमिटेड को फंडिंग भी दी है।

रूस में मंदी, आम लोगों के लिए हालात मुश्किल

आलू-प्याज ढाई गुना तक महंगे हुए; इकोनॉमी मिनिस्टर बोले- देश मंदी के करीब

मॉस्को, 20 जून (एजेंसियां)। रूस की अर्थव्यवस्था मंदी के कगार पर खड़ी है। इकोनॉमी मिनिस्टर मैक्सिम रेशेत्निकोव ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में ये बात कही। उन्होंने कहा बिजनेस और इंडस्ट्री के आंकड़े दिखा रहे हैं कि देश मंदी के बेहद करीब है। यानी, महंगाई बढ़ रही है, आर्थिक गतिविधियां धीमी हो रही हैं, कारोबार कम हो रहा है, और निवेश रुक रहा है। रूस में मंदी का पहला कारण रूस में ब्याज दरें बहुत ज्यादा हैं। हाल ही में ब्याज दर को 21% से घटाकर 20% किया गया, लेकिन ये अभी भी इतनी ज्यादा है कि कारोबारी कर्ज लेने से डर रहे हैं। दूसरा, यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध की वजह से रूस पर पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंध हैं, जिसने व्यापार और निवेश को मुश्किल बना दिया है।तीसरा, तेल की कीमतें कम होने से रूस की कमाई पर असर पड़ रहा है। हालांकि बीते कुछ दिनों में इजराइल-ईरान जंग के कारण कच्चे तेल के दामों में तेजी आई है। यूक्रेन के साथ करीब 3 साल से चल रही जंग के कारण रूस में महंगाई बहुत ज्यादा है। 2024 में ये 9.5% थी और 2025 में भी 9.8% के आसपास बनी हुई है। महंगाई को काबू करने के लिए सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरें बढ़ाईं। ज्यादा ब्याज दर से लोग कम खर्च करते हैं, जिससे मांग घटती है और महंगाई कंट्रोल में आती है। लेकिन इससे कारोबारियों को कर्ज लेना महंगा पड़ रहा है, जिससे निवेश और प्रोडक्शन कम हो रहा है। यूक्रेन के साथ युद्ध के कारण रूस 2025 में अपने बजट का 41% हिस्सा रक्षा और सुरक्षा पर खर्च करेगा, जो कोल्ड वॉर के समय से सबसे ज्यादा है। इससे बाकी सेक्टर, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, और इन्फ्रास्ट्रक्चर, के लिए पैसा कम बच रहा है। साथ ही, पश्चिमी सैंक्शन्स ने रूस के तेल और गैस निर्यात को मुश्किल बना दिया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार 2023 में रूस की तेल की कमाई 20% से ज्यादा घट गई थी। 2023 और 2024 में रूस की अर्थव्यवस्था ने 3.6% और 4.3% की ग्रोथ दिखाई थी, जो सैंक्शन्स के बावजूद अच्छी थी। लेकिन ये ग्रोथ युद्ध से जुड़े खर्चों और तेल की अच्छी कीमतों की वजह से थी। अब लेबर की कमी, ज्यादा महंगाई, और सख्त ब्याज दरों ने ग्रोथ को रोक दिया। फरवरी 2025 में जीडीपी ग्रोथ सिर्फ 0.8% थी, जो पिछले दो साल में सबसे कम है। आम रूसियों के लिए हालात मुश्किल हो रहे हैं।

भारत में बनेंगे लीप इंजन के टर्बाइन फोर्ज्ड पार्ट्स

बंगलूरू में होगा निर्माण हैदराबाद में रखरखाव केंद्र

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) ने फ्रांस की इंजन निर्माता सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एचएएल भारत में लीडिंग एज एविएशन प्रोपल्शन (लीप) इंजन के लिए महत्वपूर्ण टर्बाइन फोर्ज्ड पार्ट्स का निर्माण करेगा और सफ्रान को सप्लाई करेगा। ये पार्ट्स, एयरबस ए-320 नियो और बोइंग-737 मैक्स जैसे विमानों में इस्तेमाल होने वाले इंजन के लिए होंगे। इस साझेदारी से भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति को बढ़ावा मिलेगा। एचएएल के बयान के अनुसार, इस समझौते को फ्रांस के ले-बॉरगेट में 55वें पेरिस एयर शो में अंतिम रूप दिया गया। समझौते पर एचएएल के एलसीए डिवीजन के महाप्रबंधक अब्दुल सलाम और सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन के उपाध्यक्ष (खरीद) डोमिनिक डुप्यू ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों कंपनियों के बीच अक्तूबर 2023 और फरवरी 2025 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का विस्तार है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डीके सुनील ने कहा, यह दीर्घकालिक साझेदारी अब उन्नत चरण में पहुंच रही है। हमें लीप इंजन की वैश्विक आपूर्ति शृंखला में योगदान देने पर गर्व है। वहीं, डोमिनिक डुप्यू ने कहा, एचएएल हमारी वैश्विक सोर्सिंग रणनीति में एक प्रमुख भागीदार बना हुआ है। यह समझौता भारत में हमारी औद्योगिक उपस्थिति, तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजार के लिए लीप इंजनों के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

सेंसेक्स 1046 अंक ऊपर 82,408 पर बंद

निफ्टी 319 अंक चढ़कर 25,100 के पार; बैंकिंग-रियल्टी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार, 20 मई को सेंसेक्स 1046 अंक चढ़कर 82,408 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 319 अंक की तेजी रही, ये 25,112 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट रही। एयरटेल, नेस्ले, एम एंड एम के शेयरों में 3.2% तक की तेजी रही। मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट और एक्सिस बैंक में गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 44 शेयर्स चढ़कर बंद हुए। एनएसई के रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.11% की तेजी रही। हेल्थकेयर, बैंकिंग, आईटी, मेटल, मीडिया, फार्मा इंडेक्स 1.6% तक चढ़ा।

कल बाजार में रही थी गिरावट

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार, 19 मई को सेंसेक्स 83 अंक गिरकर 81,362 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 19 अंक की गिरावट रही, ये 24,793 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में गिरावट और 8 में तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और टेक महिंद्रा सहित कुल 10 के शेयर्स 2.50% तक गिरे। एम एंड एम, टाइटन और मारुति के शेयरों में 1.6% तक की तेजी रही। निफ्टी के 50 में से 33 शेयरों में गिरावट और 17 में तेजी रही। एनएसई का पीएसयू बैंकिंग सेक्टर सबसे ज्यादा 2.04% नीचे आया। इसके अलावा, मीडिया में 1.91%, रियल्टी में 1.60%, मेटल में 1.29% और आईटी में 0.94% की गिरावट रही। अकेले ऑटो सेक्टर 0.52% चढ़कर बंद हुआ।

हादसे के बाद एअर इंडिया में बुकिंग 20 फीसदी घटी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया प्लेन क्रैश के बाद से एयरलाइन की बुकिंग में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एयर इंडिया की उड़ानों की बुकिंग में गिरावट दर्ज की गई। साथ ही, औसत किराया भी 8 से 15 फीसदी घट गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-46
सूर्यास्त - 18-48
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मिथुन	में
चंद्र-	मेष	में
मंगल	सिंह	में
बुध-	मिथुन	में
गुरु-	मिथुन	में
शुक्र-	मेष	में
शनि-	मीन	में
राहु-	कुंभ	में
केतु-	सिंह	में

लग्नारंभ समय		
मिथुन..	05-20	बजे
कर्क...	07-33	बजे
सिंह---	09-44	बजे
कन्या...	11-51	बजे
तुला----	13-58	बजे
वृश्चिक...	16-06	बजे
धनु......	18-20	बजे
मकर...	20-30	बजे
कुंभ...	22-17	बजे
मीन.....	23-55	बजे
मेष.....	01-31	बजे
वृष....	04-00	बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी 07-19 तक उपरान्त (एकादशी क्षय)
मास - आषाढ़ कृष्ण, शनिवार 21 June
नक्षत्र - अश्विनी 19-50 तक उपरान्त भरणी
योग - अतिगण्ड 20-28 तक उप सुकर्मा
करण- विष्टी 07-19 तक उप बव /बालव
विशेष:- योगिनी एकादशी व्रत (स्मार्थ)
व्रत -त्योहार - सूर्य दक्षिणायन

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:01 से 10:40 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:46 - 07:23	अशुभ	लाभ.	18:48 - 20:13	शुभ
शुभ	07:23 - 09:01	शुभ	उत्पात	20:13 - 21:35	अशुभ
रोग।	09:01 - 10:40	अशुभ	शुभ	21:35 - 22:57	शुभ
उत्पात	10:40 - 12:18	अशुभ	अमृत	22:57 - 00:18	शुभ
चंचल	12:18 - 13:56	शुभ	चंचल	00:18 - 01:40	शुभ
लाभ	13:56 - 15:35	शुभ	रोग..	01:40 - 03:01	अशुभ
अमृत	15:35 - 17:13	शुभ	काल..	03:01 - 04:23	अशुभ
काल	17:13 - 18:48	अशुभ	लाभ.	04:23 - 05:46	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है। अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवेदन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है। ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अच्छा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है। आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अच्छा रहेगा। आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे। सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी, तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे। शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे। अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे। यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे। आज आपको पदोन्नत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे। आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी। आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है। आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है। अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और ददृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है। आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्चा जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है। अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे)
आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है, लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता। उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए। उन्हें कार्यो से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है, इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे। आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे। यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था, लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है, हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी। आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अच्छा साबित हो।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अनिल अंबानी की डूबती नैया पार लगाएंगे अडानी, 4000 करोड़ में खरीदेंगे ये कंपनी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों में शुमार गौतम अडानी अब अनिल अंबानी की डूबती कारोबारी नैया को पार लगाने की तैयारी में हैं. अडानी समूह की कंपनी अडानी पावर, अनिल अंबानी की रिलायंस पावर की सहायक कंपनी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) को 4000 करोड़ रुपये में खरीदने जा रही है. इस सौदे को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की भी मंजूरी मिल चुकी है, जिससे अनिल अंबानी की कंपनी को राहत मिलने की उम्मीद है. विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित है और इसके पास 600 मेगावाट की दो थर्मल पावर यूनिट्स हैं. यह कंपनी लंबे समय से वित्तीय संकट का सामना कर रही थी, जिसके चलते रिलायंस पावर इसे बेचने की रणनीति पर काम कर रही थी. अब अडानी पावर ने इस कंपनी को अपने पोर्टफोलियो में शामिल करने का फैसला किया है, जो अडानी समूह की ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा माना जा रहा है. इस डील के तहत अडानी पावर, वीआईपीएल की पूरी हिस्सेदारी खरीदेगी, जिससे कंपनी का संचालन और प्रबंधन पूरी तरह से अडानी समूह के नियंत्रण में आ जाएगा. एक्सपर्ट का मानना है कि यह सौदा न केवल अडानी पावर की उत्पादन क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि विदर्भ क्षेत्र में उनकी उपस्थिति को भी मजबूत करेगा. दूसरी ओर, अनिल अंबानी के लिए यह डील कर्ज के बोझ से उबरने का एक मौका दे सकती है, क्योंकि रिलायंस पावर पर भारी कर्ज का दबाव है. यह सौदा भारतीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है. अडानी समूह पहले से ही कोयला, सौर और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है. अब वीआईपीएल के अधिग्रहण से उनकी थर्मल पावर क्षमता में और इजाफा होगा. वहीं, अनिल अंबानी के कारोबार को इस डील से नई दिशा मिल सकती है. मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि यह सौदा दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसका असली प्रभाव आने वाले समय में ही दिखेगा.

थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस होगा महंगा, प्रीमियम में हो सकती है 10% तक बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय थर्ड पार्टी मोटर बीमा के प्रीमियम बढ़ाने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, बीमा प्रीमियम में औसतन 10% की वृद्धि हो सकती है। कुछ नुकसान वाले क्षेत्रों जैसे कि कमर्शियल वाहनों के लिए यह वृद्धि अधिक हो सकती है। स्कूल बसों जैसी श्रेणियों के लिए, वृद्धि कम या बिल्कुल नहीं हो सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार एक सूत्र ने बताया कि मंत्रालय और बीमा नियामक के बीच थर्ड पार्टी मोटर दरों को बढ़ाने के लिए बातचीत फिर से शुरू हो गई है। बीमा कंपनियों ने सरकार और नियामक को पत्र लिखकर अप्रैल 2025 से 5 से 15% की वृद्धि करने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि अदालती फैसलों, तत्काल दावों के भुगतान और महामारी के दौरान दावों के गलत चक्र के कारण दबाव बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना वर्ष के आधार पर, मोटर थर्ड पार्टी सेगमेंट में लगातार नुकसान हो रहा है। इसमें बड़ी वृद्धि की आवश्यकता है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत थर्ड पार्टी मोटर कवर अनिवार्य है। इसके प्रीमियम की दरों को हर साल पुराने दावों के आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया जाता है। मंत्रालय को बीमा नियामक आईआरडीएआई के साथ परामर्श करके थर्ड पार्टी प्रीमियम के संबंध में आधार प्रीमियम और बीमाकर्ता की देनदारी निर्धारित करने का अधिकार है। लेकिन साल 2018 से वृद्धि ज्यादातर 2 से 3% तक ही सीमित रही है। साल 2021 में कोई बदलाव नहीं हुआ और साल 2022 और 2023 में मामूली बदलाव किए गए। वित्त वर्ष 2024 और 2023 में शुद्ध दावा अनुपात 82% था, जबकि अंतिम नुकसान अनुपात क्रमशः 88% और 91% था। वर्तमान में छोटी कारों (1000सीसी तक) के लिए थर्ड पार्टी प्रीमियम 2100 रुपये है, जबकि मध्यम आकार की कारों (1000सीसी -1500सीसी) के लिए प्रीमियम 3400 रुपये है।

कर्नाटक में आईटी कर्मचारियों से 10-घंटे काम कराने की तैयारी:सरकार वर्किंग आवर्स बढ़ाने की प्लानिंग कर रही; एम्प्लॉइज ने कहा- ये मॉडर्न गुलामी

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार आईटी सेक्टर के कर्मचारियों के डेली वर्किंग आवर्स 9 से बढ़ाकर 10 घंटे करने की प्लानिंग कर रही है। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक ओवरटाइम को मिलाकर ये सीमा 12 घंटे तक जा सकती है। कर्नाटक शॉप्स एंड कमर्शियल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 1961 के मुताबिक अभी रोजाना 9 घंटे से ज्यादा काम नहीं कराया जा सकता। इसके अलावा 3 महीने में 50 घंटे से ज्यादा ओवरटाइम की इजाजत नहीं है। नए प्रस्ताव में सरकार ओवरटाइम की लिमिट बढ़ाकर 3 महीने में 144 घंटे करना चाहती है। कर्नाटक में सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध शुरू हो गया है। कर्नाटक आईटी यूनियन ने प्रस्ताव को मॉडर्न डे स्लेवरी बताया है। यूनियनों का कहना है कि ज्यादा घंटे काम करने से कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। इसके अलावा यूनियन का कहना है कि कंपनियां टू-शिफ्ट सिस्टम लागू कर सकती हैं, जिससे एक-तिहाई कर्मचारियों की नौकरी खतरे में आ जाएगी। कर्नाटक से पहले आंध्र प्रदेश सरकार ने भी कंपनियों को 9 की बजाय 10 घंटे डेली वर्किंग की छूट दी है। यहां महिलाओं को भी रात की शिफ्ट में काम करने की इजाजत मिली है, बशर्ते सुरक्षा, ट्रांसपोर्ट और लाइटिंग की व्यवस्था हो। आंध्रा सरकार का तर्क है कि इससे इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सकेगा, लेकिन वहां भी ट्रेड यूनियनों ने विरोध किया है। इससे पहले इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा- युवाओं को यह समझना होगा कि हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और भारत को नंबर एक बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी आकांक्षाएं ऊंची रखनी होंगी, क्योंकि 800 मिलियन (80 करोड़) भारतीयों को

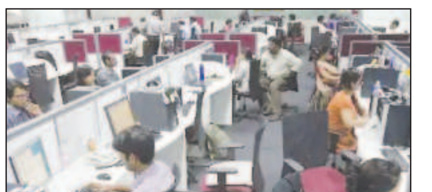

मुफ्त राशन मिलता है। इसका मतलब है कि 800 मिलियन भारतीय गरीबी में हैं। अगर हम कड़ी मेहनत करने की स्थिति में नहीं हैं तो कौन कड़ी मेहनत करेगा।'मूर्ति ने कहा, 'इंफोसिस में मैंने कहा था कि हम सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के पास जाएंगे और अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ वैश्विक कंपनियों से करेंगे। एक बार जब हम अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल कंपनियों से करेंगे तो मैं आपको बता सकता हूं कि हम भारतीयों के पास करने के लिए बहुत कुछ है।'लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने अपने एम्प्लॉइज के साथ ऑनलाइन बातचीत के दौरान एक हफ्ते में 90 घंटे काम करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि अगर संभव हुआ तो कंपनी आपसे रविवार को भी काम करवाएगी।उनसे पूछा गया कि बिलियन डॉलर वाली ये कंपनी अपने एम्प्लॉइज को शनिवार को भी क्यों बुलाती है। जवाब में उन्होंने कहा, 'मुझे खेद है कि मैं आपको रविवार को काम नहीं करवा पा रहा हूं। अगर मैं आपको रविवार को भी काम करवा पाऊं, तो मुझे ज्यादा खुशी होगी, क्योंकि मैं रविवार को काम करता हूं।' सुब्रह्मण्यन ने यह बात एलएंडटी की इंटरनल मीटिंग में कही। इस बात के सपोर्ट में सुब्रमण्यन ने एक चीन के व्यक्ति से हुई बातचीत भी शेयर की। उन्होंने कहा, 'उस व्यक्ति ने दावा किया कि चीन, अमेरिका से आगे निकल सकता है क्योंकि चीनी एम्प्लॉई हफ्ते में 90 घंटे काम करते हैं, जबकि, अमेरिका में 50 घंटे काम करते हैं।'

इसरो के एसएसएलवी रॉकेट का संचालन अब एचएएल के हाथों में

दो साल में तैयार होंगे तीन लॉन्च व्हीकल

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बड़ी उपलब्धी हासिल की है। एचएएल ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (इसरो) के स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) के तकनीकी हस्तांतरण की बोली जीत ली है। यह घोषणा राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष पवन गोयनका ने की।

गोयनका ने कहा कि इसरो दो वर्षों तक एचएएल का संचालन करेगा। इस दौरान एचएएल को समान डिजाइन और आपूर्तिकर्ताओं वाले दो रॉकेट विकसीत करने होंगे। एचएएल डिजाइन में सुधार करने और तीसरे रॉकेट के लिए अपने स्वयं के विक्रेता चुनने के लिए स्वतंत्र होगा।

एचएएल ने दो बड़े समूहों को पीछे छोड़ा बेंगलुरु की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने इस बोली में दो मजबूत समूहों को पीछे छोड़ दिया। इनमें अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजिस, जिसे अडानी डिफेंस सिस्टम्स और टेक्नोलॉजीज का समर्थन था और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की समर्थन वाली कंपनी शामिल थी।

सोना आज 758 गिरकर 98,503 पर आया : चांदी भी 1,791 सस्ती हुई

1.05 लाख प्रति किलो बिक रही; गोल्ड इस साल अब तक 22,341 महंगा हुआ

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 20 जून को गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 758 गिरकर 98,503 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 99,261 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,791 गिरकर 1,05,592 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,383 पर बंद हुई थी। वहीं 18 जून को चांदी 1,09,550 पर ओपन हुई थी।

ये इसका इसका ऑल टाइम हाई था। वहीं सोने ने 16 जून को 99,373 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,630 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,250

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,480 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,480 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,480 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,530 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150

हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत

104,661 और 22 कैरेट सोने की कीमत 96,421 इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,341 रुपए बढ़कर 98,503 रुपए पर पहुंच गया है।

अखिलेश सरकार में गड़बड़ी के आरोपों की जांच बंद कर देगी सीबीआई?

यूपीपीएससी को दी चेतावनी

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस-2015 और एपीएस-2010 भर्तियों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कर रही सीबीआई ने आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने यूपीपीएससी के असहयोग से नाराज़ होकर अब जांच बंद करने की चेतावनी दी है। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखते हुए कहा है कि यदि आयोग 30 दिनों के भीतर जांच से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराता, तो एजेंसी इन मामलों की जांच समयपूर्व बंद करने को विवश हो सकती है। उन्होंने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की है।

चार साल से मिल रहा आंशिक सहयोग, कई पत्रों के बावजूद निष्क्रियता बरकरार

सीबीआई निदेशक के अनुसार, एजेंसी ने बीते चार वर्षों में आयोग को कई बार पत्र भेजे और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत अभियुक्त अधिकारियों के खिलाफ जांच की अनुमति मांगी, लेकिन आयोग की ओर से न तो स्पष्ट अनुमति दी गई और न ही सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। योगी सरकार के फैसले के विरोध में भड़के अमेरिका यादव, चिट्ठी लिख कर कहा- आपसे निवेदन है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस विलंब का असर इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई पर पड़ रहा है, जहाँ समय-समय पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी जाती है। जांच में प्रगति न होने से एजेंसी की साख पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं।

कब शुरू हुई थी जांच?

योगी सरकार ने 31 जुलाई 2017 को अखिलेश यादव सरकार (2012-17) के दौरान घोषित यूपीपीएससी परीक्षाओं के परिणामों की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद सीबीआई ने 5 मई 2018 को पीसीएस-2015 भर्ती और 4 अगस्त 2021 को एपीएस-2010 भर्ती में गड़बड़ी को लेकर एफआईआर दर्ज की थी। इन मामलों में आयोग के तत्कालीन सिस्टम एनालिस्ट गिरीश गोयल, अनुभाग अधिकारी विनोद कुमार सिंह और समीक्षा अधिकारी लाल बहादुर पटेल समेत अन्य के नाम सामने आए हैं।

यूपीपीएससी की सफाई

यूपीपीएससी के सचिव अशोक कुमार ने सीबीआई के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दस्तावेजों की संख्या काफी अधिक है और उनकी नंबरिंग, प्रतिलिपि आदि में समय लग रहा है। उन्होंने दावा किया कि आयोग द्वारा दस्तावेज नियत समय पर सीबीआई को उपलब्ध कराए जा रहे हैं और शेष अभिलेख भी जल्द सौंप दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि लोक सेवकों के खिलाफ जांच की अनुमति को लेकर उच्च स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा है।

बोलेरो से 30 किलो गांजा जब्त

पुलिस ने वाहन के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

मोतिहारी, 20 जून (एजेंसियां)। मोतिहारी में मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान में हरसिद्धि पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बोलेरो से 30 किलो 250 ग्राम गांजा बरामद किया है। हरसिद्धि थाना के अपर थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि छपवा से अरेराज की तरफ बोलेरो में मादक पदार्थ की तस्करी हो रही है। मोतिहारी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सेवरहा चौक पर वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध बोलेरो को रोका। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में गाड़ी की तलाशी ली गई। डिक्की से सात पैकेटों में गांजा मिला। पुलिस ने गाड़ी चालक सुभाष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

महाराष्ट्र से 40 साल का आदमी देवरिया आया

15 साल की लड़की से शादी करने, फिर सब गुड़-गोबर हो गया

देवरिया, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आपको बता दें कि यहां एक मंदिर में नाबालिग लड़की की शादी की सूचना पर हड़कंप मच गया। मामले की सूचना पर महिला कल्याण विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इस बाल विवाह को रुकवा दिया गया। इसके बाद टीम नाबालिग लड़की को वन स्टॉप सेंटर में ले गई। जानकारी मिली है कि यहां 40 साल के एक आदमी से 15 साल की किशोरी का विवाह कराया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के बनिययनी स्थित एक मंदिर की है। यहां 15 साल की एक लड़की की शादी महाराष्ट्र से आए 40 साल के एक युवक से की जा रही थी। मंदिर में हल्दी की रस्म चल रही थी, तभी किसी ने 1090 (महिला हेल्प लाइन) पर इसकी सूचना दे दी।

सूचना मिलते ही पुलिस के साथ वन स्टॉप सेंटर की मीनू जायसवाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और शादी रुकवाई। इस मामले में जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल सोनकर ने बताया कि नाबालिग लड़की की शादी की सूचना पर उन्होंने तुरंत टीम भेजी थी। चाइल्डलाइन, वन स्टॉप सेंटर और डीसीओ (जिला बाल संरक्षण अधिकारी) के कर्मचारी व पुलिस विभाग की टीम मौके पर गई थी। सोनकर ने कहा, मौके पर शादी हो रही थी, उसे तुड़वा दिया गया। लड़की को वन स्टॉप सेंटर में आवासित कराया गया है।

कानपुर डीएम व सीएमओ विवाद

अखिलेश यादव बोले- सच सामने लाने के लिए उच्चस्तरीय जांच की जाए

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। कानपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह पर अभद्र टिप्पणी करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के मामले में सीएमओ हरिदत्त नेमी को निलंबित किया जा चुका है। मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि ईमानदार ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकता है। कानपुर के जिलाधिकारी ने नेमी पर वित्तीय अनियमितता करने, अस्पतालों से वसूली करने के गंभीर आरोप लगाते हुए सीएम को पत्र लिखा था। जिसको संज्ञान में लेकर कार्रवाई के साथ इनके खिलाफ विजिलेंस जांच भी शुरू हो गई। सीएमओ को महानिदेशालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है।

श्रावस्ती के एसीएमओ डॉ। उदय नाथ को कानपुर का नया सीएमओ बनाया गया है। वहीं, डॉ। हरिदत्त नेमी हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितू माहेश्वरी की ओर से बृहस्पितवार को निलंबन आदेश जारी किया गया। निलंबन आदेश जारी होते ही सीएमओ ने अपने कैंप कार्यालय से प्रेस वार्ता कर डीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे पैसा चाहते थे, सिस्टम में आने की सलाह देते रहे। जब हम उनके सिस्टम में नहीं आए तो निलंबन की संस्तुति कर दी। उन्होंने कहा, 16 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद से डीएम हर बैठक में उन्हें जाति सूचक शब्दों के जरिए उत्पीड़न करते रहे।

दबंगों के अवैध कब्जे पर चला प्रशासन का बुलडोजर

अमेठी, 20 जून (एजेंसियां)। अमेठी के गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर वार्ड नंबर 13 में चकमार्ग की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे पर शुक्रवार को प्रशासन का बुलडोजर चला। दो दिन पहले इसी स्थान पर अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व टीम और एसडीएम पर दबंगों ने हमला किया था, जिसमें नायब तहसीलदार और लेखपाल घायल हो गए थे। शुक्रवार को एसडीएम प्रीति तिवारी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और राजस्वकर्मियों की मौजूदगी में बंजर भूमि पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। मौके पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। घटना की पृष्ठभूमि बुधवार दोपहर की है, जब माधवपुर निवासी भोलानाथ सिंह की शिकायत पर चकमार्ग से अवैध निर्माण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम पर दबंगों ने महिलाओं और पुरुषों को एकत्र कर लाठी-डंडों और पथराव से हमला बोल दिया था। टीम को जान बचाकर थाने में शरण लेनी पड़ी थी। घटना के बाद लेखपालों की तहरीर पर नामजद और अज्ञात मिलाकर कुल 20 से अधिक लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने शुक्रवार तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी उदयभान सिंह ने बंजर भूमि पर अवैध रूप से पक्का निर्माण करा रखा था। उसके परिवार द्वारा अन्य कई सरकारी भूमि पर भी कब्जा किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। प्रशासन ने अब इन सभी कब्जों की जांच कर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

आजाद को कोर्ट में घसीटूंगी

डॉ रोहिणी घावरी ने अब नगीना एमपी चंद्रशेखर आजाद को दिया बड़ा चैलेंज

नगीना, 20 जून (एजेंसियां)। इंदौर की पीएचडी स्कॉलर डॉ। रोहिणी घावरी अब दिन अपर दिन नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर बड़े आरोप लगा रही हैं। बता दें कि बीते दिनों रोहिणी ने चंद्रशेखर पर शोषण का आरोप लगाया था, जिससे सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। रोहिणी के आरोपों के बाद चंद्रशेखर आजाद का बयान भी सामने आया। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अब वो इस मामले में सिर्फ कोर्ट में बोलेंगे, क्योंकि रोहिणी ने अदालत में जाने की बात कही है। अब इस बीच रोहिणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चंद्रशेखर को एक चैलेंज दिया है। रोहिणी ने कहा, कल चन्द्रशेखर ने दिल्ली में गुप्त मीटिंग बुला कर सबके सामने स्वीकार किया कि रिश्ता था, साथ रहे। लेकिन लगा की राजनीतिक नुकसान है तो छोड़ दिया!! यही जवाब कोर्ट में दे के दिखाना अब!! क्यों चंद्रशेखर मैं क्या कोई खिलौना हूँ जो यूज कर के फेंक दिया?

मैं किसी की बेटी बहन इज़्ज़त हूं जो तुमने किया है, उसकी माफ़ी नहीं सजा होगी याद रखना!! अब कोर्ट में मिलते हैं! रोहिणी का आरोप है कि नगीना सांसद चंद्रशेखर ने उनका और कई अन्य लड़कियों का शोषण किया है। अब रोहिणी का कहना है कि वह इस मामले में उनके खिलाफ केस दर्ज करवाएंगी और इस मामले को कोर्ट तक ले जाएंगी। रोहिणी का कहना है कि 'अब मेरे ऊपर सवाल उठने लगे इसलिए मैं अब बोल रही हूं। हम दोनों डीप रिलेशन में थे। मगर ये पता नहीं था कि ये पहले से ही शादीशुदा हैं। डीप रिलेशन के दौरान पता चला कि वो शादीशुदा हैं।'रोहिणी ने चंद्रशेखर के खिलाफ ये भी आरोप लगाया है कि उन्होंने कई लड़कियों का शोषण किया है। उन्होंने कहा, जिन लड़कियों के साथ ये किया गया, वह मुझसे संपर्क करती हैं।

यूपी में हर स्तर पर भ्रष्टाचार

ट्रांसफर में भ्रष्टाचार की विजिलेंस और एसआईटी से कराएं जांच

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मांग की है कि अलग-अलग विभागों के तबादले में हो रहे भ्रष्टाचार की विजिलेंस और एसआईटी का गठन कर जांच की जानी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि देश के अधिकतर प्रदेशों की तरह यूपी में भी हर स्तर पर सरकारी कार्यकलापों के साथ ही विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार और हिस्सेदारी के आरोपों से घिरे तबादलों की अनवरत आम चर्चा होती है। ऐसी खबरों का मुख्यमंत्री को कड़ा संज्ञान लेकर ना सिर्फ भ्रष्टाचार निरोधक विजिलेंस विभाग आदि को सक्रिय करना चाहिए बल्कि समयबद्ध एसआईटी का भी गठन करके व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना जन व देशहित में जरूरी है। सरकारी भ्रष्टाचार व अफसरों की द्वेषपूर्ण मनमानी पर यूपी सीएम जितना जल्द सख्त कदम उठाए उतना बेहतर है। बता दें कि स्टांप एवं पंजीयन विभाग में हुए तबादलों में बड़े पैमाने पर पैसे के लेनदेन की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी कार्रवाई करते हुए महानिरीक्षक निबंधक (आईजी स्टांप) समीर वर्मा को हटाकर प्रतिक्षारत कर दिया है। साथ ही उनके द्वारा किए गए सभी 210 तबादलों को भी रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल की शिकायत पर की है। जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईजी स्टांप द्वारा किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। सीएम ने मामले की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं।

गोरखपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर बोले सीएम योगी

आजमगढ़ आतंक का नहीं अदम्य साहस का गढ़

आजमगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने सलारपुर में आयोजित कार्यक्रम में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। जनसभा स्थल पर नंद गोपाल नंदी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सीएम ने लोकार्पण कर जनता को संबोधित किया। कहा कि अब आजमगढ़ आतंक का गढ़ नहीं अदम्य साहस का गढ़ बन गया है। सीएम योगी ने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने 1857 में लड़ी आजादी की लड़ाई अगर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होता रोड कनेक्टिविटी तेज होती तो तभी आजमगढ़ के साथ पूरा देश आजाद होता। कहा कि जाति के नाम पर राजनीति करने वाले पूर्वांचल में सिर्फ वोट मांगने आते थे, आज प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेसवे को सोनभद्र से जोड़ते हुए विकास की गंगा बह रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। काशी, विंध्याचल, चित्रकूट, अयोध्या के बाद अब तो हम मथुरा और वृंदावन की तरफ भी भिड़ गए हैं। कहा कि विरासत के साथ-साथ विकास पर भी काम करेंगे। सीएम ने कहा जो सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करेगा, पहले से उसका टिकट रिजर्व कर दिया जाएगा। पहले विकास के नाम पर यह लोग डी कंपनी को पालते थे, यानी दाउद कंपनी। हमारी सरकार ने ऐसे लोगों को जहन्नुम का टिकट दे दिया। गौरतलब है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़े गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 91.35 किमी है। यह गोरखपुर के एनएच-27 पर जैतपुर के पास शुरू होकर आजमगढ़ के सलारपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलता है। आंबेडकरनगर और आजमगढ़ से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण सहित 7283.28 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसका निर्माण दो भाग में गोरखपुर के जैतपुर से अंबेडकरनगर के फुलवरिया तक (48.317 किमी) और फुलवरिया से आजमगढ़ के सलारपुर तक (43.035 किमी) किया गया है।

जिस पति ने पढ़ा-लिखाकर बनाया क्लर्क, उसी को दूसरे मर्द के लिए दे गई धोखा, अब मांग रही तलाक

गोरखपुर, 20 जून (एजेंसियां)। ज्योति मौर्य का केस दो साल पहले खूब चर्चा में रहा था। सरकारी अधिकारी बनते ही ज्योति ने अपने चपरासी पति को धोखा दे दिया था। ठीक ऐसा ही मामला अब उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से भी सामने आया है। यहां एक पति सालों तक दुबई में रहकर नौकरी करता था, ताकि वो पत्नी को अच्छे से पढ़ा लिखा सके। पढ़ाई में पैसों की कमी न आए। पति का ख्वाब पूरा हुआ और पत्नी की सरकारी विभाग में क्लर्क की नौकरी लग गई। लेकिन फिर जो खेल शुरू हुआ, उससे पति की पूरी दुनिया ही उजड़ गई। पत्नी को दूसरे युवक से प्यार हो गया। आरोप है कि वो एक दिन घर छोड़कर चली गई। बेटे की भी परवाह न की। यहां तक कि उसने पति द्वारा उसके लिए खरीदी जमीन बेच दी। फिर सास-ससुर से मारपीट की और कहा कि वो अब पति के साथ नहीं रहना चाहती है। फिर कोर्ट में तलाक की अर्जी दे दी। मामला पिपराइच इलाके का है। पीड़ित युवक की शिकायत पर एसपी नार्थ ने सीओ चौरी चौरा को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया है। पीड़ित युवक ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह कई वर्षों से दुबई में रहकर नौकरी करता था। पत्नी को पढ़ाता था कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए। इसके बाद वह अपने देश में आकर कुछ व्यापार कर लेगा। परिवार के खर्च के अलावा वह पत्नी की पढ़ाई के लिए भी रुपये भेजता था। उनका 14 साल का एक बेटा भी है।

आर्म्स एक्ट के मामलों को लेकर बिहार के सभी जिलों में गठित होगी स्पेशल कोर्ट

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार में पिछले कुछ दिनों से हत्या, अपहरण और गोलाबारी जैसे आपराधिक मामले काफी बढ़ गए हैं। इसको लेकर बिहार पुलिस भी एक्शन मोड में काम कर रही है। अब बिहार पुलिस के निशाने पर जगह-जगह हथियार लहराने वाले अपराधी आ गए हैं। पुलिस ने पिछले एक साल में राज्य भर में 5000 से भी अधिक अपराधी अवैध हथियारों के साथ पकड़े जा चुके हैं। लेकिन ये सभी मामले कोर्ट में अटके हुए है। इसलिए आर्म्स एक्ट के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए जिलों में गठित विशेष अदालतें होंगी। इसक बात की जानकारी बिहार के डीजीपी ने दी है। बिहार के डीजीपी ने बताया कि जगह-जगह हथियार लहराने वाले अपराधी अब बिहार पुलिस के निशाने पर होंगे। राज्य पुलिस मुख्यालय ने घातक हथियार लेकर चलने वाले अपराधियों की नकेल कसने की तैयारी पूरी कर ली है। राज्य पुलिस मुख्यालय ने आर्म्स एक्ट के मामलों की त्वरित सुनवाई और अपराधियों को तत्काल सजा दिलाने के लिए राज्य के सभी जिलों में विशेष अदालतों के गठन का प्रस्ताव सरकार को सौंप दिया है। बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने बताया कि विगत एक साल में राज्य भर में आर्म्स एक्ट के 5000 हजार से भी अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में फास्ट ट्रैक कोर्ट के अभाव में इन मामलों की सुनवाई में बेवजह विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि आर्म्स एक्ट के मामलों की त्वरित सुनवाई और इसमें शामिल अपराधियों को तत्काल सजा दिलाने के लिए राज्य के सभी जिलों में विशेष अदालतों के गठन का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है।

सांसद बर्क के कहने पर सर्वे रोकने को रिजवान ने जुटाई थी भीड़, सीडीआर से मिले सबूत

संभल, 20 जून (एजेंसियां)। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल का मुख्य साजिशकर्ता तो पुलिस ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को माना है। चार्जशीट में इसका उल्लेख भी किया गया है। इसके अलावा सांसद के व्यक्तिगत सहायक अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। यह सभी खुलासे रिजवान की सीडीआर सामने आने के बाद हुए थे। पुलिस ने चार्जशीट में लिखा है कि रिजवान जामा मस्जिद में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम भी करता है। पुलिस ने आगे की छानबीन की तो भीड़ एकत्र करने की पुष्टि हुई। जिन लोगों से फोन पर बातचीत हुई थी। उनकी भूमिका की जांच करने पर वह भी बवाल की साजिश में शामिल पाए गए। इन सभी 23 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी है। इसमें कुछ गिरफ्तार किए गए हैं। जबकि कुछ को धारा 35 (3) का नोटिस दिया गया है। चार्जशीट के अनुसार 24 नवंबर की सुबह सर्वे होगा। इसकी जानकारी जब जामा मस्जिद कमेटी के सदर को हुई तो उन्होंने 23 नवंबर की देर रात में ही सबसे पहले यह सूचना सांसद को दी थी। सांसद ने कहा था कि सर्वे नहीं होने देना है। भीड़ को एकत्र किया जाए और इसके बाद रिजवान के फोन पर भी कई बार सांसद ने बातचीत की। जिसमें भीड़ को एकत्र करने और सर्वे होने से रोकने का संदेश दिया गया। इसके चलते सर्वे को रोकने के लिए बड़ी तादाद में भीड़ एकत्र हुई और बवाल किया।

जफर अली पर आरोप है कि उन्होंने पूरी साजिश को सांसद के साथ मिलकर रचा और बवाल के बाद प्रेसवार्ता कर झूठे बयान दिए। जो गंभीर अपराध के संबंध में दिए गए थे। अलग-अलग दौर की पूछताछ में वह कोई साक्ष्य नहीं दे सके और उन्होंने कबूल किया कि सांसद ने ही भीड़ एकत्र करने के लिए कहा था। इसके बाद ही भीड़ एकत्र हुई। जामा मस्जिद कमेटी सदर 23 मार्च से जेल में बंद हैं।

इन लोगों के खिलाफ दाखिल हुई है चार्जशीट

सांसद जियाउर्रहमान बर्क, जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट, आसिफ, दानिश, मुजम्मिल, सुभान, जमशेद आलम, रफीक अली, आसिम, अब्दुल रहमान, रिजवान, हाजी राशिद, लड्डन खां, मुमताज, इतरत हुसैन, मताहिर हुसैन, अब्दुल माबूद खान, मोहसिन, आरिश, गिलमान, जाहिद अली, अल्तमश, मुजम्मिल खान।

चार्जशीट में 14 लोगों की गवाही भी शामिल

24 नवंबर को हुए बवाल में एसआईटी ने जांच शुरू की तो साक्ष्य एकत्र करने के साथ बयान भी दर्ज किए। एसआईटी ने इस मुकदमे में 14 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। यह वह लोग हैं जो बवाल के दौरान मौके पर मौजूद थे। इसमें पुलिस के साथ अधिवक्ता भी शामिल हैं। जिन्होंने पूरे बवाल को देखा था। इन गवाहों के बयान भी अहम साबित होंगे। 1100 पन्नों की चार्जशीट एसआईटी ने दाखिल की है।

जामा मस्जिद कमेटी के सदर समेत छह पदाधिकारी आरोपी बनाए गए

जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट तो 23 मार्च से जेल में बंद है। उन पर बवाल की साजिश करने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने जैसे गंभीर आरोप है। इसके अलावा चार्जशीट में पांच और पदाधिकारी आरोपी बनाए गए हैं। इनमें से किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस ने धारा 35 (3) का नोटिस तामील कराया है।

ईरानी महिला को सता रहा परिवार की चिंता,1 साल पहले हुई थी शादी

मुरादाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल में तनाव बढ़ता जा रहा है, जिससे लेकर पूरी दुनिया में चिंता देखने को मिल रही है। इस तनाव के बीच मुरादाबाद में रहने वाली ईरानी मूल की फाइजा बेहद परेशान है। फाइजा के परिजन ईरान के हम्दन क्षेत्र में रहते हैं, युद्ध की वजह से इस इलाके में हर वक्त खतरा मंडरा रहा है। पिछले कुछ समय से माता-पिता से भी उनका संपर्क टूट गया है, ऐसे में उनका रो-रोकर बुरा हाल है। फाइजा ने कहा कि अगर पीएम मोदी जैसे प्रभावशाली नेता मध्यस्थता करें तो लोगों की जान बचाई जा सकती है। ईरानी मूल की फाइजा ने एक साल पहले मुरादाबाद के रहने वाले दिवाकर से शादी की थी, जिसके बाद दोनों ने भारत में ही अपना घर बसाया है। फाइजा के पति दिवाकर एक यूट्यूबर है और अपना कैफे भी संचालित करते हैं। दोनों की जिन्दगी में सबकुछ अच्छा चल रहा था लेकिन अब ईरान और इजराइल में संघर्ष के बीच सब कुछ बदल गया है। युद्ध के चलते फाइजा का अपने परिवार से संपर्क टूट गया है, कभी-कभी थोड़ा बहुत संपर्क हो भी जाता है तो ठीक से बातचीत नहीं हो पाती। ईरान पर जारी हमलों की वजह से हम्दान क्षेत्र में भी हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। वहां की आम जनता भय के साये में जी रही है। युद्ध की वजह से हर पल जान का खतरा बना रहता है। वो बहुत डरी हुई हैं। उनका कहना है कि हमें कुछ समय तक वहां जाने में दिक़्क़त होगी और हम ईरान नहीं जा पाएंगे। लेकिन, उम्मीद करते हैं कि कुछ दिनों बाद ही स्थिति ठीक हो जाएगी और युद्ध रुक जाएगा। मीडिया ने जब फाइजा से इसे लेकर बात करने की कोशिश की तो वो अपने आंसू रोक नही पाई और फूट-फूटकर रोने लगी। फाइजा ने भावुक होकर बताया कि कई दिनों से उसकी अपने घरवालों से बात नहीं हो पाई है। उनकी आवाज तक सुनने को नहीं मिली है। युद्ध का दर्द उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा है।